THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 146 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.13 2083 बुधवार, 26 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

केरलम में भारी बारिश का कहर, कई जगह सड़क बंद जैसी स्थिति, 11 जिलों में येलो अलर्ट

तिरुवनंतपुरम, 25 अगस्त (एजेंसियां)। केरलम के उत्तरी कन्नूर जिले के कई हिस्सों में मंगलवार को भारी बारिश हुई। इसके कारण मिट्टी खिसकने और सड़क पर मलबा आने की घटनाएं हुईं। एलायावूर में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण स्थल पर सुरक्षा दीवार गिरने के बाद मडस्लाइड हुआ। स्थानीय लोगों के अनुसार, इसी जगह पर तीन साल पहले भी बड़ी मडस्लाइड की घटना हुई थी। घटना के बाद जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों से तत्काल रिपोर्ट मांगी। सुबह करीब नौ बजे पलचुरम के चेकुथान थोडु के पास बड़ी मात्रा में मिट्टी और चट्टानें सड़क पर आ गईं।

टीएमसी सांसदों को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

> अभिषेक की याचिका पर स्पीकर से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 बागी सांसदों की अयोग्यता से जुड़े मामले पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने टीएमसी के 20 बागी सांसदों से जवाब मांगा है।

यह मामला पार्टी के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी की उस याचिका से जुड़ा है, जिसमें इन सांसदों की अयोग्यता से संबंधित याचिकाओं पर फैसला लेने में हो रही देरी को चुनौती दी गई है। अभिषेक बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को उनके समक्ष लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर जल्द फैसला लेने का निर्देश दिया जाए। लोकसभा अध्यक्ष और सदन के महासचिव की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। अदालत ने सॉलिसिटर जनरल से इस मामले में लोकसभा अध्यक्ष से निर्देश प्राप्त करने को कहा है। तृणमूल कांग्रेस में बगावत के बाद 20 सांसदों ने पार्टी से अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय का दावा किया था। इन सांसदों ने लोकसभा में अलग समूह के रूप में मान्यता देने की मांग भी की थी। टीएमसी का कहना है कि ये सभी सांसद पार्टी के चुनाव चिह्न पर चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे थे। पार्टी का तर्क है कि किसी दूसरे राजनीतिक गठन में शामिल होने पर उनके खिलाफ संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत दल-बदल विरोधी कानून लागू होता है।

अभिषेक बनर्जी ने स्पीकर के सामने भी उठाया था मुद्दा

अभिषेक बनर्जी ने इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के समक्ष 20 बागी सांसदों के खिलाफ अलग-अलग अयोग्यता याचिकाएं दाखिल की थीं। इन याचिकाओं में जल्द कार्रवाई करने की मांग की गई थी। अब उन्होंने अयोग्यता की कार्यवाही में कथित देरी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इसी याचिका पर मंगलवार की सुनवाई को अहम माना जा रहा है। मानसून सत्र के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ने इन 20 बागी सांसदों के लिए सदन में अलग बैठने की व्यवस्था की थी। अब सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई से यह स्पष्ट हो सकता है कि अयोग्यता की याचिकाओं पर आगे की प्रक्रिया किस दिशा में बढ़ेगी।

अभिषेक बनर्जी को राहत

कलकत्ता हाईकोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी को तीन और एफआईआर में अंतरिम राहत दी है। अदालत ने इन मामलों में गिरफ्तारी समेत सख्त पुलिस कार्रवाई पर रोक लगाई है। इसके साथ ही अब अभिषेक बनर्जी को उनके खिलाफ दर्ज 16 एफआईआर में से 11 मामलों में अंतरिम सुरक्षा मिल चुकी है।

सात साल बाद भारत के दौरे पर आ सकते हैं शी जिनपिंग

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के करीब 400 अधिकारियों के बड़े प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत आने की संभावना जताई गई है। हालांकि उनके आने की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार चीनी अधिकारी होटल और सुरक्षा तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। सात साल बाद शी की संभावित भारत यात्रा 2020 की सीमा झड़पों के बाद दोनों देशों के रिश्तों में सुधार की कोशिशों के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है।

इसी बीच एनएसए अजीत डोभाल की बीजिंग यात्रा और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ बातचीत ने सीमा विवाद को लेकर संवाद की प्रक्रिया को भी गति दी है। अमेरिका की व्यापार नीतियों के बीच भारत और चीन के साझा हित बढ़ने से ब्रिक्स की भूमिका भी अहम हो गई है।

रक्षा मंत्रालय का बड़ा फैसला

भारतीय कंपनियां करेंगी पारंपरिक मिसाइलों का उत्पादन

✻ राजनाथ सिंह ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से विकसित सभी पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों की तकनीक भारतीय उद्योगों को हस्तांतरित करने को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि इससे देश में इन मिसाइल प्रणालियों का स्वदेशी उत्पादन किया जा सकेगा। मंत्रालय के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को मजबूत करना और देश के रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में घरेलू उद्योगों की भागीदारी बढ़ाना है।

तकनीक हस्तांतरण के बाद पात्र भारतीय कंपनियां पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों की डीआरडीओ-विकसित तकनीकों का देश में उत्पादन कर सकेंगी। इसके लिए संबंधित योग्यताओं, प्रमाणन और नियामकीय आवश्यकताओं को पूरा करना होगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह पहल रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को हासिल करने और रक्षा विनिर्माण में भारतीय उद्योगों की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

इससे देश की स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमता को और मजबूती मिलेगी। यह पहल मिसाइल प्रणालियों के विकास से औद्योगिक स्तर पर उत्पादन की ओर सफलतापूर्वक बदलाव को सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य उन्नत रक्षा प्रणालियों के विकास और निर्माण में भारतीय उद्योग की क्षमताओं का प्रभावी इस्तेमाल करना है। इससे देश की घरेलू विनिर्माण क्षमता और रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूत करने के साथ भारतीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) तथा अन्य तकनीकी साझेदारों के लिए रक्षा आपूर्ति श्रृंखला में भागीदारी के नए अवसर पैदा होंगे। इस पहल का एक प्रमुख उद्देश्य रक्षा उपकरणों के आयात पर निर्भरता कम करना और देश में रक्षा प्रणालियों के निर्माण में घरेलू मूल्यवर्धन बढ़ाना है। इससे भारत के रक्षा विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार और स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी।

सीजेपी हिंसा मामला : जांच समिति के पुनर्गठन की मांग पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों के दौरान पुलिस पर कथित ज्यादती के आरोप लगे थे। कोर्ट ने इन आरोपों की जांच के लिए एक हाई लेवल कमेटी बनाने का आदेश दिया था। हालांकि, अब इस कमेटी के पुनर्गठन की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दायर किया गया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच के सामने इस मामले का जिक्र किया गया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील शंकरनारायण ने आवेदन के विषय का उल्लेख नहीं किया, लेकिन सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इसे शरारती आवेदन बताया।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, यह शरारतपूर्ण है। याचिका में समिति का पुनर्गठन करने और इस-उस मंत्री की जांच करने की मांग की गई है। यह कोई राजनीतिक मंच नहीं है। उन्होंने न्यायाधीशों के नाम दिए हैं। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, हम न्यायाधीशों के नामों का उल्लेख पसंद नहीं करते। वकील शंकरनारायण ने जवाब देते हुए कहा, मैंने बस इतना कहा कि आवेदन सूचीबद्ध किया जा सकता है। मैं किसी का नाम नहीं ले रहा हूं। आवेदन सूचीबद्ध होने पर भी, मैं किसी का नाम नहीं लूंगा, जैसा कि मैंने पिछली बार नहीं किया था। हममें से किसी ने भी नाम नहीं लिया।

राहुल-खड़गे की मोदी को चिट्ठी-जाति जनगणना के सवाल बदलें

इसमें पिछड़ा वर्ग शब्द नहीं; बिहार-तेलंगाना जैसी प्रक्रिया अपनाने की मांग

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने जाति जनगणना में जातियों के नाम दर्ज करने और डेटा जुटाने के तरीके का विरोध किया है। उन्होंने पीएम मोदी को लेटर लिखकर जनगणना में पूछे जाने वाले सवाल बदलने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इसे बनाने से पहले राजनीतिक दलों, विशेषज्ञों और जनता से सलाह ली जानी चाहिए।

जनगणना के सवालों में पिछड़ा वर्ग शब्द नहीं होने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि इससे देश में ओबीसी आबादी का सही आंकड़ा सामने आने में परेशानी हो सकती है। तेलंगाना और बिहार जैसी प्रक्रिया अपनाने की मांग की है। जाति का नाम पूछने के लिए सवाल रखने से एक ही जाति अलग-अलग नामों या उपजातियों के नाम से दर्ज हो सकती है। इससे जातियों की सही संख्या पता करना और आंकड़ों की तुलना करना मुश्किल होगा। अगर एक ही जाति कई नामों से दर्ज हुई तो उसकी आबादी का आंकड़ा गलत हो सकता है। इसका असर पिछड़े, अति पिछड़े और अन्य वंचित समुदायों के लिए बनाई जाने वाली योजनाओं पर पड़ेगा। जातियों की पहचान और संख्या दर्ज करने की प्रक्रिया एक जैसी होनी चाहिए, ताकि देश में सामाजिक-आर्थिक स्थिति का सही आंकड़ा मिल सके। जातियों के नाम दर्ज करने के लिए तय सूची या ड्रॉप-डाउन विकल्प देने की मांग की है। इसमें सरकारी जाति सूचियों और भारतीय मानवशास्त्र सर्वेक्षण के आधार पर नाम शामिल किए जा सकते हैं। तेलंगाना और बिहार के जाति सर्वेक्षणों में भी ऐसी सूचियों का इस्तेमाल किया गया था।

'2 हफ्ते में सरेंडर करें'

सुप्रीम कोर्ट ने तरुण तेजपाल की याचिका खारिज की

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को रेप केस में दोषी ठहराए गए तहलका के पूर्व एडिटर तरुण तेजपाल को दो सप्ताह के भीतर जेल अधिकारियों के सामने सरेंडर करने का निर्देश दिया है। तरुण तेजपाल को, जिन्हें 2013 के रेप केस में दोषी ठहराया गया है। कोर्ट ने सरेंडर करने से छूट पाने के लिए तेजपाल की अर्जी खारिज कर दी और कहा कि हाईकोर्ट द्वारा दोषी ठहराए जाने के खिलाफ तेजपाल की अपील पर सुनवाई तभी शुरू होगी जब वह सरेंडर कर देंगे और सरेंडर सर्टिफिकेट जमा कर देंगे।

सरेंडर करने में कितना समय लगेगा- सुप्रीम कोर्ट

बार एंड बेंच के मुताबिक, मंगलवार को जस्टिस आलोक अराधे ने तेजपाल के वकील से पूछा कि उन्हें सरेंडर करने में कितना समय लगेगा। इस पर तेजपाल की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा कि उन्हें दो हफ्ते का समय चाहिए। इसके बाद कोर्ट ने इस बात को रिकॉर्ड पर लिया और मामले की सुनवाई के लिए 22 सितंबर की तारीख तय की, बशर्ते तेजपाल उस तारीख तक सरेंडर सर्टिफिकेट जमा कर दें। इस महीने की शुरुआत में बॉम्बे हाई कोर्ट की गोवा बेंच की ओर से दोषी ठहराए जाने और 10 साल की सजा सुनाए जाने के बाद तेजपाल ने सरेंडर से छूट की मांग की थी। जस्टिस आलोक अराधे की सिंगल-जज बेंच ने इस अपील को खारिज कर दिया। इस तेजपाल ने अपनी सजा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की। वहीं दूसरी ओर, गोवा सरकार ने तेजपाल को उम्रकैद की सजा दिलाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

अमेरिका का ईरान की कमाई के 5 रास्तों पर बैन

इनमें सोना, टेक्नोलॉजी और शिपिंग शामिल
कहा-जो देश बिजनेस करेंगे, उन पर भी कार्रवाई

वाशिंगटन, 25 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका ने ईरान की अर्थव्यवस्था के 5 महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। जिनका इस्तेमाल ईरान दूसरे देशों में अपनी आर्थिक गतिविधियों के लिए करता है। इनमें डिजिटल एसेट्स (जैसे क्रिप्टोकरेंसी), टेक्नोलॉजी, सोना, एविएशन और शिपिंग सेक्टर शामिल हैं। अमेरिका इन क्षेत्रों के जरिए ईरान की कमाई और अंतरराष्ट्रीय कारोबार को रोकना चाहता है। यानी अगर कोई देश इन क्षेत्रों में ईरान के साथ ऐसा कारोबार करता है जिससे उसे पैसा या आर्थिक फायदा मिलता है। तो अमेरिका उस देश पर भी प्रतिबंध लगा सकता है या उसे अमेरिकी डॉलर की वित्तीय व्यवस्था से बाहर कर सकता है। अमेरिका ने अभी यह साफ नहीं किया है कि किन देशों पर सेकेंडरी प्रतिबंध लगाए जाएंगे। हालांकि, चीन, तुर्की और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ईरान के प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने कहा कि हमने 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट' शुरू किया है। यह ईरान और उसके सहयोगी देशों के खिलाफ एक अभियान है। ईरान के सामने अब सिर्फ दो रास्ते हैं। पहला- पूरी तरह से दुनिया से अलग-थलग पड़ना और गुजारे लायक अर्थव्यवस्था। दूसरा- फिर से सामान्य स्थिति की ओर बढ़ना और वैश्विक अर्थव्यवस्था में फिर से शामिल होने का मौका पाना।

भारत की चार कंपनियों पर भी प्रतिबंध

अमेरिका ने ईरान से जुड़े पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल कारोबार तथा खरीद नेटवर्क में कथित भूमिका को लेकर भारत की चार कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, यह कार्रवाई ईरान की सैन्य गतिविधियों, खरीद नेटवर्क और पेट्रोलियम-पेट्रोकेमिकल कारोबार को निशाना बनाने वाले 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट' के तहत की गई है।

सुप्रीम कोर्ट : ओबीसी क्रीमी लेयर पर अदालत बनाएगी स्पेशल बेंच

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2025 में सफल 958 उम्मीदवारों के आईएएस, आईपीएस, आईएफएस और दूसरी केंद्रीय सेवाओं में आवंटन को लेकर अहम मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने अदालत से मांग की है कि ओबीसी क्रीमी लेयर पर 11 मार्च 2026 को आए फैसले को सीएसई-2025 में लागू करने की स्थिति स्पष्ट की जाए। केंद्र चाहता है कि इन उम्मीदवारों का सर्विस आवंटन उस व्यवस्था के आधार पर पूरा करने दिया जाए, जो सुप्रीम कोर्ट के 11 मार्च के फैसले से पहले लागू थी। मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के सामने केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मामला रखा। उन्होंने बताया कि विभाग ने पहले निपटाए जा चुके मामले में तत्काल निर्देश के लिए आवेदन दिया है।

नितिन गडकरी बोले-अब ज्यादा काम नहीं कर सकता

नागपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि वे पहले जितना काम नहीं कर पा रहे हैं और अब जिम्मेदारी नई पीढ़ी के हाथों में सौंप दी जानी चाहिए। नए लोग आए हैं और पुराने लोग उन्हें गाइड कर रहे हैं। नागपुर के 'एकलव्य एकल विद्यालय शिक्षक-पर्यवेक्षक प्रशिक्षण वर्ग' के कार्यक्रम में गडकरी ने कहा- मैं ज्यादा काम नहीं कर पाता। जब कर सकता था, तब किया। अब मेरा काम में दखल कम हो गया है।

युवाओं को सलाह देते हुए उन्होंने कहा, 'अब मैं रोज सुबह उठकर ढाई घंटे एक्सरसाइज और प्राणायाम करता हूं। मेरा ट्रेनर मुझसे वर्कआउट करवाता है। आप सभी को भी रोज कम से कम आधा घंटा व्यायाम और प्राणायाम करना चाहिए।' राजनीतिक सफर के शुरुआती यादों को ताजा करते हुए उन्होंने कहा, 'मेरा जीवन पहले बहुत अनियमित था। हम भावुक होकर साइकिल और स्कूटर से पार्टी के काम के लिए निकल पड़ते थे। उस समय हमारी पहचान के एक व्यक्ति के पास एम्बेसडर कार थी। जब भी पार्टी के बड़े नेता एयरपोर्ट आते थे, तो उनके आने-जाने की व्यवस्था हो सके, इसलिए हमने उस कार मालिक को ही पार्टी अध्यक्ष बना दिया था।' उन्होंने फिर मुस्कुराते हुए कहा, 'मेरे पास एक लूना थी, जो 'कू-कू' की आवाज करती थी। उस पर दो लोग बैठकर जाते थे। बाद में विजय स्कूटर आया, जिस पर हम चार-चार लोग बैठ जाते थे। पुलिस से बचने के लिए हम पीछे बैठे-बैठे नंबर प्लेट पर हाथ रख लेते थे।'

ईडी का खुलासा : साइबर ठगी का पैसा पहले कैश, मनी चेंजर से विदेशी मुद्रा में तबदील; 27,850 करोड़ का लेनदेन

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। ईडी ने गोवा के 'डिजिटल अरेस्ट' मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ के दौरान एक बड़ा खुलासा हुआ है। जांच एजेंसी को ऐसे नेटवर्क का पता चला है जो साइबर-फ्रॉड के पैसे को पहले कैश में बदलता था और फिर मनी चेंजर के माध्यम से उसे विदेशी मुद्रा में तबदील किया जाता था। इस मामले में शामिल कंपनियों ने 27850 करोड़ रुपये के ट्रांजेक्शन किए हैं। इन कंपनियों के बैंक खातों से जुड़ी 330 शिकायतें और 163 एफआईआर दर्ज हैं। केस की जड़ें 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैली हुई हैं।

झूठे तौर पर 'सीक्रेट सुपरविजन अकाउंट्स'

ईडी के के पणजी जोनल ऑफ़िस ने 23 अगस्त को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 की धारा 19 के तहत फहीम मोइन हुसैन सैयद और नईम मुईन सैयद को गिरफ़्तार किया है। स्पेशल कोर्ट (पीएमएलए) ने दोनों आरोपियों को पांच दिन की ईडी कस्टडी में भेज दिया है। यह केस नॉर्थ गोवा के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। इसमें गोवा की एक महिला को 'डिजिटल अरेस्ट' फ्रॉड का शिकार बनाया गया था। महिला को यकीन दिलाया गया कि उसकी जांच चल रही है। वीडियो कॉल पर उसे लगातार निगरानी में रखा गया है। इस तरह उसे 21.05.2025 से 02.06.2025 के बीच उन अकाउंट्स में 2,60,33,634/- ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया गया। इसे झूठे तौर पर 'सीक्रेट सुपरविजन अकाउंट्स' बताया गया था। जांच से पता चला है कि धोखाधड़ी से हासिल किया गया पैसा सिर्फ़ उन लोगों तक ही सीमित नहीं रहा, जिन्होंने पीड़िता को ठगा था। यह पैसा एक ऐसे संगठित सिस्टम में चला गया जिसका मकसद ही यही था—साइबर-फ्रॉड से मिले पैसे (जो आम बैंकिंग क्रेडिट के तौर पर आते थे) को पहले कैश में और फिर विदेशी मुद्रा में बदलना। इसके लिए ऐसी कंपनियों का इस्तेमाल किया गया, जिनके पास रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया से 'फ़ुल फ़्लेज्ड मनी चेंजर' का लाइसेंस था। पीड़िता का पैसा कुछ ही घंटों में, निष्क्रिय और हाल ही में खुले बैंक खातों की पहली परत (लेयर) से गुज़रा। फिर उसे ट्रांसफ़र, कैश निकासी, सेल्फ़-चेक और पेमेंट गेटवे के ज़रिए चार सौ से ज़्यादा लाभार्थी खातों में बांट दिया गया।

'संविधान बदलने की कोशिश'

एक देश, एक चुनाव पर चिदंबरम ने उठाए सवाल, कहा-सरकार की मंशा नहीं पूरी होने देंगे

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद पी. चिदंबरम ने मंगलवार को कहा कि अगर संसद से 'एक देश, एक चुनाव' बिल पास भी हो जाता है, तो भी 2029 में एक साथ चुनाव कराना संभव नहीं होगा। चिदंबरम ने एक्स पर लिखा 'मैं ओएनओई जेपीसी के सामने अपने विचार रखने का मौका मिलने के लिए आभारी हूं। मैं जेपीसी के सामने पेश किए गए अपने सबूतों का खुलासा करने के लिए स्वतंत्र नहीं हूं, लेकिन मेरे बयान का मुख्य मकसद यह था कि यह बिल संविधान की बुनियादी विशेषताओं, खासकर संघीय देश में संसदीय लोकतंत्र के सिद्धांतों का उल्लंघन करता है।'

2029 में एक साथ चुनाव को लेकर क्या कहा?

जेपीसी चेयरमैन के उस बयान पर टिप्पणी करते हुए जिसमें कहा गया था कि 2029 में एक साथ चुनाव हो सकते हैं। चिदंबरम ने कहा, 'मैंने जेपीसी चेयरमैन का वह बयान पढ़ा है जिसमें कहा गया है कि 2029 में एक साथ चुनाव संभव हैं। मुझे लगता है कि उनकी राय गलत है और यह बिल के प्रावधानों के खिलाफ है। अगर बिल पास भी हो जाता है (जिसकी संभावना बहुत कम है), तो बिल के तहत 'तय तारीख' केवल 'आम चुनाव के बाद' की ही तारीख हो सकती है।

उन्होंने आगे कहा, 'अगले आम चुनाव 2029 में होंगे। इसलिए 2029 में एक साथ चुनाव कराना संभव नहीं है। यह एक अच्छी बात है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इस बिल के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाएंगे, क्योंकि संघीय ढांचे वाले देश की संसदीय लोकतंत्र व्यवस्था में यह बिल संवैधानिक रूप से बहुत गलत है।' इस बीच, 'एक देश, एक चुनाव' बिल की समीक्षा कर रही संसदीय समिति को सोमवार को विचार-विमर्श के दौरान कई सुझाव मिले।

बांके बिहारी मंदिर के चढ़ावे में 'बंदरबांट'

सुप्रीम कोर्ट नाराज, कहा-मंदिर की तिजोरी में पहुंचे एक-एक पैसा

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। वृंदावन के श्री बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे की कथित हेराफेरी और धनराशि के गलत तरीके से निकाले जाने के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कड़ा रुख अपनाया। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की ओर से दिया गया एक-एक पैसा या तो मंदिर की दानपेटियों में पहुंचे या ऑनलाइन माध्यम से सीधे मंदिर की कोषागार में जमा हो। अदालत ने कहा कि चढ़ावे की राशि को किसी भी तरह से इधर-उधर किए जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

दानपेटी के सामने पैसे इकट्ठा करने का वीडियो पेश

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष मंदिर के कामकाज की निगरानी कर रही उच्चाधिकार प्राप्त समिति की स्थिति रिपोर्ट रखी गई। वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने अदालत को बताया कि मामले में बेहद गंभीर स्थिति सामने आई है और तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने अदालत के समक्ष तस्वीरें और एक वीडियो भी पेश किया। सिंह ने बताया कि वीडियो में तीन लोग 'गोलक' यानी पारंपरिक दानपेटी के सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं, जो श्रद्धालुओं से पैसे लेकर उन्हें अपनी पॉलीथिन की थैलियों में डाल रहे हैं।

'सेवायतों' की किसी भी रुकावट को गंभीरता से लिया जाएगा

मामले पर सख्त रुख अपनाते हुए पीठ ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि दान की हर राशि दानपेटी या ऑनलाइन माध्यम से मंदिर की कोषागार तक पहुंचनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि सेवायतों या किसी अन्य व्यक्ति की ओर से इसमें किसी भी तरह की बाधा पैदा की जाती है तो उसे बेहद गंभीरता से लिया जाएगा। अदालत ने मंदिर प्रबंधन समिति को मंदिर की कोषागार व्यवस्था में पारदर्शी प्रणाली लागू करने का भी निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट इस मामले में ठाकुर श्री बांके बिहारी जी महाराज मंदिर की प्रबंधन समिति की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। अदालत के निर्देशों का उद्देश्य मंदिर में आने वाले चढ़ावे की राशि के संग्रह और उसके प्रबंधन में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है, ताकि श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए धन का पूरा हिसाब मंदिर के आधिकारिक कोष में दर्ज हो।

खाई में गिरा श्रद्धालुओं से भरा ट्रक, 50 घायल

ऊना, 25 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल पीर निगाह के पास मंगलवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। श्रद्धालुओं से भरा एक ट्रक बेकाबू होकर गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे में करीब 50 श्रद्धालु घायल हो गए। घायलों में महिलाएं, बच्चे और पुरुष सभी शामिल हैं। सभी घायल हरियाणा के करनाल जिले के इंद्री क्षेत्र के रहने वाले हैं। जानकारी के मुताबिक, ये सभी श्रद्धालु दो दिन पहले पीर निगाह मंदिर में माथा टेकने और भंडारा करने के लिए आए थे। मंगलवार सुबह वे पीर निगाह से माता नैना देवी के दरबार के दर्शन के लिए जा रहे थे। मंदिर से करीब दो किलोमीटर दूर पहुंचते ही ट्रक अनियंत्रित हो गया और एक मोड़ के पास खाई में पलट गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी और राहत-बचाव का काम शुरू किया। हादसे में घायल हुए 30 लोगों को ऊना के क्षेत्रीय अस्पताल लाया गया।

शोपियां में आतंक के नेटवर्क पर वार

दो ऑपरेशन में छह आतंकी मददगार गिरफ्तार, ग्रेनेड-मैगजीन और कारतूस बरामद

शोपियां, 25 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में पुलिस, सेना और सीआरपीएफ ने आतंक के नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग अभियानों में छह संदिग्ध आतंकी मददगारों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से हैंड ग्रेनेड, एके-47 की मैगजीन, कारतूस और आपत्तिजनक पोस्टर बरामद किए गए हैं। पहली कार्रवाई हीरपोरा इलाके में नाका चेकिंग के दौरान हुई। सुरक्षाबलों ने जेके18बी-6130 नंबर की एक मोटरसाइकिल को रोककर उस पर सवार तीन लोगों को हिरासत में लिया। उनकी पहचान कुलगाम के चदर निवासी जुनैद मुजफ्फर डार, आमिर यूसुफ और मतलहामा निवासी जुनैद बशीर डार के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उनके पास से दो हैंड ग्रेनेड और आपत्तिजनक पोस्टर बरामद किए गए हैं। इस मामले में हीरपोरा थाने में एफआईआर संख्या 84/2026 दर्ज की गई है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है। वहीं, दूसरी कार्रवाई इमामसाहिब इलाके में पुलिस, 34 राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की संयुक्त गश्त के दौरान की गई। टीम ने तीन संदिग्धों को पकड़ा। तलाशी में एक हैंड ग्रेनेड, एके-47 की दो मैगजीन, 20 कारतूस और आपत्तिजनक पोस्टर बरामद हुए। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अनंतनाग निवासी हारिस मंजूर, आशिक हुसैन और आरिफ अहमद कुमार के रूप में हुई है। इस मामले में इमामसाहिब थाने में एफआईआर संख्या 59/2026 दर्ज की गई है। सुरक्षा एजेंसियां अब दोनों मामलों में गिरफ्तार आरोपियों की गतिविधियों और संभावित आतंकी संपर्कों की जांच कर रही हैं। जांच के जरिए यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि बरामद हथियार और आपत्तिजनक सामग्री कहां से आई और इसके पीछे कौन सा नेटवर्क सक्रिय है।

आश्रमशाला में 6 साल के मासूम की संदिग्ध मौत

एक महीने में दो छात्रों की गई जान

पालघर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में पालघर जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां के मासवन स्थित आदिवासी विकास विभाग की अनुदानित प्राथमिक एवं माध्यमिक आश्रमशाला में पहली कक्षा के बच्चे की मौत हो गई। संदिग्ध परिस्थितियों में हुई बच्चे की मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि यह किसी मासूम की जान जाने का पहला मामला नहीं है। एक महीने के अंदर ऐसे दो मामले सामने आ चुके हैं। मृत छात्र की पहचान श्रीयांश शैलेश आंबात के रूप में हुई है। स्कूल प्रशासन के मुताबिक, श्रीयांश को पिछले कुछ दिनों से बुखार आ रहा था।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि इसी आश्रमशाला में महज एक महीने के भीतर दो छात्रों की मौत हो चुकी है। ऐसे में स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। स्कूल प्रशासन के अनुसार, फिलहाल आश्रमशाला के करीब 20 से 25 विद्यार्थी बुखार से बीमार हैं और उनका इलाज नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। एक ही स्कूल में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के बीमार पड़ने और एक महीने के भीतर दो छात्रों की मौत की घटनाओं के बाद स्वास्थ्य विभाग और आदिवासी विकास विभाग की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। पूरे मामले की गहन जांच के साथ ही आश्रमशाला में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों की तत्काल स्वास्थ्य जांच कराने की जरूरत है।

इमरान खान के साथ अब वैसा ही राजनीतिक बर्ताव हो रहा है जैसा वे कभी अपने विरोधियों के साथ करते थे: महबूबा मुफ़्ती

जम्मू, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ़्ती ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अब उसी तरह के राजनीतिक बर्ताव का सामना करना पड़ रहा है, जैसा उनकी सरकार कभी अपने विरोधियों के साथ करती थी। 1994 में लंदन में खान के साथ अपनी पहली मुलाक़ात को याद करते हुए, जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वे उनके पक्के इरादे और पाकिस्तान में बदलाव लाने के उनके विज़न से प्रभावित हुई थीं। महबूबा ने एक्स पर लिखा, मैं पहली बार 1994 में लंदन में अपने पिता के साथ इमरान खान से मिली थी। पाकिस्तान में सकारात्मक बदलाव लाने को लेकर उनका जुनून और पक्का इरादा मेरे पिता को बहुत पसंद आया था।

फिर भी, जब इमरान खान प्रधानमंत्री बने, तो उनकी सरकार भी उसी राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा बन गई। उनके विरोधियों के पीछे उसी जोश के साथ पड़ा गया, जिस तरह आज उनके पीछे पड़ा जा रहा है। मार्च 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के ज़रिए इमरान खान को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पद से हटा दिया गया था और भ्रष्टाचार के मामलों में मार्च 2023 से वे जेल में हैं।

दुबई से दिल्ली पहुंचे यात्री के ग्रीन चैनल पार करते ही बजा मेटल डिटेक्टर, चेकिंग में सोने की छड़ बरामद

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 पर सीमा शुल्क (कस्टम) अधिकारियों ने खुफिया सतर्कता का परिचय देते हुए सोने की तस्करी के एक प्रयास को नाकाम कर दिया। सोमवार को दुबई से एअर इंडिया की उड़ान (ए आई-4310) से पहुंचे एक भारतीय यात्री को गुप्त सूचना के आधार पर रोका गया।

ग्रीन चैनल पार करते समय संदेह होने पर यात्री की गहन तलाशी ली गई। डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर द्वारा अलर्ट दिए जाने के बाद अधिकारियों ने यात्री के पास से 116 ग्राम वजन की एक सोने की छड़ बरामद की, जिसकी अनुमानित कीमत 15,69,960 रुपये बताई जा रही है। इसके अतिरिक्त, आरोपित के कब्जे से 84,578 रुपये मूल्य का एक सैमसंग एस26 अल्ट्रा स्मार्टफोन भी बरामद हुआ। कस्टम अधिकारियों की त्वरित और निर्णायक कार्रवाई के तहत बरामद किए गए कुल सामान (अनुमानित मूल्य 16.54 लाख) को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रावधानों के तहत ज़ब्त कर लिया गया है।

अधिकारियों ने आरोपित को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है, और यह पता लगाने के लिए मामले की विस्तृत जांच की जा रही है कि क्या वह किसी बड़े तस्करी गिरोह से जुड़ा हुआ है।

किचन के स्लैब के नीचे से आ रही थी बदबू, तोड़ने पर मिला महिला का शव, बेटे पर मां की हत्या का शक

पुरी, 25 अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी शहर के कुंभारपाड़ा इलाके में एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक किराए के मकान की रसोई के स्लैब के नीचे से एक महिला का शव बरामद हुआ है। जानकारी के मुताबिक, महिला करीब दो महीने पहले अपने बेटे के साथ इस मकान में रहने आई थी। पुलिस को पता चला कि महिला की हत्या के बाद उसके शव को रसोई के स्लैब के नीचे छिपाने की कोशिश की गई। मामला उस समय सामने आया जब मकान मालिक को घर की रसोई से तेज बदबू आने लगी।

लगातार आ रही बदबू से मकान मालिक को संदेह हुआ और उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। बताया जा रहा है कि महिला का बेटा रविवार से इलाके से गायब है। वहीं, उसकी मां के बारे में भी कोई जानकारी नहीं मिल रही थी। रसोई की संदिग्ध स्थिति और वहां से आ रही तेज बदबू ने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया। रसोई के स्लैब के आसपास संदिग्ध स्थिति दिखाई दे रही थी।

वहां से गंदा पानी और अन्य कचरा फर्श पर बहता हुआ दिखाई दे रहा था। इसके साथ ही इलाके में तेज बदबू भी फैल रही थी। मकान मालिक को शक हुआ कि स्लैब के नीचे कुछ छिपाया गया हो सकता है। इसके बाद पुलिस को मामले की जानकारी दी गई।

2.5 किलो चांदी के आभूषण के साथ नाबालिग को दबोचा

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। शकरपुर थाना पुलिस ने गश्त के दौरान एक नाबालिग चोर को पकड़ा है। इसके पास से 2.5 किलोग्राम चांदी के आभूषण बरामद हुए हैं। कट्टे में गहने लेकर नाबालिग इसे बेचने के इरादे से घूम रहा था। पुलिस ने आभूषण जब्त कर लिए हैं। नाबालिग को किशोर न्याय बोर्ड (जेजे बोर्ड) के समक्ष पेश कर बाल सुधार गृह भेज दिया है।

पुलिस ने बताया कि शकरपुर थाना की पुलिस गश्त कर रही थी। वीर सावरकर ब्लॉक में एक नाबालिग कट्टा कंधे पर लटकाए हुए दिखा। उसकी गतिविधियां संदिग्ध लगने पर पुलिसकर्मियों ने उसे रोककर कट्टे की तलाशी ली। कट्टा खुलने पर उसमें बड़ी मात्रा में चांदी के गहने मिले। पुलिस ने जब उनका वजन कराया तो करीब 2.5 किलोग्राम चांदी निकली।

पुलिसकर्मियों ने नाबालिग से गहनों के बारे में पूछताछ की, लेकिन वह उनके संबंध में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इसके बाद पुलिस ने बरामद चांदी को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

पूछताछ और जांच के दौरान पता चला कि चांदी चोरी की है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि नाबालिग ने चांदी कहां से चोरी की और इस वारदात में उसके साथ कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था या नहीं।

शादी के डेढ़ माह बाद गहने-नकदी लेकर दुल्हन फरार

धर्मशाला, 25 अगस्त (एजेंसियां)। कांगड़ा जिले के पालमपुर क्षेत्र में शादी के करीब डेढ़ माह बाद नवविवाहिता के घर से चले जाने का मामला सामने आया है। पति का आरोप है कि महिला घर से करीब पांच लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण और 50 हजार रुपये की नकदी लेकर चली गई। घर से जाने के बाद उसने पति को मैसेज कर कहा कि उसे उसके घर में रहना अच्छा नहीं लग रहा है। इसके बाद से उसका मोबाइल नंबर बंद बताया जा रहा है और सोशल मीडिया पर भी कोई जवाब नहीं मिल रहा। जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश की रहने वाली युवती की पालमपुर क्षेत्र के युवक से इंस्टाग्राम के धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और उन्होंने शादी करने का फैसला किया।

ऑनलाइन बिक रहा जहरीला धतूरा

कर्नाटक में अमेज़न, स्विगी, इंस्टामार्ट और बिगबास्केट के फूड लाइसेंस सस्पेंड

बेंगलूरू, 25 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक फूड सेफ्टी एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन ने जहरीले धतूरे के फल और बीजों की ऑनलाइन बिक्री के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने अमेज़न, स्विगी इंस्टामार्ट और बिगबास्केट को जारी फूड लाइसेंस अगले आदेश तक सस्पेंड करने के निर्देश दिए हैं। यह कार्रवाई विभाग की जांच में धतूरे के फल और बीज इंसानी इस्तेमाल के लिए ऑनलाइन बेचे जाने की बात सामने आने के बाद की गई है। जांच के दौरान अथॉरिटी ने पाया कि कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर धतूरे के फल और बीजों की बिक्री की जा रही थी। इनमें से कुछ पैकेटों पर एफएसएसएआई लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन नंबर भी दर्ज थे।

विभाग ने इसे गंभीर मामला मानते हुए कहा कि धतूरा जहरीला होता है और इसके सेवन से लोगों की सेहत को गंभीर खतरा हो सकता है। अथॉरिटी ने अमेज़न, स्विगी, इंस्टामार्ट और बिगबास्केट को निर्देश दिया है कि वे इंसानी इस्तेमाल के लिए धतूरे की बिक्री से जुड़ी सभी ऑनलाइन लिस्टिंग और विज्ञापनों को तत्काल हटाएं। साथ ही इसे खाद्य पदार्थ के रूप में बेचने, वितरित करने और प्रदर्शित करने पर भी रोक लगाने को कहा गया है। विभाग के मुताबिक, मामले में अमेज़न की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया। वहीं, स्विगी, इंस्टामार्ट ने जरूरी दस्तावेज जमा करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा।

दूसरी ओर बिगबास्केट ने अथॉरिटी को बताया कि धतूरे के प्रोडक्ट की बिक्री रोक दी गई है। कंपनी ने यह भी कहा कि भविष्य में होने वाली किसी भी लिस्टिंग पर स्पष्ट रूप से नहीं मानव उपभोग के लिए यानी मानव उपभोग के लिए नहीं लिखा जाएगा।

लुधियाना में किसान का घर सील

अदालत के आदेश पर हुई कार्रवाई, 46 लाख रुपये का कर्ज था बकाया

हलवारा, 25 अगस्त (एजेंसियां)। लुधियाना ग्रामीण के गांव टूसा में मंगलवार तड़के भारी पुलिस बल की मौजूदगी में एक किसान का घर सील कर दिया गया। यह कार्रवाई अदालत के आदेश पर कर्ज वसूली के लिए की गई। किसान प्यारा सिंह पर करीब 46.28 लाख रुपये का ऋण बकाया था। सुबह पुलिस ने गांव को चारों तरफ से घेर लिया था और बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी थी।

शुरुआत में गांव में सनसनी फैल गई, लेकिन आधे घंटे बाद स्पष्ट हुआ कि यह मामला कर्ज वसूली का है। रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और औथम इंवेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के अधिकारियों को विरोध की आशंका के चलते पुलिस सुरक्षा दी गई थी। प्यारा सिंह, उनकी पत्नी सुरिंदर कौर और परिवार के अन्य सदस्यों पर कुल 32.07 लाख रुपये की वसूली का मामला था। ब्याज बढ़ने के कारण यह राशि 46.28 लाख रुपये तक पहुंच गई। लुधियाना की एक अदालत ने सोमवार को मकान खाली कराने का आदेश दिया था। कार्रवाई के दौरान प्यारा सिंह के परिवार को घर से बाहर कर दिया गया। इसके बाद मकान पर सरकारी सील लगाकर ताला लगा दिया गया।

कई किसान संगठनों के कार्यकर्ताओं ने टूसा पहुंचने का प्रयास किया। हालांकि, भारी पुलिस बल के कारण उन्हें गांव में प्रवेश नहीं करने दिया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, प्यारा सिंह परिवार को उम्मीद थी कि किसान संगठन उनका समर्थन करेंगे। परिवार ने पहले करीब दो एकड़ जमीन बेच दी थी और अब ठेके पर खेती करता था। यह घटना देश के किसानों की आर्थिक स्थिति पर गंभीर सवाल उठाती है।

पुरी जगन्नाथ मंदिर में 3–4 महीने में बदलेगी दर्शन व्यवस्था, हर घंटे 8,000 श्रद्धालु कर सकेंगे दर्शन

भुवनेश्वर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पुरी स्थित श्रीजगन्नाथ मंदिर (श्रीमंदिर) में श्रद्धालुओं की सुविधा और भीड़ प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए अगले तीन से चार महीनों के भीतर क्यू (कतार) आधारित दर्शन व्यवस्था लागू की जाएगी। यह जानकारी ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने दी। इस प्रस्तावित व्यवस्था पर चर्चा के लिए भुवनेश्वर स्थित लोक सेवा भवन में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने की, जिसमें पुरी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के बाद मंत्री हरिचंदन ने बताया कि नई दर्शन व्यवस्था को अगले तीन से चार महीनों के भीतर शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत श्रद्धालु पांच रैंपों के माध्यम से गर्भगृह की ओर बढ़ेंगे। इन पांचों रैंपों पर एक समय में लगभग 50 श्रद्धालु एक साथ भगवान के दर्शन कर सकेंगे। नई कतार आधारित प्रणाली लागू होने के बाद दर्शन की क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

मंत्री हरिचंदन के अनुसार, व्यवस्था शुरू होने के बाद हर घंटे करीब 8,000 श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर सकेंगे। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुव्यवस्थित करना और उन्हें अधिक सुविधाजनक व व्यवस्थित दर्शन अनुभव प्रदान करना है। इसके साथ ही श्रीमंदिर में आने वाली भारी भीड़ को नियंत्रित करने, श्रद्धालुओं के आवागमन को सुचारु बनाने तथा विशेष अवसरों और भीड़भाड़ वाले समय में होने वाली अव्यवस्था को कम करने में भी मदद मिलेगी।

किसने किए इतने किस? गर्लफ्रेंड की पूरी कार पर लिपस्टिक के निशान, पुलिस ने प्रेमी से करवाया साफ

ग्वालियर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर में एक कार सड़कों पर घूम रही थी। इस कार को देखकर हर कोई हैरान रह गया। कार मालिक युवक ने अपनी इस कार को किसिंग कार बना दिया। ऐसा उसने सोशल मीडिया पर रील्स और व्यूज पाने के चक्कर में किया। इस कार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो यातायात पुलिस ने इसकी जानकारी जुटाई। पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए इस वायरल कार को अपने कब्जे में ले लिया और युवक को फाइन लगाया।

जानकारी के अनुसार, युवक की गर्लफ्रेंड ने कार की पूरी बॉडी पर लिपस्टिक से किस करने के निशान बनाए। इसके बाद कार का वीडियो इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दिया गया। वीडियो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और एक दिन में करीब 55 लाख व्यूज पहुंच गए। वीडियो में कार की बॉडी पर बड़ी संख्या में लिपस्टिक के निशान साफ दिखाई दे रहे थे। यातायात पुलिस के मुताबिक, दो दिन पहले एक कार का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। वीडियो में कार तेज रफ्तार से सड़क पर दौड़ती नजर आ रही थी। पुलिस की नजर जब वीडियो पर पड़ी तो कार की बॉडी पर बने लिपस्टिक के निशान भी दिखाई दिए। इसके बाद यातायात पुलिस ने वीडियो के आधार पर कार की पहचान की।

यातायात पुलिस ने कार के बारे में जानकारी जुटाई तो उसका पता थाटीपुर क्षेत्र में मिला। इसके बाद पुलिस टीम ने कार को थाटीपुर से बरामद कर यातायात थाने पहुंचाया। पुलिस के मुताबिक, कार मालिक को जब थाने बुलाया गया तो उसने अपनी गलती स्वीकार कर ली। इसके बाद युवक ने खुद कार की बॉडी पर बने लिपस्टिक के निशान पानी से साफ किए। यातायात थाना प्रभारी अभिषेक रघुवंशी ने बताया कि मोटर व्हीकल एक्ट के विभिन्न प्रावधानों के तहत कार पर 5,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

राम रहीम आया जेल से बाहर

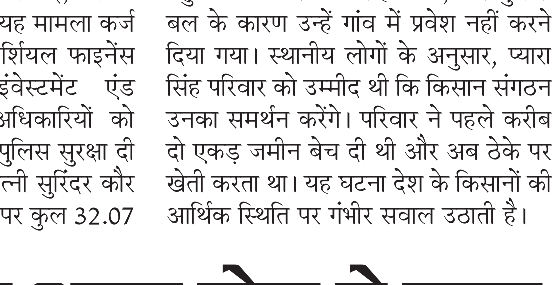

रोहतक, 25 अगस्त (एजेंसियां)। रोहतक की सुनारिया जेल में सजा काट रहा राम रहीम मंगलवार सुबह 17वीं बार मंगलवार सुबह 21 दिन की फरलो पर बाहर आ गया। यह उसकी साल की आखिरी फरला है। सुबह छह बजे टोयोटा लैंड क्रूजर में हनीप्रीत व अन्य के साथ सिरसा के लिए रवाना हुआ। इससे पहले 27 मई को रामरहीम को एक माह की पैरोल मिली थी। यह अवधि सिरसा डेरे में बिताई थी। पंचकूला स्थित सीबीआई की विशेष अदालत ने 2017 में साध्वी यौन उत्पीड़न केस में राम रहीम को दोषी माना था। तभी से वह सुनारिया जेल में बंद है। सोमवार को प्रदेश सरकार ने उसकी 21 दिन की फरलो मंजूर की।

देर रात मुख्यालय से जेल अधीक्षक राय सिंह के पास कागजात पहुंच गए। कड़ी सुरक्षा में रामरहीम का काफिला सिरसा के लिए रवाना हुआ। हिसार आउटर बाईपास पर जेल रोड मोड़ पर पुलिस की टीम तैनात रही। पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में सीबीआई अदालत ने राम रहीम और तीन अन्य को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। इसके साथ ही डेरा के पूर्व प्रबंधक रणजीत सिंह की 2002 में हुई हत्या के मामले में भी अदालत ने राम रहीम को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

हालांकि बाद में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने इस मामले में उन्हें बरी किया। शुरुआती वर्षों में सुरक्षा कारणों से राम रहीम की अर्जियां खारिज होती रहीं, लेकिन 2020 के बाद से उन्हें नियमित अंतराल पर जेल से बाहर आने की छूट मिलने लगी थी। 2020 और 2021 में आपातकालीन आधार पर कुछ घंटों और एक दिन की पैरोल दी गई। इसके बाद 2022 और 2023 के दौरान मिली अधिकतर पैरोल और फरलो की अवधि उन्होंने उत्तर प्रदेश के बागपत स्थित बरनावा आश्रम में बिताई, जहां से वे ऑनलाइन सत्संग और संगीत वीडियो जारी करते रहे। 27 मई 2024 को मिली एक महीने की पैरोल के दौरान उन्हें सिरसा डेरे में रहने की अनुमति मिली।

अलगाववादी शब्बीर शाह को बिना वजह हथकड़ी न लगाई जाए: एनआईए की स्पेशल कोर्ट

जम्मू, 25 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू में एनआईए की एक स्पेशल कोर्ट ने जेल अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे यह पक्का करें कि अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को कोट भलवाल सेंट्रल जेल से अस्पताल या कोर्ट ले जाते समय बिना वजह हथकड़ी न लगाई जाए। शाह ने अर्जी दी थी कि हथकड़ी लगाने से उन्हें दर्द हो सकता है और उनकी सेहत को और खतरा हो सकता है। शाह को नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने अप्रैल में तीन दशक पुराने टेरर केस के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। यह मामला श्रीनगर के नाज़ क्रॉसिंग पर एक आतंकवादी के अंतिम संस्कार के दौरान भीड़ की हिंसा और पुलिसकर्मियों पर गोलीबारी से जुड़ा था। उनकी गिरफ्तारी तब हुई जब उन्हें एनआईए के दूसरे मामलों (जिनमें टेरर फंडिंग से जुड़ा मामला भी शामिल है) में लगभग सात साल जेल में रहने के बाद ज़मानत पर रिहा किया गया था। विचाराधीन कैदी ने तुरंत मेडिकल इलाज और अस्पताल या कोर्ट ले जाते समय हथकड़ी या बेड़ी न लगाने के खास निर्देश की मांग करते हुए एक अर्जी दाखिल की थी। इस अर्जी पर सुनवाई करते हुए एनआईए कोर्ट जम्मू के स्पेशल जज प्रेम सागर ने 18 अगस्त को ये निर्देश जारी किए। कोट भलवाल सेंट्रल जेल के सुपरिंटेंडेंट से मिली मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी का इलाज स्पेशलिस्ट डॉक्टरों और विज़िटिंग फिजिशियन ने किया है। प्रोटोकॉल के मुताबिक आरोपी को अच्छी मेडिकल डाइट दी जा रही है और उसकी सेहत को ध्यान में रखते हुए उसे आराम के लिए ज़रूरी चीज़ें भी दी जा रही हैं। माना कि आरोपी 74 साल का है और कई बीमारियों से जूझ रहा है, इसलिए अगर उसे किसी खास इलाज की ज़रूरत पड़ती है, तो जेल अधिकारियों को उसे ज़रूरत पड़ने पर स्पेशलिस्ट डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए। जज ने चार पेज के आदेश में कहा, जेल प्रशासन को उसे जेल से अस्पताल या कोर्ट ले जाते समय जेल मैनुअल के नियमों का पालन करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आरोपी को बेवजह हथकड़ी न

'पंजाब और गुजरात के स्कूलों का हो जाए कंपटीशन' केजरीवाल का बीजेपी को खुला चैलेंज

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा लगातार पंजाब के स्कूलों के मुद्दे पर सरकार पर निशाना साधा जा रहा है। इस बीच आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी को ओपन चैलेंज दे दिया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा, आजकल बीजेपी वाले पंजाब के स्कूलों को बदनाम करने में लगे हुए हैं। मैं उन्हें चैलेंज करता हूं कि पिछले 4 सालों से गुजरात में आपकी सरकार है। साढ़े 4 साल से हमारी पंजाब में सरकार है। मैं पंजाब के 1 हजार स्कूलों की लिस्ट दे रहा हूं, तुम भी गुजरात के 1 हजार स्कूलों की लिस्ट दे दो। केजरीवाल ने चैलेंज दिया, हम भी आएंगे और आप भी आइए फिर मिलकर गुजरात और पंजाब के 1 हजार स्कूलों का मिलकर निरीक्षण करते हैं। देखा जाएगा कि कौन से स्कूल अच्छे हैं। पूरी मीडिया भी और बीजेपी वाले भी आ जाएं, साथ में हम लोग भी आएंगे।

केजरीवाल ने आगे कहा, दोनों राज्यों के स्कूलों का निरीक्षण करते हैं। बीजेपी के राज्यों में जब से कॉकरोच पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इनके स्कूलों का निरीक्षण करना शुरू किया है उससे इनके स्कूलों की बुरी हालत सामने आ रही है। बीजेपी पर हमला बोलते हुए केजरीवाल ने कहा, इन्होंने अपने स्कूल तो ठीक नहीं किए, लेकिन पंजाब के स्कूलों को बदनाम करना शुरू कर दिया। महज साढ़े चार साल के कार्यकाल में हमने पंजाब के स्कूल इतने शानदार बना दिए हैं। पंजाब में लगभग 19 हजार 700 स्कूल हैं उसमें से पांच सौ स्कूल रह गए हैं बाकी 19 हजार 200 स्कूलों को हमने बहुत अच्छा बना दिया है। वहीं उन पांच सौ स्कूलों का कार्य भी जारी है। वह भी अगले डेढ़-दो सालों के अंदर ठीक हो जाएंगे। अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि बीजेपी वालों को बता दूं आज पंजाब सरकारी स्कूलों की शिक्षा में देश में नंबर 1 पर है। यह बात नीति आयोग की रिपोर्ट में कही गई है। पंजाब ने केरल को भी पीछे छोड़ दिया है। केजरीवाल ने बताया, साल 2022 में जब हमारी सरकार पंजाब में बनी थी तब राज्य 28वें नंबर पर था। साढ़े चार साल में आज पंजाब नंबर 1 पर है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 26 अगस्त, 2026 3

सुविचार

परमात्मा गुणों के सागर हैं। यदि आप किसी विकार की अग्नि में जल रहे हैं तो उस सागर में डुबकी लगाइये

भाजपा अध्यक्ष ने अमेरिका यात्रा को लेकर केंद्र पर लगे मुख्यमंत्री के आरोपों को खारिज किया

> छात्रों के समर्थन में दूसरे दिन भी भूख हड़ताल पर बैठे राव

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने मंगलवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के इस आरोप को सिरे से खारिज कर दिया कि केंद्र सरकार ने उन्हें अमेरिका जाने के लिए राजनीतिक मंजूरी देने से इनकार करके तेलंगाना के साथ भेदभाव किया है।

छात्रों के समर्थन में दूसरे दिन भी भूख हड़ताल पर बैठे राव ने एक बयान में स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार का यह निर्णय इस सूचना पर आधारित था कि वे अमेरिका में कुछ ऐसे व्यक्तियों और संगठनों से मिलने जा रहे थे जिन्होंने भारत और उसके लोगों के लिए परेशानी खड़ी की थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपनी विदेश यात्रा के बारे में उचित जानकारी नहीं दी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि क्या आप विदेशों में राष्ट्रविरोधी ताकतों से मिलने के लिए ही यात्रा कर रहे हैं और कहा कि अतीत में यूपीए सरकार के समय भी कई मुख्यमंत्रियों की विदेश यात्राओं को रोकने का इतिहास रहा है। राव ने बताया कि जब रेवंत रेड्डी पहले दो बार अमेरिका, साथ ही लंदन और सिंगापुर की यात्रा कर चुके थे, तब किसी ने उन्हें नहीं रोका था, और उन्होंने सवाल किया कि जो लोग उन्हें तब नहीं रोक पाए थे, वे इस बार क्यों रोकेंगे।

उन्होंने याद दिलाया कि 2010 से 2024 के बीच, पिछली यूपीए सरकार के कार्यकाल में भी, चंद्रबाबू नायडू, के चंद्रशेखर राव, मायावती, तरुण गोगोई और अर्जुन मुंडा जैसे नेताओं के विदेश यात्रा प्रस्तावों को कागजी कार्रवाई पूरी न होने, उचित कारण न बताने या यह स्पष्ट न होने पर रोक दिया गया था कि वे किससे मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह विदेश मंत्रालय के नियमों के अनुसार ही होता है और सरकार किसी के राष्ट्रविरोधी तत्वों से मिलने की आशंका होने पर नियमों के अनुसार कार्रवाई करती है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा लगाए गए आरोपों की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर गलती है और उनके लिए केंद्र सरकार को दोषी ठहराना अनुचित है। गुजरात से तुलना किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए राव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए देश का हर राज्य, चाहे गुजरात हो या तेलंगाना, समान है और केंद्र सरकार सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना की तुलना में गुजरात में पेट्रोल की कीमतें लगभग 15 रुपये कम हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर तेलंगाना ने आज विकास किया है, तो यह पूरी तरह से नरेंद्र मोदी की केंद्र सरकार की बदौलत है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग, वारंगल हवाई अड्डा, वारंगल रेलवे कोच फैक्ट्री, एम्स बिबीनगर, रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण और वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें, ये सभी केंद्र सरकार की देन हैं।

उन्होंने आगे कहा कि राज्य में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और एयरोस्पेस जैसे उद्योगों का विकास भी केंद्र सरकार की बदौलत ही हुआ है। उन्होंने राज्य की कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसने रियल एस्टेट कारोबार को बढ़ावा देने के अलावा कुछ नहीं किया। राव ने यह भी मांग की कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी तेलंगाना की जनता और देश से तत्काल माफी मांगें, क्योंकि उन्होंने केंद्र सरकार के खिलाफ झूठे आरोप फैलाकर जनता को गुमराह किया और राज्य को बदनाम किया।

पीडीएस चावल की कालाबाजारी के मामले में आरोपियों पर पीडी एक्ट लगाया गया

खम्मम, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस कमिश्नर सुनील दत्त ने बताया कि पीडीएस चावल की कालाबाजारी में शामिल एक आरोपी के खिलाफ प्रिवेंटिव डिटेंशन (पीडी) एक्ट लगाया गया है। उन्होंने बताया कि टल्लाडा मंडल के मिट्टापल्ली गांव के आरोपी मिर्जा जिलानी बेग के खिलाफ टल्लाडा पुलिस स्टेशन में चार मामले दर्ज किए गए थे। उस पर राशन डीलरों और उनके एजेंटों से सब्सिडी वाला चावल गैर-कानूनी तरीके से खरीदने, उसे राज्य की सीमाओं के पार ले जाने और ब्लैक मार्केट में बेचने का आरोप है। उसके खिलाफ पहले मामले दर्ज होने और बीएनएसएस की धारा 35(3) के तहत नोटिस जारी होने के बावजूद, उसके व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आया। नतीजतन, पीडी एक्ट लगाया गया और आरोपी को वायरा सीआई वेंकटा प्रसाद और टल्लाडा एसआई वेंकटा कृष्णा ने हिरासत में ले लिया, जिसके बाद उसे हैदराबाद की चंचलगुडा सेंट्रल जेल भेज दिया गया। सुनील दत्त ने यह भी बताया कि एक अन्य आरोपी, काजा रामा राव उर्फ जयंती रामा राव के खिलाफ भी पीडी एक्ट लगाया गया है।

मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करें युवा : शुक्ल

राज्यपाल ने नशा विरोधी कार्यक्रम में लोगों को संबोधित किया

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने मंगलवार को नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और उनसे मादक पदार्थों से दूर रहने तथा अपनी ऊर्जा को शिक्षा, खेल, कौशल विकास, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की ओर लगाने का आग्रह किया।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत निज़ामाबाद के भूमारेड्डी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित एक नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह अभियान एक व्यापक जन आंदोलन के रूप में विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के दुरुपयोग से निपटने के लिए न केवल कठोर कानूनी कार्रवाई की आवश्यकता है, बल्कि जागरूकता पैदा करने, युवाओं में आत्मविश्वास जगाने और उन्हें सोच-समझकर निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासों की भी आवश्यकता है। राज्यपाल ने तेलंगाना सरकार की ईगल पहल और मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने में पुलिस के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने छात्रों में जागरूकता पैदा करने के लिए शिक्षण संस्थानों में मादक पदार्थों के खिलाफ समितियों और प्रहरी क्लबों की स्थापना का भी स्वागत किया।

उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों के अंदर और आसपास मादक पदार्थों और अन्य हानिकारक पदार्थों की उपलब्धता को रोकने और मादक द्रव्यों के सेवन से प्रभावित लोगों के लिए उपचार, परामर्श और पुनर्वास सेवाओं का विस्तार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। शुक्ल ने छात्रों से कहा, हमारे युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और सपने राष्ट्र की सबसे बड़ी संपत्ति हैं। किसी भी परिस्थिति में इन्हें नशे की लत के हाथों बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। स्वामी विवेकानंद के आह्वान, "उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्त होने तक मत रुको" को याद करते हुए, उन्होंने युवाओं से इस संदेश से प्रेरणा लेने और दृढ़ संकल्प और आत्म-अनुशासन विकसित करने का आग्रह किया।

गणेश उत्सवों के लिए पुख्ता इंतजाम, सभी विभाग समन्वय से करें काम : साइबराबाद सीपी

14 से 25 सितंबर तक होंगे 12 दिवसीय गणेश उत्सव, करीब 25 हजार प्रतिमाओं की स्थापना की संभावना

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश ने कहा कि साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में गणेश उत्सवों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से आयोजित करने के लिए सभी सरकारी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। उन्होंने कहा कि उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और किसी अप्रिय घटना की गुंजाइश न रहे, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं पहले से पूरी की जानी चाहिए। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय कार्यालय के सभागार में मंगलवार को भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के सदस्यों, विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई।

बैठक में 14 से 25 सितंबर तक 12 दिनों तक आयोजित होने वाले गणेश उत्सवों को लेकर पिछले वर्ष की व्यवस्थाओं, सामने आई समस्याओं तथा इस वर्ष की सुरक्षा और आधारभूत सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। पिछले वर्ष साइबराबाद क्षेत्र में करीब 25 हजार गणेश प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। इसे देखते हुए इस वर्ष भी व्यापक और पुख्ता इंतजाम करने का निर्णय लिया गया। बैठक में पुलिस, साइबराबाद नगर निगम, राजस्व, हाइड्रा, सड़क एवं भवन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, अग्निशमन, बिजली, जल मंडल, सड़क परिवहन तथा पर्यटन विभागों के अधिकारी शामिल हुए। सीपी डॉ. एम. रमेश ने कहा कि गणेश प्रतिमाओं की स्थापना और विसर्जन की तारीख से संबंधित जानकारी आयोजक पहले ही स्थानीय पुलिस को दें। यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले स्थानों पर प्रतिमा या मंडप स्थापित नहीं किए जाने चाहिए। प्रत्येक गणेश मंडप पर आयोजकों की 24 घंटे उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ सीसीटीवी कैमरे और अग्निशमन उपकरण लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि विसर्जन कार्यक्रमों को सुरक्षित और सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए संबंधित विभागों के समन्वय से विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा और आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। विसर्जन मार्गों पर सड़क मरम्मत, बाधाओं को हटाने, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग और पेयजल की व्यवस्था की जाएगी। आवश्यकता वाले स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के माध्यम से निगरानी भी की जाएगी।

साइबराबाद नगर निगम आयुक्त सृजना ने कहा कि निगम के तीनों जोनों के अधिकारी और संबंधित विभागों के कर्मचारी उत्सव तथा विसर्जन के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर कार्ययोजना तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जुलूस और विसर्जन मार्गों का पहले निरीक्षण कर लंबित कार्य समय पर पूरे किए जाएंगे। सड़कों के गड्ढों की मरम्मत, प्रकाश व्यवस्था, नालियों की सफाई, आवश्यक स्थानों पर जनरेटर की व्यवस्था तथा खतरनाक पेड़ों की शाखाओं को हटाने का काम प्राथमिकता से किया जाएगा। निर्धारित क्षेत्रों में अस्थायी स्वच्छता दल भी तैनात किए जाएंगे। साइबराबाद के संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात सनप्रीत सिंह ने कहा कि श्रद्धालुओं की भीड़ और वाहनों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए पहले से यातायात योजना तैयार की जाएगी।

जरूरत के अनुसार वैकल्पिक मार्ग चिन्हित कर यातायात डायवर्जन लागू किए जाएंगे। संगारेड्डी जिला कलेक्टर प्रतीक जैन ने कहा कि इंद्रेशम, इस्नापुर और जिले की अन्य नगरपालिकाओं में पिछले वर्ष के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए इस बार श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष राघव रेड्डी ने सभी विभागों से निर्धारित समय में व्यवस्थाएं पूरी करने का आग्रह किया। उन्होंने पिछले वर्षों में सामने आई समस्याओं का समाधान कर इस वर्ष श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। बैठक में पुलिस एवं विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के महिपाल रेड्डी, राघव रेड्डी, सचिव शशिधर, रामराजू, रमेश, भास्कर, जीवन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एक साल में देवदुला परियोजना पूरी करना लक्ष्य : मंत्री पोंगुलेटी

स्पष्ट कार्ययोजना बनाकर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के राजस्व, आवास एवं सूचना तथा जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि देवदुला परियोजना को एक वर्ष के भीतर शत-प्रतिशत पूरा कर किसानों को सिंचाई का पानी उपलब्ध कराना राज्य सरकार का लक्ष्य है।

सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी की अध्यक्षता में मंगलवार को जलसौधा में देवदुला परियोजना पर आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अधिकारियों को परियोजना के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि परियोजना के आरंभ से लेकर अंतिम चरण तक सभी कार्यों की समग्र समीक्षा की जाए। किन स्थानों पर काम रुका हुआ है, इसके कारण क्या हैं और समस्याओं के समाधान के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए, इन सभी बिंदुओं की पहचान स्पष्ट रूप से की जाए। मंत्री ने कहा कि समस्या की पहचान किए बिना केवल परियोजना पूरी होने की बात कहते हुए समय गंवाना उचित नहीं है। प्रत्येक समस्या के लिए स्पष्ट समाधान, जिम्मेदारी और समय-सीमा निर्धारित की जानी चाहिए। उन्होंने भूमि अधिग्रहण, अनुमतियों, निर्माण कार्यों, धनराशि तथा ठेकेदार एजेंसियों से संबंधित समस्याओं का तेजी से समाधान करने के लिए सरकार, अधिकारियों, इंजीनियरों और संबंधित एजेंसियों को आपसी समन्वय से काम करने के निर्देश दिए।मंत्री ने कहा कि परियोजना की पूरी जानकारी रखने वाले अधिकारियों के साथ शुरुआत से अंतिम चरण तक विस्तृत समीक्षा की जाए। इसके बाद स्पष्ट कार्ययोजना तैयार कर मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पहले समस्या के स्थान की पहचान करें, उसके बाद उसके कारणों का विश्लेषण करें, समाधान तय कर उसे लागू करें और परिणाम मिलने तक लगातार निगरानी रखें। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने स्पष्ट किया कि देवदुला परियोजना को पूरा करने के मामले में किसी भी प्रकार की देरी या समय की बर्बादी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हाईकोर्ट के लिए 27 अगस्त को स्पेशल छुट्टी घोषित

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाई कोर्ट ने गुरुवार (27 अगस्त) को तेलंगाना राज्य हाई कोर्ट, तेलंगाना राज्य न्यायिक अकादमी, तेलंगाना राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण, हाई कोर्ट कानूनी सेवा समिति और हाई कोर्ट मध्यस्थता और सुलह केंद्र के लिए स्पेशल छुट्टी घोषित की है। ये सभी निकाय तेलंगाना राज्य हाई कोर्ट के प्रशासनिक नियंत्रण में आते हैं। हालांकि, मंगलवार को जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 19 दिसंबर को तेलंगाना हाई कोर्ट में कामकाज का दिन (वर्किंग सैटरडे) घोषित किया गया है। प्रेस विज्ञप्ति में आगे कहा गया है कि इसी तरह, तेलंगाना में सभी ट्रिब्यूनल और श्रम न्यायालयों सहित जिला न्यायपालिका के लिए भी गुरुवार (27 अगस्त) को स्पेशल छुट्टी घोषित की गई थी।

पुलिस ने यूरिया के 600 बोरे ज़ब्त किए, जमाखोर पकड़ा गया

पेद्दापल्ली, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को यहाँ कसूलापल्ली गाँव में यूरिया के बोरे जमा करने वाले एक व्यक्ति को पकड़ा गया और पुलिस ने यूरिया के 600 बोरे ज़ब्त किए। पुलिस ने बताया कि एचएसीए सेंटर ऑपरेटर अदेपु संपत ने यूरिया के 600 बोरे जमा कर रखे थे और गुप्त सूचना के आधार पर सेंटर पर छापेमारी की गई। ज़ब्त किए गए यूरिया के बोरों की कीमत लगभग 3.20 लाख रुपये है। बताया गया कि टास्क फोर्स और पेद्दापल्ली रूरल पुलिस ने बोरे ज़ब्त किए और संपत के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। ज़ब्त किए गए बोरे आगे की कार्रवाई के लिए पेद्दापल्ली रूरल पुलिस को सौंप दिए गए।

सांप के काटने से युवक की मौत

मेडक, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पेड्डा शंकरमपेट के इसरा नायक थंडा में सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को एक युवक की सांप के काटने से मौत हो गई। पीड़ित मुदावत नरेश (29) आधी रात को बेचैनी के कारण जाग गया, तभी परिवार वालों ने उसके पास एक सांप देखा। अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। नरेश के परिवार में उसकी पत्नी और दो बच्चे हैं।

29 अगस्त से छह रूटों पर नाइट बस सर्विस शुरू होगी

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजधानी इलाके में देर रात पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बेहतर बनाने के मकसद से, टीजीएसआरटीसी 29 अगस्त से छह मुख्य रूटों पर खास नाइट बस सर्विस शुरू करने जा रहा है। उम्मीद है कि इन सर्विस से देर रात सफर करने वालों को मदद मिलेगी, खासकर आईटी कर्मचारियों, हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के वर्करों, छात्रों और उन लोगों को जिनका काम का समय रेगुलर पब्लिक ट्रांसपोर्ट के समय से ज़्यादा होता है। अधिकारियों के मुताबिक, ये नाइट सर्विस मुख्य रूप से रात 10 बजे से सुबह 5 बजे के बीच चलेंगी। यात्रियों की मांग के आधार पर बसों के बीच 30 मिनट से एक घंटे का अंतर रखा जाएगा। नाइट सर्विस के लिए चुने गए रूटों में शामिल हैं: कोंडापुर होते हुए सिकंदराबाद और हाईटेक सिटी के बीच 10एच; सिकंदराबाद और हयात नगर के बीच 290यू; कोटी-पाटनचेरु; हाईटेक सिटी होते हुए कोटी और पाटनचेरु के बीच 222ए; सिकंदराबाद और पाटनचेरु के बीच 219; और बाचुपल्ली व आसपास के इलाकों में चलने वाली 195डब्ल्यू। प्लान के मुताबिक, शुरुआत में हर रूट पर लगभग आठ बसें लगाई जाएंगी।

रात में घर में चोरी करने वाले दो किशोर छात्र पकड़े गए

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त टास्क फोर्स, चारमीनार जोन टीम ने रीन बाजार पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए रात में घर में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले कानून के साथ संघर्षरत दो किशोरों को पकड़ा है। उनके कब्जे से करीब 18 लाख रुपये मूल्य की चोरी की संपत्ति बरामद की गई। पकड़े गए दोनों किशोर याकूतपुरा निवासी हैं और उनकी उम्र क्रमशः 16 और 15 वर्ष है। पुलिस के अनुसार, दोनों छात्र हैं। पुलिस ने उनके पास से 124.67 ग्राम सोने के आभूषण, 25 हजार रुपये भारतीय मुद्रा, करीब 12 हजार रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा और चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद संपत्ति की कुल कीमत करीब 18 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 22 अगस्त को एक व्यक्ति ने रीन बाजार थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके घर से सोने के आभूषण, नकदी और विदेशी मुद्रा चोरी हो गई है। शिकायत के आधार पर रीन बाजार थाने में अपराध संख्या 146/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) और 305 के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान आयुक्त टास्क फोर्स की चारमीनार जोन टीम ने रीन बाजार पुलिस के साथ मिलकर तकनीकी सुराग जुटाए और दोनों किशोरों को पकड़ लिया। पूछताछ में दोनों किशोरों ने कथित तौर पर बताया कि वे गेमिंग जोन में पैसे देकर खेलते थे और व्यक्तिगत खर्चों के लिए उनके पास पैसे की कमी हो जाती थी। इसके बाद दोनों ने घरों से नकदी और कीमती सामान चोरी करने की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार, 21 अगस्त की देर रात उन्होंने एक मकान का मुख्य द्वार बाहर से बंद देखा। इसके बाद दोनों मकान की छत पर पहुंचे और सीढ़ियों के रास्ते घर में प्रवेश कर सोने के आभूषण, भारतीय मुद्रा और विदेशी मुद्रा चोरी कर ली। वारदात के बाद दोनों छत के रास्ते बाहर निकले और चोरी की नकदी तथा सोने के आभूषणों को दूसरे किशोर के घर में छिपा दिया। बाद में पुलिस ने उनके कथित बयान के आधार पर चोरी की संपत्ति बरामद कर ली। कार्रवाई और बरामदगी चारमीनार जोन टास्क फोर्स के निरीक्षक एस. सईदाबाबू, रीन बाजार थाना प्रभारी सी. नेथाजी और रीन बाजार थाने के उपनिरीक्षक अधिकारी मोहम्मद नईमुद्दीन की निगरानी में की गई।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, VASANTHA, is legally wedded spouse of Ser/ No. 289846B, Rank: Ex.SERGEANT, Name: Late: PASALA MARIADAS, R/o. F.No.202, 3rd Flr, S B AVENUE, Road No. 3, Mallikarjuna Cly, B/s. Srinivasa Nursing Home, Old Bowenpally, Hyderabad, Telangana Pin:500011, have changed my name from: VASANTHA,to PASALA VASANTHA,(proposed new name as per Bank Account, and aadhaar all relivent Dacument etc) Vide Affidavit Date. 25-8-2026 secunderabad,

I, PRIYANKA DAULAT BORKAR, spouse of Col Borkar Daulat Sampatrao R/o: Qtr. No. 61/1, Sikh Village, Diamond Point, Secunderabad - 500009 (Telangana) have changed my Name from BORKAR PRIYANKA DAULAT to PRIYANKA DAULAT BORKAR vide Affidavit dated 25/08/2026 at Hyderabad

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

काशी में 15 घंटे बारिश, अस्पताल-घरों में घुसा पानी

बीएचयू में मरीज को कंधे पर लादकर पहुंचे लोग, सड़कें तालाब बनीं, कारें फंसीं

लखनऊ/वाराणसी, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्वी यूपी में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से हालात बिगड़ने लगे हैं। मंगलवार सुबह से लखनऊ, वाराणसी, अयोध्या, झांसी, जौनपुर और प्रतापगढ़ समेत 25 शहरों में रुक-रुक कर तेज बारिश हो रही है। आसमान में घने काले बादल छाए हैं। दिन में अंधेरे जैसा माहौल है।

काशी में 15 घंटे हुई झमाझम बारिश से सड़कें लबालब हो गईं। गलियां तालाब बन गईं। पानी घरों में घुस गया। कई जगहों पर 3-4 फीट तक जलभराव में गाड़ियां फंस गईं। बीएचयू अस्पताल में घुटनों तक पानी भर गया। लोग मरीजों को कंधे पर बैठाकर वार्ड तक ले जाते दिखाई दिए। जौनपुर में 9 घंटे से झमाझम बारिश हो रही है। सड़कें जलमग्न हो गईं।

भारी बारिश की वजह से वाराणसी में सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। जौनपुर, गाजीपुर, प्रतापगढ़, अमेठी, चंदौली और अंबेडकरनगर में 8वीं तक के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। आज प्रदेश के सभी 75 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट है। प्रयागराज समेत 16 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

इधर, लगातार हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। 19 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। लखीमपुर में शारदा नदी पर बने तमोलिनपुरवा बांध का एक हिस्सा कट गया। दर्जनों गांवों पर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। ललितपुर में खेड़ार नदी के पुल के ऊपर से लगभग तीन फीट पानी बह रहा है। सिरसी पुल भी डूब गया है। बदायूं में रामगंगा नदी का पानी सड़कों के ऊपर बह रहा है।

इससे पहले, सोमवार को 65 शहरों में बारिश हुई। बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में 4 लोगों की मौत हो गई। अयोध्या के बीकापुर में तेज आंधी और बारिश से झोपड़ी ढह गई। छप्पर के नीचे बैठे एक बच्चे और युवती की दबने से मौत हो गई।

गाजीपुर में बाढ़ के पानी में डूबने से एक युवक की जान चली गई। मुगलसराय में कच्ची दीवार गिरने से एक मासूम की मौत हो गई।

पूर्वी यूपी में बने चक्रवाती सिस्टम और बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र की वजह से मानसूनी गतिविधियां तेज हो गई हैं।

अगले कुछ दिन तक पूर्वी यूपी में हल्की से मध्यम बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। पूर्वी यूपी के दक्षिणी हिस्सों में बहुत भारी बारिश के आसार हैं। पश्चिमी यूपी में पछुआ हवाओं की वजह से फिलहाल तेज या भारी बारिश की संभावना काफी कम है।

चंपत राय के खिलाफ संतों की बैठक पुलिस ने रोकी

आश्रम से निकालकर ताला लगाने का आरोप, गुस्साए संतों ने चंदा चोर के नारे लगाए

अयोध्या, 25 अगस्त (एजेंसियां)। अयोध्या में कारसेवकपुरम के पास मंगलवार को ओम आश्रम में राम मंदिर चढ़ावा चोरी और चंपत राय के खिलाफ चल रही संतों की बैठक को पुलिस ने रोक दिया। संतों का आरोप है कि बैठक के बीच पुलिस पहुंची और संतों को बाहर निकालकर आश्रम में ताला लगा दिया। इससे गुस्साए संतों ने 'चंदा चोरों, अयोध्या छोड़ो' के नारे लगाए। हालांकि, पुलिस का कहना है कि रोकने से पहले ही संत खुद आश्रम से बाहर निकल गए और नारेबाजी करने लगे।

संतों का कहना है-चंदा चोरी के छोटे आरोपियों पर कार्रवाई की गई, जबकि बड़े आरोपियों को बचाया जा रहा है। जिला प्रशासन आरोपियों का साथ दे रहा है। वह नहीं चाहता कि आरोपी पकड़े जाएं। इसलिए संतों की बैठक नहीं होने दी जा रही है।

टीचर पति को पत्नी ने दी किडनी

बोलीं– जिसके साथ जीना–मरना, उसके लिए किडनी कुछ भी नहीं, ससुर बोले– बहू 'सावित्री' बनी

आगरा, 25 अगस्त (एजेंसियां)। आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज में पहली बार किडनी ट्रांसप्लांट हुआ। पहला ट्रांसप्लांट टीचर महेंद्र कुशवाहा का हुआ। उनकी पत्नी मीना ने अपनी एक किडनी देकर पति को नया जीवन दिया है। अब महेंद्र और मीना दोनों स्वस्थ हैं और डॉक्टरों की निगरानी में हैं।

सोमवार को मीना ने पति से वीडियो कॉल पर बात की। कहा- आप ठीक तो हैं? मीना ने कहा कि मैंने जिसके साथ जीने-मरने की कसम खाई, उसके लिए एक किडनी कुछ भी नहीं है। मैं बहुत खुश हूं कि मेरी किडनी पति के काम आई। इतना कहते ही मीना की आंखें छलक पड़ीं। 2 मिनट तक पति से बात करने के बाद मीना को तसल्ली हुई। उन्होंने भगवान और डॉक्टरों का शुक्रिया अदा किया।

हाथरस के सिकंदराराऊ में रहने वाले महेंद्र कुशवाहा (32) एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ाते हैं। डेढ़ साल पहले उन्हें पता चला कि उनकी किडनी खराब हैं। इसके बाद से वह लगातार डायलिसिस करा रहे थे। शरीर कमजोर होता जा रहा था। डायलिसिस के लिए पत्नी मीना खुद उन्हें लेकर एसएन मेडिकल कॉलेज आती थीं। मीना 3 बच्चों की परवरिश के साथ घर भी संभालती रहीं।

डॉक्टर ने मीना को बताया कि किडनी ट्रांसप्लांट होने पर महेंद्र की जान बच सकती है। प्राइवेट अस्पतालों में खर्च अधिक होने से ट्रांसप्लांट के लिए रुपए का इंतजाम महेंद्र और मीना के लिए चुनौती बन गया। इसी बीच उन्हें एसएन मेडिकल कॉलेज में किडनी ट्रांसप्लांट की सेवाएं शुरू होने के बारे में पता चला। इसके बाद मीना ने पति को दिखाकर रजिस्ट्रेशन कराया और अपनी किडनी देने का फैसला किया।

जांच में मीना की रिपोर्ट भी ठीक आई। इसके बाद 22 अगस्त को एसएन मेडिकल कॉलेज में महेंद्र का किडनी ट्रांसप्लांट किया गया। यह मेडिकल कॉलेज के इतिहास में पहला मौका था, जब ये सर्जरी हुई। इसके बाद से मीना और महेंद्र एसएन के आइसोलेट वार्ड में भर्ती हैं। सोमवार को डॉक्टरों ने पति-पत्नी की फोन पर वीडियो कॉल कर बात कराई। इसमें एक-दूसरे का हाल जाना।

मीना ने बताया- जब मुझे पता चला कि पति की दोनों किडनियां खराब हैं। अब केवल ट्रांसप्लांट ही एक रास्ता है।

यूपी में जेन-ज़ी को रोजगार देगी सरकार

400 करोड़ से इलेक्ट्रिक बसें खरीदी जाएंगी कैबिनेट में 19 से अधिक प्रस्ताव पास होंगे

लखनऊ, 25 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी सरकार जेन-ज़ी को रोजगार और स्वरोजगार मुहैया कराएगी। युवाओं को वल्लभ भाई पटेल रोजगार एवं औद्योगिक विकास योजना से जोड़ा जाएगा। यह प्रस्ताव मंगलवार को योगी कैबिनेट की मीटिंग में मंजूर हो सकता है। प्रदेश में 7.5 करोड़ जेन-ज़ी हैं।

400 करोड़ रुपए से नई इलेक्ट्रिक बसें खरीदी जाएंगी। इन बसों को परिवहन विभाग के बेड़े में शामिल किया जाएगा। जन सेवा केंद्रों के संचालन के लिए नए सिरे से नियमावली को मंजूरी मिलेगी।

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के एक अधिकारी ने बताया, जन सेवा केंद्र 3 की अवधि 30 जून 2026 को समाप्त हो गई थी। उसकी अवधि बढ़ाने के लिए जन सेवा केंद्र 4.0 शुरू किया जा रहा है। इन केंद्रों पर आय, जाति, निवास और अन्य तमाम दस्तावेज आसानी से बनवाए जा सकते हैं।

यूपी में 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। प्रदेश की कुल आबादी का करीब 28-30% जेन-ज़ी हैं। ये वर्ग चुनावी नतीजों की दिशा बदलने की पूरी ताकत रखता है। इसलिए भाजपा इन युवाओं को जोड़ने के लिए 'युवा संवाद' जैसे विशेष अभियान चला रही है। 2 अगस्त को लोकभवन में हुई बैठक में सीएम योगी ने भाजपा विधायकों, सांसदों और सहयोगी दलों के नेताओं से 18 से 25 साल के नए वोटरों से नियमित संवाद करने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा था, यूपी का जेन-जी 2017 से पहले की सपा सरकार के कार्यकाल से परिचित नहीं हैं। ऐसे युवाओं को सोशल मीडिया, कॉलेज, यूनिवर्सिटी और स्कूलों के जरिए उस दौर की कानून-व्यवस्था की जानकारी दें।

इलाहाबाद हाईकोर्ट बोला- स्कूल में हिजाब पहनने की इजाजत नहीं

सेक्युलरिज्म के लिए यूनिफॉर्म जरूरी, नाबालिग छात्रा की याचिका खारिज

प्रयागराज, 25 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्कूलों में हिजाब पहनने की इजाजत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने सोमवार को कहा स्कूल में यूनिफॉर्म के नियम का पालन करना जरूरी है। इससे बच्चों में बराबरी की भावना रहती है। स्कूल की अपनी पहचान भी बनती है।

हाईकोर्ट ने कहा, यूनिफॉर्म की बदौलत बिना किसी धार्मिक भेदभाव वाला माहौल बना रहता है। इसलिए कोई भी छात्र या छात्रा स्कूल के तय किए गए ड्रेस कोड को बदलने की जिद नहीं कर सकती।

कोर्ट ने कहा-स्कूल में व्यक्तिगत आधार पर हिजाब पहनने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। यह यूनिफॉर्म के विचार के खिलाफ होगा। इससे स्कूल के अनुशासन को तय करने का अधिकार संस्थान के बजाय अलग-अलग छात्रों के हाथ में चला जाएगा।

जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस इंद्रजीत शुक्ला की डिविजन बेंच ने इसके साथ ही नाबालिग छात्रा की याचिका खारिज कर दी। इसमें स्कूल के तय ड्रेस कोड के साथ हिजाब पहनकर कक्षा में बैठने की अनुमति मांगी गई थी।

आगे सिलसिलेवार पूरा मामला जानेंगे, लेकिन उससे पहले भास्कर नॉलेज में जानिए कि स्कूलों में हिजाब विवाद कहां से शुरू हुआ, सुप्रीम कोर्ट का क्या फैसला रहा और इस्लाम में हिजाब की बात कहां से आई।

कर्नाटक में हिजाब विवाद जनवरी 2022 में उडुपी के एक सरकारी कॉलेज से शुरू हुआ। कुछ मुस्लिम छात्राओं ने हिजाब पहनकर कक्षा में बैठने की मांग की, जबकि कॉलेज प्रशासन ने इसे यूनिफॉर्म नियम के खिलाफ बताया। इसके बाद विरोध दूसरे कॉलेजों तक पहुंचा और कुछ जगह भगवा शॉल पहनकर जवाबी प्रदर्शन हुए।

15 मार्च 2022 को कर्नाटक हाईकोर्ट ने छात्राओं की याचिका खारिज करते हुए कहा कि हिजाब इस्लाम की अनिवार्य धार्मिक प्रथा नहीं है और स्कूल के तय ड्रेस कोड का पालन कराया जा सकता है।

हिजाब विवाद पर 13 अक्टूबर 2022 को सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच का फैसला एकमत नहीं था। दोनों जजों की राय अलग रही।

जस्टिस हेमंत गुप्ता ने कर्नाटक हाईकोर्ट का फैसला बरकरार रखा। उनके मुताबिक स्कूल का ड्रेस कोड सभी छात्रों पर समान रूप से लागू होता है और हिजाब को इस्लाम की अनिवार्य धार्मिक प्रथा साबित नहीं किया गया।

वहीं जस्टिस सुधांशु धूलिया ने कहा कि इस मामले में यह तय करना जरूरी ही नहीं है कि हिजाब अनिवार्य धार्मिक प्रथा है या नहीं।

उनके मुताबिक छात्रा की आस्था और पसंद को अनुच्छेद 19 और 25 के तहत देखा जाना चाहिए।

तेंदुए की दहशत : पति के सामने पत्नी को मार डाला

धान के खेत से घास निकालने के दौरान किया हमला

मुरादाबाद, 25 अगस्त (एजेंसियां)। मुरादाबाद जिले के ठाकुरद्वारा क्षेत्र में तेंदुओं का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार सुबह करीब दस बजे सुरजन नगर चौकी क्षेत्र के गांव बहापुर बलिया में तेंदुए ने महिला पर हमला कर दिया। हमले में मिथलेश (45) पत्नी बृजपाल सिंह की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में दहशत फैल गई और ग्रामीणों में वन विभाग के खिलाफ आक्रोश है।

बहापुर बलिया में तेंदुए के हमले में महिला की मौत से ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई है। क्षेत्र में यह आठ दिन के भीतर दूसरी महिला की मौत है। इससे पहले तीन अगस्त को लालापुर पीपलसाना में तेंदुए ने महिला को अपना शिकार बनाया था। इसके बाद 15 अगस्त को राईभूड़ और बहापुर बलिया में दो किसानों पर तेंदुए ने हमला किया था। लगातार हमलों के बाद वन विभाग ने ठाकुरद्वारा और कांठ क्षेत्र में निगरानी और रेस्क्यू अभियान तेज किया है। 22 अगस्त को सरकड़ा परम में भी एक तेंदुआ पिंजरे में कैद हुआ था। सोमवार को ठाकुरद्वारा के काशीराम नगर क्षेत्र में मादा तेंदुआ दो शावकों के साथ खेतों में घूमती दिखाई दी थी।

इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उधर, लगातार हो रहे हमलों के बीच बहापुर बलिया में महिला की मौत ने वन विभाग की चुनौती बढ़ा दी है। ग्रामीणों का कहना है कि खेतों और आसपास के इलाकों में तेंदुओं की आवाजाही से लोग अकेले बाहर निकलने से भी डर रहे हैं। डीएफओ डॉ. विनय कुमार सिंह ने बताया कि जिले में अब तक नौ तेंदुए पकड़े जा चुके हैं। इनमें सात को अलग-अलग चिड़ियाघरों और वन्यजीव अभ्यारण्यों में भेज दिया गया है। दो तेंदुए अभी डियर पार्क में हैं और उन्हें भी दूसरी जगह भेजने की प्रक्रिया चल रही है।

उफान पर गंगा, फरक्का बराज के सभी गेट खुले

सीएम ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया हवाई सर्वे, आज 25 जिलों में बारिश की संभावना

पटना, 25 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में मानसून कमजोर है। इस बीच मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 25 जिलों में बारिश की संभावना जताई है। हालांकि, कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। ज्यादातर जिलों में मौसम सामान्य रहेगा।

इधर, बिहार में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। पटना से लेकर बेगूसराय और भागलपुर तक गंगा का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। वहीं, गंडक समेत कई नदियां उफान पर हैं।

सोमवार को सीएम सम्राट चौधरी ने बाढ़ प्रभावित 6 जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने पटना, भागलपुर, कटिहार, नवगछिया, बेगूसराय और खगड़िया का हवाई सर्वेक्षण कर बाढ़ की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया।

वहीं, गंगा में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए फरक्का बराज के सभी गेट खोल दिए गए हैं। सीएम सम्राट ने एक दिन पहले पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी से फरक्का बराज के गेट खोलने की अपील की थी।

बेगूसराय के बछवाड़ा में जमींदारी बांध टूटने से 10 हजार की आबादी प्रभावित हुई है। साथ ही सिमरिया घाट से कसहा दियारा, रचियाही और उलाव जाने वाली सड़क गंगा की धार में ध्वस्त हो गई है। मुंगेर, पटना समेत कई जिलों में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान के करीब है।

भागलपुर के नवगछिया में आधी रात गंगा का कटाव शुरू हो गया। खरीक प्रखंड के राघोपुर गांव में गंगा का तटबंध टूटने से बिहार सरकार के ऊर्जा मंत्री बुलो मंडल के घर और गांव में पानी घुस गया है। मंत्री के घर से करीब 500 मीटर दूर बांध टूटा है।

भोजपुर में गंगा का कटाव तेज हो गया है। कटाव रोकने के प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं।

4.5 लाख में बेटे का सौदा, माता-पिता ने बेचा

मोतिहारी, 25 अगस्त (एजेंसियां)। मोतिहारी में एक बच्चे को जन्म के दूसरे ही दिन उसके माता-पिता ने बेच दिया। सौदे में दंपती, आआशा कार्यकर्ता, सौदा कराने वाली बिचौलिया और बच्चे को खरीदने वाली महिला शामिल है। पूरी डील 4.5 लाख में हुई।

नगर थाना की पुलिस ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए सोमवार को नवजात बच्चे को सकुशल रेस्क्यू कर लिया है। बच्चे के माता-पिता, महिला दलाल, आशा कार्यकर्ता और बच्चा खरीदने वाली महिला कुल 5 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने माता-पिता के पास से सौदे के मिले 1.50 लाख रुपए भी बरामद कर लिए हैं। महिला दलाल, आशा कार्यकर्ता को डेढ़-डेढ़ लाख मिलने वाले थे।

हरसिद्धि थाना क्षेत्र के कोबरा पकड़िया टोला निवासी प्रमोद साहनी और हिंदू देवी का ये बच्चा है। जिसे लाइन बसवरिया निवासी चिंता देवी ने खरीदा। जबकि घोड़ासहन थाना क्षेत्र के बगहा की रहने वाली आशा कार्यकर्ता शोभा सिंह और नगर थाना क्षेत्र के बलुआ गोपालपुर निवासी तान्या खातून उर्फ कुरैशा खातून ने ये डील करवाई।

पुलिस के अनुसार, बच्चे का जन्म 8 अगस्त को मोतिहारी के एक निजी अस्पताल में हुआ था। 9 अगस्त को एक महिला बच्चे को आईसीयू में रखने का बहाना बनाकर अपने साथ ले गई।

इसके बाद दलाल तान्या खातून उर्फ कुरैशा खातून ने बच्चे को एक निसंतान महिला को बेचने का सौदा कराया। इसमें आशा कार्यकर्ता शोभा सिंह ने भी उसका साथ दिया।

उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड में अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी बसपा

मायावती ने किया ऐलान

लखनऊ, 25 अगस्त (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों को लेकर अपनी रणनीति साफ कर दी है। बसपा प्रमुख मायावती ने मंगलवार को कहा कि पार्टी उत्तर प्रदेश के साथ पंजाब और उत्तराखंड में भी किसी दल से गठबंधन या समझौता किए बिना अपने बलबूते चुनाव मैदान में उतरेगी।

मायावती ने पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और कर्मठ व ईमानदार लोगों को उम्मीदवार बनाने पर विशेष जोर दिया। मायावती ने लखनऊ में आयोजित बैठक में पंजाब में पार्टी के जनाधार और संगठन की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में बसपा को बेहतर परिणाम के लिए पूरी ताकत से तैयारी करनी होगी।

बसपा प्रमुख पार्टी पदाधिकारियों को चुनावी तैयारियों में किसी तरह की कमी नहीं रहने देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चुनावी गठबंधन से पार्टी को सीट और वोट प्रतिशत, दोनों स्तर पर नुकसान उठाना पड़ता है। इसी वजह से उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड में बसपा अकेले अपने दम पर चुनाव लड़ेगी।

मायावती ने कार्यकर्ताओं से विरोधियों के सभी साम-दाम-दंड-भेद के हथकंडों का सामना करते हुए बेहतर परिणाम के लिए जुटने का आह्वान किया। बैठक में मायावती ने आगामी 9 अक्टूबर को पार्टी के संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि के कार्यक्रम की तैयारियों को पिछले वर्ष के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूरा करने को कहा। साथ ही, 15 जनवरी 2027 को 'जनकल्याणकारी दिवस' के अवसर पर बसपा की ओर से किए जाने वाले आर्थिक सहयोग को पिछली बार से बेहतर करने पर जोर दिया।

बसपा प्रमुख ने कहा कि इन कार्यक्रमों के जरिए अंबेडकरवादी विचारधारा और बसपा आंदोलन को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। मायावती ने कहा कि पार्टी का लक्ष्य गरीब, बेरोजगार और वंचित वर्गों को गरीबी व बेरोजगारी से मुक्ति तथा आत्मसम्मान के साथ जीवन का अवसर दिलाने वाली नीतियों को आगे बढ़ाना है।

1 करोड़ पार्षद निधि योजना 4.0 के अंतर्गत होंगे निर्माण

शहर के 58 वार्डों में 57 करोड़ से विकास के 692 काम होंगे

पटना, 25 अगस्त (एजेंसियां)। शहर के वार्डों में बरसात के बाद तेजी से निर्माण कार्य शुरू किए जाएंगे। पटना नगर निगम ने 58 वार्डों के लिए 692 योजनाओं को प्रशासनिक स्वीकृति दी है। इन निर्माण कार्यों पर 57 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च होगी। 'एक करोड़ पार्षद निधि योजना 4.0' के तहत पार्षदों ने इन योजनाओं को अनुशंसित किया है।

इसका मकसद वार्ड स्तर पर बुनियादी सुविधाओं का विकास एवं नागरिक सेवाओं को सुदृढ़ करना है। इन विकास योजनाओं में वार्डों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सड़क और नाला निर्माण व जीर्णोद्धार, बोरिंग व सबमर्सिबल लगाना, सामुदायिक भवन निर्माण, पेवर्स ब्लॉक तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्य शामिल हैं।

छात्रों पर लाठीचार्ज, दौड़ाकर पीटा पथराव में कई पुलिसकर्मी घायल

वाटर कैनन चली, सीआरपीएफ से झड़प, टीआरई–4 एग्जाम में बदलाव की मांग

पटना, 25 अगस्त (एजेंसियां)। बीपीएससी टीआरई-4 से पीटी-मेंस, नेगेटिव मार्किंग हटाने और 100% डोमिसाइल की मांग को लेकर पटना के गर्दनीबाग में छात्रों का आंदोलन जारी है। छात्रों का एक गुट आज सीएम हाउस घेरने निकला है।

छात्रों को रोकने के लिए जेपी गोलंबर पर फोर्स की तैनाती की गई। सीआरपीएफ जवानों को भी उतारा गया, लेकिन छात्र जेपी गोलंबर पर लगी बैरिकेडिंग को तोड़कर डाकबंगला पहुंच गए।

डाकबंगला चौराहे पर पुलिस ने छात्रों पर लाठीचार्ज किया है। छात्रों की तरफ से की गई पत्थरबाजी में टाउन डीएसपी कामाख्या नारायण सिंह घायल हुए हैं। कई पुलिसकर्मियों को भी चोट लगी है।

इससे पहले डाकबंगला पर सीआरपीएफ जवानों के साथ उनकी धक्का मुक्की हुई। पुलिस उन्हें रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इस दौरान एक छात्र का सिर फट गया और एक छात्रा बेहोश हो गई।

पानी की बौछार में प्रदर्शन कर रहे छात्र शैंपू लगाकर नहाते भी दिखे। छात्रों के प्रदर्शन के बीच बंकर गाड़ी बुलाई गई है। इस गाड़ी का इस्तेमाल अमूमन नक्सली इलाकों में किया जाता है।

ऑल बिहार स्टूडेंट यूनियन के छात्र नेता अमन गुट की ओर से यह मार्च निकाला गया है। 18 अगस्त से कैंडिडेट्स गर्दनीबाग में धरने पर हैं।

सोमवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राजेश कुमार सिंह से गर्दनीबाग में छात्रों के प्रदर्शन को लेकर कहा था कि "एक कहावत आपने सुना होगा, हाथी चले बाजार तो कुत्ते भौंके हजार।"

उनके इस बयान के बाद प्रदर्शन कर रहे छात्र भड़क गए। एक बार कॉकरोच बोला गया था, तो प्रधान जी चले गए।

शराब पीकर ठुमका लगा रहे हैं, तेज प्रताप यादव ने पवन सिंह पर दागे तीखे तीर, मचा बवाल

पटना, 25 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना में आयोजित ' भोजपुरी बवाल ' के ग्रैंड फिनाले कार्यक्रम के दौरान राजनीतिक और मनोरंजन जगत के बीच जबरदस्त बयानबाजी देखने को मिली। राजद नेता और प्रोग्राम के कॉन्टेस्टेंट तेज प्रताप यादव ने बिना किसी हिचकिचाहट के बीजेपी एमएलसी और भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह पर शराब पीने का आरोप लगाकर सनसनी फैला दी। पत्रकारों से बात करते हुए तेज प्रताप ने दावा किया कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू होने के बावजूद सत्ता के नशे में चूर होकर कुछ कलाकार शराब का सेवन कर रहे हैं। इस बयान के बाद नया विवाद खड़ा हो गया है।

कार्यक्रम स्थल पर मीडिया से मुखातिब होते हुए तेज प्रताप यादव ने आरोप लगाया कि मंच के पीछे कलाकार शराब का सेवन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग एमएलसी बनने के बाद सत्ता का आनंद ले रहे हैं और नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। जब पत्रकारों ने तेज प्रताप यादव से पूछा कि वे किस कलाकार की बात कर रहे हैं और कौन शराब पीकर ठुमका लगा रहा है, तो उन्होंने साफ तौर पर पवन सिंह का नाम लिया।

तेज प्रताप ने उनके लिए गैरवाजिब शब्द का इस्तेमाल करते हुए कहा कि वे शराब पीकर कार्यक्रम में पहुंचे हैं।

तेज प्रताप यादव ने बिहार में लागू शराबबंदी कानून का हवाला देते हुए प्रशासन से इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की। तेज प्रताप ने मीडिया और पुलिस से पवन सिंह की मेडिकल जांच (अल्कोहल टेस्ट) कराने की अपील की। उन्होंने दावा किया कि अगर सही तरीके से जांच और टेस्ट हुआ, तो पवन सिंह तुरंत पकड़े जाएंगे। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि इस मामले में शिकायत और केस दर्ज करवाया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष के एमएलसी होने के कारण वे नियम-कानूनों को ताक पर रख रहे हैं।

जब पत्रकारों ने तेज प्रताप को याद दिलाया कि पवन सिंह भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के कोटे से एमएलसी हैं, तो उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि अभी वे सत्ता में हैं इसलिए इसका फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि राज्य में शराबबंदी कानून होने के बावजूद जनप्रतिनिधि ही इसका उल्लंघन कर रहे हैं।

पटना के ज्ञान भवन में आयोजित 'भोजपुरी बवाल' के भव्य ग्रैंड फिनाले में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव एक ही मंच पर नजर आए।

ऑस्ट्रेलियाई कोर्ट में बासमती पर जंग हारा भारत

पाकिस्तान की बल्ले-बल्ले, किन-किन देशों में दिखेगा असर?

कैनबरा, 25 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की फेडरल कोर्ट ने भारतीय बासमती एक्सपोर्टर्स को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने ऑस्ट्रेलिया में बासमती चावल के लिए एक खास सर्टिफिकेशन ट्रेडमार्क की भारत की अपील को खारिज कर दिया है। इस फैसले से सबसे ज्यादा असर हरियाणा और पंजाब पर पड़ा है। इनमें से सिर्फ पंजाब देश के बासमती एक्सपोर्ट का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब दोनों राज्यों के बासमती एक्सपोर्टर्स होर्मुज जलडमरूमध्य से शिपमेंट को लेकर अनिश्चितता के बीच दूसरे विदेशी बाजारों में अपना कारोबार बढ़ाने की कोशिश कर रहे थे। बासमती एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के वाइस-प्रेसिडेंट रंजीत सिंह जोसन ने एक रिपोर्ट में कहा है कि हालिया फैसले का मतलब है कि ऑस्ट्रेलियाई बाजार में भारतीय एक्सपोर्टर्स की कोई खास स्थिति नहीं होगी और अब उन्हें पड़ोसी देश पाकिस्तान के एक्सपोर्टर्स से मुकाबला करना होगा।

कोर्ट ने अपने फैसले में साफ किया है कि बासमती चावल सिर्फ भारत की विशेष संपत्ति नहीं है बल्कि यह भारत और पाकिस्तान दोनों देशों के सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों में उगाई जाने वाली एक पारंपरिक फसल है। भारत के कुल बासमती निर्यात में अकेले पंजाब की हिस्सेदारी लगभग 40% है। इस फैसले से पंजाब और हरियाणा के निर्यातकों को सबसे ज्यादा नुकसान हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया में वर्तमान में भारतीय बासमती का बड़ा दबदबा है। ये कारोबार करीब करीब 380 मिलियन डॉलर है।

जबकि पाकिस्तान का निर्यात सिर्फ 44.12 मिलियन डॉलर के करीब है। अब पाकिस्तानी निर्यातक कम कीमतों के दम पर भारतीय बाजार हिस्सेदारी को कड़ी चुनौती दे सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया एक 'बेंचमार्क' कानूनी व्यवस्था माना जाता है।

इस फैसले का हवाला देकर पाकिस्तान अब यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड और केन्या जैसे अन्य महत्वपूर्ण बाजारों में भी भारत के खिलाफ अपने दावों को और मजबूती से पेश कर सकता है। पाकिस्तान से मिलने वाली कड़ी टक्कर की वजह से भारतीय निर्यातकों को ऑस्ट्रेलिया में अपनी कीमतें घटाने पर मजबूर होना पड़ सकता है जिससे उनका शुद्ध मुनाफा घटेगा। आपको बता दें कि 'बासमती' शब्द सर्टिफाइड एपीडा चावल और अन्य बासमती चावल के बीच कोई अंतर नहीं करता है।

कोर्ट ने ऑस्ट्रेलिया के ट्रेड मार्क्स एक्ट 1995, खासकर सेक्शन 177(2) के प्रावधानों पर भरोसा किया। यह सेक्शन उन फैक्टर्स को बताता है जिनसे यह तय किया जाता है कि क्या कोई सर्टिफिकेशन मार्क सर्टिफाइड सामान को नॉन-सर्टिफाइड सामान से अलग करने में सक्षम है या नहीं। एपीडा ने 2019 में पहली बार ऑस्ट्रेलिया में ट्रेडमार्क के लिए आवेदन किया था।

इसमें बताया गया था कि 1988 और 2018 के बीच ऑस्ट्रेलियाई बाजार में भारतीय बासमती की अच्छी-खासी मौजूदगी रही है। ऑस्ट्रेलियाई रिटेल आउटलेट्स के जरिए बेचे गए भारतीय बासमती की मात्रा का अनुमान 306,095 टन लगाया गया था जिसकी कीमत 380 मिलियन डॉलर थी जबकि पाकिस्तानी बासमती की बिक्री सिर्फ 44.12 मिलियन डॉलर थी।

'होटल में मिलो, तुम अच्छी लगती हो'

युवती ने पटवारी की घिनौनी करतूत का किया खुलासा डर्टी वॉट्सऐप चैट आई सामने

शहडोल, 25 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में राजस्व विभाग की साख को शर्मसार करने वाला एक गंभीर मामला सामने आया है। सोहागपुर तहसील के हल्का नंबर 72 में पदस्थ पटवारी आशीष सोनकर पर एक बेसहारा अनाथ युवती के साथ पद का दुरुपयोग, रिश्वतखोरी और वॉट्सऐप पर अश्लील बातचीत कर शोषण का प्रयास करने के सनसनीखेज आरोप लगे हैं। पीड़िता ने पूरे मामले के इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और चैट स्क्रीनशॉट्स के साथ जिला कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है।

सोहागपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली पीड़ित युवती ने बताया कि उसके माता-पिता अब इस दुनिया में नहीं हैं और ग्राम पंचायत चापा में उनकी पुश्तैनी जमीन है। जमीन संबंधी काम और जाति प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए उन्होंने हल्का नंबर 72 के पटवारी आशीष सोनकर से संपर्क किया था। शिकायत के अनुसार, युवती का आरोप है कि काम कराने के एवज में उससे 20 हजार रुपये की मांग की गई, जिसमें से 15 हजार रुपये नकद देने का दावा किया गया है। युवती ने लेन-देन और बातचीत से संबंधित व्हाट्सऐप चैट को इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के रूप में सुरक्षित होने की बात कही है। शिकायत का सबसे गंभीर पहलू पटवारी पर अश्लील और आपत्तिजनक व्हाट्सऐप बातचीत करने का आरोप है।

युवती का दावा है कि पटवारी ने काम कराने के बदले उसे होटल में बुलाने और अपने साथ रहने जैसी बातें कहीं। बकौल युवती पटवारी ने उसे मैसेज में लिखा कि होटल में मिलते हैं, तुम अच्छी लगती हो। युवती ने इसे अपने शासकीय पद और अधिकार का दुरुपयोग बताते हुए मानसिक दबाव और शोषण का प्रयास बताया है। युवती का यह भी आरोप है कि शिकायत करने की बात कहने के बाद उसके जमीन संबंधी काम नहीं किए गए और जाति प्रमाण-पत्र भी नहीं बनाया गया। वहीं, पटवारी के सहयोगी रवि पर शिकायत नहीं करने के लिए दबाव बनाने और जान से मरवाने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है।

बरवाअड्डा थानेदार से गाली-गलौज: विधायक जयराम पर कार्रवाई की मांग, धनबाद पुलिस का काम करने से इनकार

रांची, 25 अगस्त (एजेंसियां)। जेएलकेएम प्रमुख व डुमरी विधायक जयराम महतो का बरवाअड्डा थाना प्रभारी रवि कुमार से कथित गाली-गलौज का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि यह व्हाट्सएप कॉल की रिकॉर्डिंग है, जिसे दूसरे मोबाइल से रिकॉर्ड किया गया। हालांकि वायरल ऑडियो-वीडियो की पुष्टि प्रभात खबर नहीं करता है। मामले को लेकर थाना प्रभारी रवि कुमार ने बरवाअड्डा थाने में विधायक जयराम महतो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है। मालूम हो कि इसी थाने में विधायक के खिलाफ एक मामला पहले से दर्ज है। उसी एफआईआर में इसे जोड़ा गया है। जिसमें पहले से 50 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है।

मामले को लेकर धनबाद पुलिस मेंस एसोसिएशन बरवाअड्डा के थानेदार रवि कुमार के समर्थन में आगे आया है। एसोसिएशन ने कहा है कि जबतक मामले में कार्रवाई नहीं होगी, धनबाद में पुलिस काम नहीं करेगी। एसोसिएशन का कहना है कि बॉडीगार्ड के रूप में माननीयों को हमारी जरूरत पड़ती है और जब हम उनके गलत का समर्थन नहीं करते तो हमें ही गालियां देते हैं।

रोहिणी आश्रम में क्या हो रहा? महिलाओं की सुरक्षा पर दिल्ली एचसी का सवाल

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने रोहिणी स्थित आध्यात्मिक विश्व विद्यालय आश्रम में महिलाओं और लड़कियों को कथित तौर पर बंधक बनाए जाने के पुराने आरोपों के बीच बेहद सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि आश्रम की गतिविधियों और उसके संचालन के तरीके की जांच जरूरी है। समाज को यह जानने का पूरा अधिकार है कि इन आश्रमों के अंदर आखिर क्या हो रहा है? मामले की सुनवाई के दौरान सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि लंबे समय से फरार चल रहे स्वयंभू आध्यात्मिक गुरु वीरेंद्र देव दीक्षित की मौत हो चुकी है। इस पर कोर्ट ने सवाल उठाया कि अब आश्रमों की जिम्मेदारी कौन संभाल रहा है और वहां होने वाली गतिविधियों के लिए जवाबदेह कौन है? मामले में एक महिला के परिजनों ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उनका कहना है कि महिला आश्रम में रह रही थी, लेकिन अब उसका कोई पता नहीं है। हैरानी की बात यह है कि उसका सामान और निजी सामान अभी भी रोहिणी स्थित आश्रम में मौजूद है। कोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए विजय विहार थाना एसएचओ को महिला की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच करने का आदेश दिया है। जांच की रिपोर्ट 31 अगस्त को कोर्ट के सामने पेश करनी होगी।

महिला के परिजनों की ओर से कोर्ट को बताया गया कि उसके पिता गंभीर रूप से बीमार हैं और अस्पताल में भर्ती हैं। माता-पिता उम्रदराज हैं और उनकी देखभाल करने वाला कोई दूसरा नहीं है। उन्होंने वीडियो कॉल के जरिए अपनी बेटी से बात की थी और उसकी हालत भी ठीक नहीं लगी। परिजनों का कहना है कि वे अपनी बेटी को अपने पास बुलाना चाहते थे। लेकिन उसने उनके साथ आने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने साफ कहा कि किसी की आस्था या धार्मिक विश्वास में दखल देने का उसका कोई इरादा नहीं है। लेकिन आस्था की आड़ में जवाबदेही खत्म नहीं हो सकती।

समृद्ध महासागर का हिस्सा मिस्र के रेगिस्तान में कभी तैरती थीं विशाल शार्क मछलियां, क्रमिक रूप से हुआ विकास

काहिरा, 25 अगस्त (एजेंसियां)। मिस्र का रेगिस्तान करोड़ों साल पहले (लगभग 14.5 से 6.6 करोड़ वर्ष पूर्व) एक विशाल और समृद्ध महासागर का हिस्सा था। हाल ही में वैज्ञानिकों ने मिस्र के पश्चिमी रेगिस्तान में स्थित अबू-तरतूर पठार पर शार्क के प्राचीन जीवाश्म और दांतों की खोज की है, जो इस बात का प्रमाण देते हैं कि यह सूखा क्षेत्र कभी समुद्री जीवों और विभिन्न प्रजातियों की शार्क का गढ़ था। मिस्र में प्राचीन शार्क के जीवाश्मों की खोज से जुड़ी यह रिपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका 'क्रिटेशियस रिसर्च' में प्रकाशित हुई है। मिस्र के पश्चिमी रेगिस्तान की चट्टानों से काहिरा विश्वविद्यालय के जीवाश्म विज्ञानी तारेक यासीन ने सात अलग-अलग शार्क प्रजातियों के दुर्लभ जीवाश्मों और शार्क के दांतों का पता लगाया है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में मिलने वाले दांतों की आकृतियां अलग-अलग हैं। कुछ सुई जैसी नुकीली हैं तो कुछ चौड़ी और आरी के आकार की हैं, जो शिकार के अनुकूल थीं। वैज्ञानिकों के अनुसार, प्राचीन काल में यहां गहरी समुद्री धाराएं चलती थीं जो पानी की सतह पर पोषक तत्व लाती थीं।

सारंडा जंगल 30 साल तक माओवादियों का गढ़ रहने के बाद अब नक्सल-मुक्त घोषित

रांची, 25 अगस्त (एजेंसियां)। कोल्हान का सारंडा जंगल, जो लगभग तीन दशकों तक माओवादियों का गढ़ रहा, उसे झारखंड पुलिस ने राज्य भर में लगातार नक्सल-विरोधी अभियानों के बाद नक्सल-मुक्त घोषित कर दिया है। पुलिस ने कहा कि यह उपलब्धि इस दूर-दराज के इलाके में एक बड़ा बदलाव है। चाइबासा के एसपी अमित रेणु ने बताया कि 11 अगस्त को एक बड़ी कामयाबी मिली, जब 'ऑपरेशन नवजीवन-तृतीय' के तहत चार सक्रिय माओवादियों ने पुलिस के सामने सरेंडर किया। इनमें सालुका कायम भी शामिल था, जो सीपीआई (माओवादी) का ज़ोनल कमांडर था और जिस पर 10 लाख रुपये का इनाम था।

वह कोल्हान, पोराहाट और सारंडा के दूर-दराज के जंगलों और पहाड़ियों में सक्रिय आखिरी सीनियर माओवादी नेताओं में से एक था। सरेंडर के बाद, 15 अगस्त को पश्चिमी सिंहभूम के सारंडा-कोल्हान जंगलों के अंदर बसे संगजाता गांव में पहली बार तिरंगा फहराया गया। एसडीपीओ डॉ। सैयद मुस्तफा हाशमी ने झंडा फहराया और ग्रामीणों ने पुलिस के साथ मिलकर स्वतंत्रता दिवस और माओवादी हिंसा से अपनी आज़ादी का जश्न मनाया। हाशमी ने एक हेल्थ कैंप भी लगाया, जिसमें मरीज़ों की जांच की गई और उन्हें सलाह, इलाज और दूसरी स्वास्थ्य सुविधाएं दी गईं।

यह पहली बार था जब कोई सीनियर पुलिस अधिकारी इस दूर-दराज के गांव में गया था। पुलिस ने बताया कि आखिरी चार माओवादियों के सरेंडर के बाद ही जिले को नक्सल-मुक्त घोषित किया गया। 'ऑपरेशन नवजीवन-आई और द्वितीय' के तहत, रांची में क्रमशः 21 मई और 28 जुलाई को 25 और 14 माओवादियों ने सरेंडर किया था। पुलिस ने कहा कि सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों की मदद से चाइबासा पुलिस के अभियानों ने घेराबंदी को और मज़बूत किया।

दो करोड़ की एफडी का झांसा, मेडिकल भुगतान का बहाना; कार कंपनी का मालिक बनकर बैंक मैनेजर से ठगे 4.99 लाख

रायपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी के तेलीबांधा थाना क्षेत्र स्थित भारतीय स्टेट बैंक की आईजीकेवी शाखा की बैंक प्रबंधक से जालसाजों ने 4 लाख 99 हजार रुपये की ठगी की। आरोपी ने खुद को कार कंपनी का संचालक बताकर 2 करोड़ रुपये की एफडी कराने का झांसा दिया और भरोसा जीता। इसके बाद उसने आपातकालीन मेडिकल भुगतान के बहाने धोखाधड़ी कर दूसरे बैंक खाते में राशि स्थानांतरित करवा ली। पीड़िता श्वेता शर्मा की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, श्वेता शर्मा के मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया। फोन न उठने पर उस व्यक्ति ने मैसेज भेजकर संपर्क साधा। बैंक में करीब 2 करोड़ रुपये की एफडी करवाने की इच्छा जाहिर करते हुए ब्याज दरों की जानकारी मांगी।

भिखारियों और माइग्रेशन के नियमों में बड़ा बदलाव

2027 की जनगणना में कैसे बदल जाएगा आंकड़ों का स्वरूप?

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। आगामी राष्ट्रीय जनगणना 2027 के नियमों और आंकड़ों के संग्रह के तरीके में केंद्र सरकार ने कई बड़े और ऐतिहासिक बदलाव किए हैं। इस बार की जनगणना में भीख मांगने या खानाबदोश लोगों का डाटा अलग से दर्ज नहीं किया जाएगा। सरकार ने 'गैर-आर्थिक गतिविधियों' की सूची से 'भिखारी और घुमंतू' की स्वतंत्र श्रेणी को पूरी तरह हटा दिया है। सूत्रों के अनुसार, 2011 की पिछली जनगणना में इस श्रेणी में बेहद कम (लगभग 3.8 लाख) लोगों ने खुद को दर्ज कराया था, जिसके चलते अब इन्हें एक अलग वर्ग के बजाय 'अन्य' की सामान्य श्रेणी में शामिल किया जाएगा।

इस बदलाव के कारण अब देश में भिखारियों की संख्या, उनका धर्म, उम्र, शिक्षा या राज्यवार आंकड़ा अलग से तालिकाओं में देखने को नहीं मिलेगा। इसके साथ ही जनसंख्या के विस्थापन को बेहतर ढंग से समझने के लिए एक और महत्वपूर्ण संशोधन किया गया है। माइग्रेशन के कारणों में अब पहली बार 'प्राकृतिक आपदा' का विकल्प जोड़ा गया है। अब तक लोगों के घर या शहर छोड़ने के मुख्य कारणों में सिर्फ काम, कारोबार, पढ़ाई, शादी, जन्म के बाद स्थानांतरण या परिवार के साथ जाने जैसे विकल्प ही शामिल थे।

अब बाढ़, सूखा, लैंडस्लाइड और चक्रवात जैसी प्राकृतिक विभीषिकाओं के चलते पलायन करने वाले नागरिकों का सटीक और अलग डेटा दर्ज किया जा सकेगा। यह कदम भविष्य की आपदा प्रबंधन नीतियों को और अधिक प्रभावी बनाने में मददगार साबित होगा।

2011 की जनगणना और उससे पहले की जनगणनाओं में 'भीख मांगने वालों और खानाबदोश लोगों' को – छात्रों, घर का काम करने वालों, आश्रितों, पेंशनभोगियों, किराया पाने वालों और अन्य लोगों के साथ – 'गैर-आर्थिक गतिविधियों' में लगे सीमांत और गैर-कामकाजी लोगों की श्रेणी में रखा गया था। लेकिन अब उन्हें 'अन्य' श्रेणी में गिना जाएगा। नतीजतन, देश में भीख मांगने वालों की संख्या या उम्र, धर्म, राज्य/केंद्र शासित प्रदेश, शिक्षा के स्तर आदि के आधार पर उनका वर्गीकरण अब जनगणना के आंकड़ों में शामिल नहीं होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों का कहना है कि पिछली जनगणनाओं में 'भीख मांगने वालों और खानाबदोश लोगों' की जो गिनती की गई थी, उसे विश्वसनीय नहीं माना गया क्योंकि इस श्रेणी में आने वाले कई लोग सामाजिक बदनामी के डर से खुद को इस रूप में बताने से हिचकिचाते थे।

एक अधिकारी ने कहा, "जनगणना के नियमों के अनुसार, गणना करने वाले कर्मचारी को वही पेशा या गैर-आर्थिक गतिविधि दर्ज करनी होती है जो संबंधित व्यक्ति बताता है।" इस तरह, जनगणना 2011 में गैर-कामकाजी भीख मांगने वालों/आवारा लोगों की संख्या लगभग 3.8 लाख, जनगणना 2001 में 6.3 लाख और जनगणना 1991 में लगभग 5.4 लाख दर्ज की गई थी।

खाली प्लॉट में पानी जमा मिला तो लगेगा जुर्मानाः भोपाल कलेक्टर सख्त, लापरवाह सुपरवाइजरों पर होगी कार्रवाई

भोपाल, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल में डेंगू-मलेरिया जैसे मच्छरजनित रोगों की रोकथाम को लेकर प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने खाली प्लॉटों में जमा पानी का तत्काल निपटारा कराने और लापरवाही मिलने पर मौके पर ही जुर्माना लगाने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए नगर निगम को कार्रवाई करने को कहा गया है। जानकारी के लिए बतांदे कि इन दिनों डेंगू-मलेरिया के केस बढ़ने लगे हैं। यही वजह है कि प्रशासन अलर्ट पर है। बैठक में कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग की सभी निर्धारित सेवाएं लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। जिस क्षेत्र में अभियान आयोजित होगा, वहां कुपोषित बच्चों के फॉलोअप की निगरानी कलेक्टर स्वयं करेंगे। पोषण सेवाओं की समीक्षा के दौरान स्पष्ट किया गया कि काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

मानसून मेहरबान, बंगाल की खाड़ी के सिस्टम का असर अगले दो दिन भी बरसेंगे बादल

रायपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। सावन के अंतिम सोमवार को छत्तीसगढ़ में मानसून ने अपना असर दिखाया। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई हिस्सों में झमाझम बारिश हुई। रायपुर में दिनभर हुई बारिश से जनजीवन प्रभावित रहा और करीब 12 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई। बस्तर संभाग के कई इलाकों में भी अच्छी बारिश हुई, जबकि रायपुर, बिलासपुर और सरगुजा संभाग के कुछ हिस्सों में भारी बारिश देखने को मिली। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में मानसून फिलहाल सक्रिय है। बंगाल की खाड़ी में बने मौसम तंत्र का असर छत्तीसगढ़ पर बना हुआ है। इसके चलते अगले दो दिनों तक बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। हालांकि इसके बाद बारिश की गतिविधियों में कुछ कमी आ सकती है। मंगलवार सुबह राजधानी रायपुर में मौसम कुछ साफ नजर आया और धूप भी निकली। हालांकि मौसम विभाग ने दिन में बादल छाने के साथ कहीं-कहीं बारिश या हल्की बूंदाबांदी की संभावना जताई है।

तापमान की बात करें तो अधिकतम तापमान करीब 29 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा के आसपास कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके साथ चक्रवाती परिसंचरण भी सक्रिय है। वहीं दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल, झारखंड और उत्तरी ओडिशा तक बने सिस्टम के बीच द्रोणिका बनी हुई है।

फिजिक्स वाला के अलख पांडे को एचसी से मिली राहत

अश्लील कंटेंट हटाने का ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को आदेश

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। व्यक्तिगत अधिकारों पर सुरक्षा की मांग वाली फिजिक्स वाला के फाउंडर अलख पांडेय की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने टिप्पणी की कि अभिव्यक्ति की आजादी और व्यंग्य को दबाने के लिए व्यक्तिगत अधिकारों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

कैरिकेचर, व्यंग या पैरोडी को रोकने के लिए व्यक्तिगत अधिकारों पर सुरक्षा की मांग वाली याचिका पर अदालत ने चेतावती भी दी। फिजिक्स वाला के फाउंडर अलख पांडे ने उनके नाम, तस्वीर और दूसरी पहचान वाली चीजों के गलत इस्तेमाल के खिलाफ याचिका दायर की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि कई इंटरनेट प्लेटफॉर्म और उपयोगकर्ता सोशल मीडिया पोस्ट, स्टिकर पैक जैसे तरीकों से उनके नाम, तस्वीर वगैरह से रुपये कमा रहे थे। यह भी कहा कि इन पोस्ट में से कुछ सामग्री अश्लील और पोर्नोग्राफी से जुड़ी है। हालांकि, सभी तथ्यों को देखते हुए अदालत ने कहा कि याचिका में बहुत ज्यादा व्यापक राहत की मांग की गई है और इसलिए इसके गलत इस्तेमाल की संभावना है।

अदालत ने अश्लील व पोर्नोग्राफी से जुड़ी सामग्री को हटाने का आदेश दिया। पीठ ने कहा कि अदालत यह सुनिश्चित करना चाहती है कि व्यक्तिगत अधिकारों पर सुरक्षा का इस्तेमाल गलत कामों से जुड़ी जानकारी को फैलने से रोकने के लिए न किया जाए। पीठ ने कहा कि व्यंग या मजाक को किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व या व्यक्तिगत अधिकार का व्यवसायिक इस्तेमाल नहीं माना जा सकता।

अदालत ने ऑनलाइन प्लेटफार्म को आदेश में बताए गए आपत्तिजनक कंटेंट को हटाने का निर्देश दिया। इस तरह के मामले में कई मशहूर क्रिकेटर, अभिनेता, अभिनेत्री व राजनेताओं को अंतरित आदेश पारित किया गया है। हाई कोर्ट ने उन्हें अंतरिम राहत दी है।

सीएम की पत्नी के 5 करोड़ वाले नोटिस पर रिटायर्ड जज रंजीत सिंह को कोई नोटिस नहीं मिला है

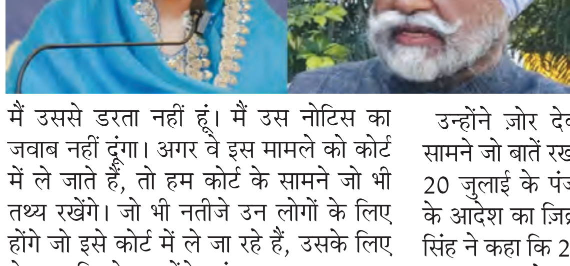

चंडीगढ़, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की पत्नी गुरप्रीत कौर ने पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के पूर्व जज रंजीत सिंह को एक कानूनी नोटिस भेजा है। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि उन्होंने एक रेप केस को दबाने के लिए 5 करोड़ रुपये मांगे। हालांकि आप के आरोप पर पूर्व जज ने दावा किया कि उन्हें ऐसा कोई नोटिस नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें नोटिस मिला, तब भी वह उसका कोई जवब नहीं देंगे। उन्होंने आरोपों के खिलाफ कानूनी रास्ता अपनाने को कहा है। रिटायर्ड जस्टिस सिंह ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मैं एक बात साफ करना चाहता हूं। मुझे आज तक कोई कानूनी नोटिस नहीं मिला है।

और अगर मुझे कोई नोटिस मिलता भी है, तो मैं उससे डरता नहीं हूं। मैं उस नोटिस का जवाब नहीं दूंगा। अगर वे इस मामले को कोर्ट में ले जाते हैं, तो हम कोर्ट के सामने जो भी तथ्य रखेंगे। जो भी नतीजे उन लोगों के लिए होंगे जो इसे कोर्ट में ले जा रहे हैं, उसके लिए वे खुद जिम्मेदार होंगे। पंजाब ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइज़ेशन (पीएचआरओ) के चेयरमैन रंजीत सिंह ने कहा, 'मैं यह भी साफ करना चाहता हूं कि इसमें सिर्फ वे लोग ही शामिल नहीं होंगे जिन पर आरोप लगाए गए हैं। कई और लोग भी जांच के दायरे में आ सकते हैं, जिनमें पुलिस और कई अन्य लोग शामिल हो सकते हैं।'

उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि हमने आपके सामने जो बातें रखीं, वे तथ्यों पर आधारित थीं। 20 जुलाई के पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के आदेश का ज़िक्र करते हुए रिटायर्ड जस्टिस सिंह ने कहा कि 20 जुलाई के फैसले को किसी अखबार या प्रेस रिपोर्टर ने जनता के सामने नहीं रखा था। हमने बस रिकॉर्ड के तौर पर यह बताया था कि एक रेप पीड़िता के साथ अन्याय हो रहा था और उसके मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा था। हमने इसे जनता के सामने लाना अपना फर्ज समझा ताकि उसे न्याय मिल सके। हमारा कोई और मकसद नहीं था। पंजाब ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइज़ेशन ने अपनी तरफ से किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया। हमने बस कोर्ट के फैसले के आधार पर यह मामला आपके सामने रखा।

उन्होंने कहा कि पीएचआरओ अपना काम जारी रखेगा। कहा कि हम किसी से नहीं डरते। हम सच के साथ खड़े हैं। हम आपको भरोसा दिलाते हैं कि भविष्य में भी, अगर किसी व्यक्ति के ख़िलाफ़ मानवाधिकार उल्लंघन का कोई मामला सामने आता है। चाहे वह व्यक्ति किसी भी पद पर हो- तो हम उसे उठाएंगे और मजबूती से उसके साथ खड़े रहेंगे।

भूख हड़ताल कर रहे आदिवासी छात्रों की आवाज उठाने पर रोहित पवार ने राहुल का जताया आभार

मुंबई, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पुणे के बारामती से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) विधायक रोहित पवार ने भूख हड़ताल पर बैठे महाराष्ट्र के आदिवासी छात्रों की आवाज उठाने और मुख्यमंत्री को पत्र लिखने पर आभार जताया है। रोहित पवार ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, राहुल गांधी, आपने इस अत्यंत महत्वपूर्ण विषय में व्यक्तिगत रूप से ध्यान दिया, इसके लिए आपका हृदय से आभार। रोहित पवार ने कहा, आदिवासी छात्रों का यह मुद्दा बेहद गंभीर और संवेदनशील है। दुर्भाग्य की बात है कि कल हुई महाराष्ट्र कैबिनेट की बैठक में इस विषय पर चर्चा तक नहीं हुई।

आदिवासी मंत्री के साथ हुई छात्रों की बैठक में भी कुछ हल नहीं निकला। इससे साफ होता है कि सरकार आदिवासी छात्रों की न्यायसंगत मांगें और उनकी समस्याओं के समाधान को लेकर गंभीर नहीं है। रोहित पवार ने कहा, इसीलिए आने वाले कुछ दिनों में इन छात्रों द्वारा एक बड़े जनआंदोलन का आयोजन किए जाने की संभावना है। यदि ऐसा होता है, तो इस आंदोलन में आपकी (राहुल गांधी) भी उपस्थिति रहे, ऐसी इन छात्रों की इच्छा है। आपकी उपस्थिति से इस संवेदनहीन सरकार पर निश्चित रूप से बड़ा दबाव बनेगा और सरकार को पीछे हटकर छात्रों की न्यायसंगत मांगों को स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 26 अगस्त - 2026

भारत की कूटनीतिक शक्ति

भारत की विदेश नीति इस समय ऐसे मोड़ पर है, जहां एक साथ कई दिशाओं में संबंधों को साधना उसकी सबसे बड़ी कूटनीतिक परीक्षा बन गया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर रूस में हैं, जबकि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल चीन के साथ बातचीत में जुटे हैं। यह संयोग नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत की संतुलित कूटनीति की जरूरत को रेखांकित करता है। एक ओर चीन के साथ तनाव घटाने और संवाद बढ़ाने की कोशिश है, तो दूसरी ओर रूस के साथ पुराने रिश्तों को नई परिस्थितियों में मजबूती देने का प्रयास जारी है। सीमा पर तनाव भारत और चीन के संबंधों की सबसे बड़ी कसौटी है। 2024 में रूस के कजान में ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात ने द्विपक्षीय रिश्तों में जमी बर्फ पिघलाने की शुरुआत की थी। इसके बाद दोनों देशों के बीच संवाद बढ़ा है। फिर भी केवल बातचीत बढ़ जाने से यह मान लेना जल्दबाजी होगी कि भरोसा पूरी तरह लौट आया है। सीमा विवाद का स्थायी और स्वीकार्य समाधान अभी दूर है। इसलिए शांति और स्थिरता बनाए रखना ही दोनों देशों के हित में है। भारत के लिए सितंबर का ब्रिक्स शिखर सम्मेलन विशेष महत्व रखता है, क्योंकि उसे इसकी मेजबानी करनी है। इसमें शी चिनफिंग के आने की चर्चा भी है। ऐसे में भारत के सामने चुनौती यह है कि वह चीन के साथ संवाद को आगे बढ़ाए, लेकिन सीमा पर अपने हितों और सुरक्षा संबंधी चिंताओं से कोई समझौता न करे। पिछले वर्ष अगस्त में एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा के दौरान शी चिनफिंग से मुलाकात ने भी रिश्तों को गति देने में मदद की थी। दोनों पक्षों को यह समझना होगा कि सीमा पर शांति के बिना व्यापक संबंधों में स्थिरता संभव नहीं है। इसी के साथ रूस के साथ संबंधों का महत्व भी कम नहीं हुआ है। जयशंकर की मॉस्को यात्रा और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात ऐसे समय हो रही है जब अमेरिका का दबाव लगातार बना हुआ है। व्यापार, ऊर्जा और वैश्विक मुद्दों पर बातचीत के बीच भारत को अपने हितों की रक्षा करनी है। रूस से रिश्ते भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का महत्वपूर्ण आधार रहे हैं, लेकिन बदलती विश्व राजनीति में इस रिश्ते को पुराने ढर्रे पर नहीं, बल्कि नए आर्थिक और सामरिक हितों के अनुरूप आगे बढ़ाना होगा। मौजूदा वैश्विक माहौल पहले की तुलना में कहीं अधिक जटिल है। अमेरिका रूस पर दबाव बढ़ा रहा है, ऊर्जा संकट की आशंकाएं बनी हुई हैं और पश्चिम एशिया से लेकर यूरोप तक अस्थिरता कायम है। ऐसे में भारत के लिए किसी एक खेमे में खड़ा होना आसान भी नहीं और हितकारी भी नहीं। उसे अमेरिका के साथ साझेदारी बढ़ानी है, रूस से संबंध बचाने हैं और चीन के साथ प्रतिस्पर्धा के बीच संवाद के रास्ते खुले रखने हैं। भारत की असली ताकत इसी संतुलन में है। कूटनीति का अर्थ हर पक्ष को खुश करना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए विकल्प खुले रखना है। रूस, चीन और अमेरिका तीनों के साथ संबंधों में भारत को स्पष्टता, संयम और दृढ़ता दिखानी होगी। यही सही संतुलित विदेश नीति आने वाले समय में भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता और वैश्विक प्रभाव को मजबूत करेगी।

मदर टेरेसा: गरीबों की सांसों में बसने वाली संत

योगेश गोयल

मदर टेरेसा का नाम सुनते ही मानवता, करुणा और सेवा का पवित्र स्वरूप आंखों के सामने उभर आता है। उनका जीवन इस तथ्य का सबसे बड़ा प्रमाण है कि निस्वार्थ भाव से दूसरों के दुःख को दूर करने का संकल्प ही मनुष्य को वास्तविक अर्थों में महान बनाता है। 26 अगस्त 1910 को अल्बानिया के स्कोप्जे में एगनेस गोंझा बोयाज्यू के रूप में जन्मी इस नन्हीं बालिका ने बचपन से ही धर्म और सेवा के प्रति गहरी आस्था प्रकट की थी। जब वे केवल 12 वर्ष की थी, तभी उनके भीतर यह संकल्प जाग उठा था कि उनका जीवन केवल दूसरों की भलाई के लिए समर्पित होगा। यही संकल्प आगे चलकर उन्हें पूरी मानवता के लिए करुणा की मूर्ति बना गया।

18 वर्ष की आयु में उन्होंने 'सिस्टर्स ऑफ लोरेटो' से जुड़कर धार्मिक जीवन की ओर कदम बढ़ाए और 1929 में भारत आईं। कलकत्ता स्थित सेंट मैरी स्कूल में उन्होंने अध्यापिका के रूप में कार्य करना शुरू किया। अध्यापन कार्य के दौरान वे छात्रों को केवल पढ़ाई ही नहीं, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का भी पाठ पढ़ाती थी किंतु धीरे-धीरे उनका मन स्कूल की चारदीवारी से बाहर रहने वाले निर्धन, रोगग्रस्त और बेसहारा लोगों की ओर अधिक खिंचने लगा। 1946 में दार्जिलिंग की यात्रा के दौरान उन्हें अपने जीवन का वास्तविक ध्येय मिला। उन्होंने महसूस किया कि उन्हें शिक्षण कार्य से ऊपर उठकर गरीबों और असहायों की सीधी सेवा करनी चाहिए। यह क्षण उनके जीवन की दिशा बदल देने वाला साबित हुआ।

कलकत्ता की झुग्गियों और गलियों में रहने वाले लोगों की असहनीय पीड़ा को देखकर उन्होंने 1950 में 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' की स्थापना की। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य था सबसे गरीब, सबसे लाचार और सबसे उपेक्षित लोगों की निःस्वार्थ सेवा करना। संस्था का ध्येय वाक्य ही था, 'सबसे गरीबों में भी सबसे गरीब की सेवा।' मदर टेरेसा ने सेवा की परिभाषा केवल भोजन और दवा देने तक सीमित नहीं रखी बल्कि उनके लिए सेवा का अर्थ था पीड़ित व्यक्ति को यह अनुभव कराना कि वह अकेला नहीं है, उसे प्यार और सम्मान मिला हुआ है। यही कारण था कि वे सदैव कहा करती थी, 'हम बड़े-बड़े कार्य नहीं कर सकते लेकिन हम छोटे-छोटे कार्य बड़े प्रेम से कर सकते हैं।'

उनके आश्रमों में केवल भोजन या उपचार की सुविधा ही नहीं दी जाती थी बल्कि वहां पीड़ित व्यक्तियों को जीवन की गरिमा और आत्मसम्मान भी लौटाया जाता था। उन्होंने कुष्ठ रोगियों को समाज में सम्मान दिलाने के लिए आश्रम बनाए, अनाथ और परित्यक्त बच्चों के लिए घर खोले और मृत्युशैया पर पड़े लोगों को अंतिम क्षणों में भी प्रेम और स्नेह का अहसास कराया। उनकी संस्था धीरे-धीरे भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में फैल गई, जिसके सैंकड़ों केंद्र आज विभिन्न देशों में मानव सेवा का कार्य कर रहे हैं। मदर टेरेसा की असाधारण सेवाओं को देखते हुए उन्हें अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 1962 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया और 1980 में 'भारत रत्न' प्रदान कर सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया। विश्व स्तर पर उन्हें 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त अनेक देशों ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मानों से विभूषित किया किंतु इन सब पुरस्कारों और मान-सम्मानों के बीच भी वे सदैव विनम्र बनी रही और स्वयं को केवल ईश्वर का साधन मानती रही।

उनके जीवन और कार्यों की इतनी ऊंचाई होने के बावजूद वे आलोचनाओं से अछूती नहीं रही।

गुलाम बनाम आजाद भारत की मुस्लिम लीग

वीरेन्द्र सिंह परिहार

इन दिनों बंदे बंकिम चंद्र चट्टोपध्याय द्वारा रचित राष्ट्र गीत 'वंदेमातरम्' पूरे देश के माहौल को गर्म किये हुये है। यह स्थिति तब आ रही है, जब देश की संसद में पारित होकर यह कानून बन गया है कि वंदेमातरम् को पूरा गाया जायेगा. यदि उसे आधा-अधूरा गाया गया तो यह अपराध की श्रेणी में माना जायेगा। यद्यपि जब 26 फरवरी 2026 को संसद से यह कानून पारित हुआ तो इसे लेकर कांग्रेस समेत विपक्ष ने विरोध में कोई हो हल्ला नहीं मचाया। इससे ऐसा लगा कि चूँकि यह राष्ट्रभक्ति से जुड़ा मामला है और संसद से पारित होकर कानून बना है। इसलिये यह विपक्ष की वोट-बैंक की राजनीति के अनुकूल भले न हो पर बेमन से ही सही विपक्ष इसे मानने को तैयार है।

पर इस सम्बन्ध में असलियत 15 अगस्त को सामने आ गई जब कांग्रेस मुख्यालय नई दिल्ली में वंदे मातरम के दो पद गाने के बाद श्रीमती सोनिया गांधी असहज हो गई और वह आगे गाने से रोकने के लिये हाथों से इशारे करने लगीं यद्यपि पहले इसे छुपाने का प्रयास किया गया। कहा गया कि वह कांग्रेसाध्यक्ष खड़गे के लिये कुर्सी लाने का इशारा कर रही थीं पर कुछ ही दिनों में पूरी सच्चाई तब सामने आ गई, जब पूरी कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने प्रस्ताव पारित करके कह दिया कि वह पूर्व से निर्धारित दो पदों (छंदो) को ही गायेंगी। उसका तर्क है कि दो पद गाने के लिये ही वर्ष 1937 में महात्मा गांधी सुभाषचन्द्र बोस, सरदार पटेल और पण्डित नेहरू ने तय किया था और चूँकि इन महान नेताओं ने ऐसा तय किया था तो कांग्रेस पार्टी उसी रास्ते पर चलेगी।

कांग्रेस पार्टी के कुछ मुस्लिम नेताओं जैसे इमरान मसूद ने तो यहाँ तक कह दिया कि वह वंदे मातरम को किसी भी रूप में नहीं गायेंगे। अब दूसरी तरफ जो 'वंदेमातरम' को पूरी तरह गाए जाने के पक्षधर हैं-

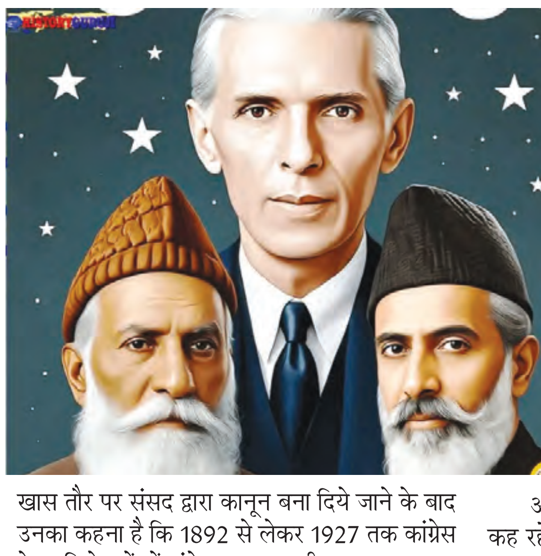

खास तौर पर संसद द्वारा कानून बना दिये जाने के बाद उनका कहना है कि 1892 से लेकर 1927 तक कांग्रेस के अधिवेशनों में वंदेमातरम् पूरा ही गाया जाता था, उसमें कोई कांट-छांट नहीं होती थी। यहाँ तक कि उस दौर में कांग्रेस पार्टी के चार अध्यक्ष मुस्लिम बने और उनके दौर में भी कांग्रेस पार्टी के सम्मेलनों में पूरा वंदेमातरम् ही गाया जाता रहा। समस्या तब उत्पन्न हुई जब वर्ष 1937 में मोहम्मद अली जिन्ना ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया कि इसमें देवी की स्तुति है, जो इस्लामिक प्रथाओं और मूल्यों के खिलाफ है यद्यपि इस पर भी तब पण्डित नेहरू ने इसे साम्प्रदायिक सोच बताया था। सुभाष चन्द्र बोस ने तो साथ शब्दों में कहा था कि कुछ मुसलमान अलगाववाद प्रवृत्ति के हैं और वह कोई-न-कोई ऐसा विभाजनकारी मुद्दा उठाते ही रहते हैं, कभी 'वंदेमातरम्' को लेकर तो कभी मुस्लिमों की ज्यादा सरकारी नौकरियों को लेकर लेकिन आखिरकार मुस्लिम लीग के दबाव के चलते अक्टूबर 1937 में कांग्रेस पार्टी ने 'वंदेमातरम्' के दो ही पद गाना स्वीकार कर लिया। शायद कांग्रेस पार्टी को उस वक्त ऐसा लगा हो कि इस तरह से वह तुष्टिकरण कर मुस्लिम लीग को अपने साथ रख सकेगी और उसे विभाजनवादी रास्ते से विरत कर सकेगी लेकिन आगे की सच्चाई सभी को पता है। मुस्लिम लीग और जिन्ना पर इसका कोई सकारात्मक असर पड़ना तो दूर बल्कि आग में घी का काम किया। मुस्लिम लीग और जिन्ना साफ-साफ यह कहने लगे कि हिन्दू और मुसलमान दो अलग-अलग जातियाँ हैं, जिनकी राष्ट्रीयता बिल्कुल अलग-अलग है, इसलिये देश का विभाजन हिन्दू भारत और मुस्लिम पाकिस्तान के मध्य होना चाहिए और आगे चलकर ऐसा हुआ भी। क्या इससे इस बात में दम नहीं कि कांग्रेस पार्टी द्वारा 1937 में वंदे मातरम के दो टुकड़े करने का अंजाम देश के दो टुकड़े बतौर हुआ।

अब जो लोग महात्मा गांधी की दुहाई देकर यह कह रहे हैं कि 'वंदेमातरम्' के दो पद गाने की सहमति महात्मा गांधी ने दी थी तो क्या वह यह बतायेंगे कि महात्मा गांधी तो देश की स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस पार्टी का विसर्जन कर उसे लोक सेवक संघ बनाना चाहते थे, फिर इस मामले में कांग्रेस पार्टी ने महात्मा गांधी की इच्छा का सम्मान क्यों नहीं किया ? संविधान निर्माताओं ने तय किया था कि आरक्षण मात्र दस वर्ष के लिये लागू होगा, फिर वह अभी तक लागू कैसे है ? सबसे बड़ी बात कि उसमें यदि किसी समीक्षा या चर्चा की बात की जाती है, तो उसमें भी हंगामा मनाया जाता है। गांधी जी तो स्वदेशी और ग्राम स्वराज के पक्षधर थे, फिर देश में भारी उद्योगो और पश्चिमीकरण को प्राथमिकता क्यों ?

एक बार ऐसा भी माना जा सकता है कि देश की पराधीनता के समक्ष जो परिस्थितियाँ थीं, उसमें 'वंदेमातरम्' को लेकर समझौता करना पड़ा पर जब मुस्लिम लीग और जिन्ना पाकिस्तान लेकर चले गये तो अब कांग्रेस पार्टी के सामने ऐसी कौन-सी मजबूरी है। वस्तुतः कांग्रेस पार्टी के एजेन्डे में देश नहीं मात्र येन-केन-प्रकारेण सत्ता है और इस दृष्टि से उसका ध्यान सदैव मुसलमानों के थोक वोट पर रहता है। यूपीए सरकार के दौर में मनमोहन सिंह ने कहा था- 'संसाधनों पर पहला हक अल्पसंख्यकों का है' यानी मुसलमानों का है। सोनिया गांधी की दुष्टि में मुस्लिम वोट धर्मनिरपेक्ष वोट है। राहुल गांधी भी कांग्रेस पार्टी को मुसलमानों की पार्टी बता चुके हैं। यह इससे भी समझा जा सकता है कि असम जैसे राज्य में कांग्रेस पार्टी के 19 में 18 विधायक मुसलमान हैं।

यह सब बाते तो हैं ही, सबसे बड़ी बात यह कि यह संसद द्वारा बनाया गया कानून है। तो क्या राहुल गांधी और सोनिया गांधी जो आये दिन संविधान की दुहाई देते हैं, संविधान की किताब लेकर घूमते हैं, वह निरा दिखावा है क्या ? अगर कांग्रेस पार्टी इस कानून को गलत मानती है तो आखिरकार उसने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती क्यों नहीं दी ? कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि कमोबेश कांग्रेस पार्टी स्वतंत्र भारत में मुस्लिम लीग की भूमिका निभा रही है। बड़ा सवाल यह कि क्या कांग्रेस कार्यसमिति का प्रस्ताव देश की संसद के बनाये गये कानून से ऊपर हो सकता है ? सबसे बड़ी बात यह कि 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद राष्ट्र अपनी अस्मिता ही नहीं तलाश रहा, बल्कि उस दिशा में तेजी से भी कार्य कर रहा है।

जहाँ तक 'वंदेमातरम्' में धार्मिक प्रतीको या देवियों के उल्लेख का सवाल है, तो भारत को उसकी परम्पराओं और संस्कृति से काट कर कैसे देखा जा सकता है ? आखिर में बंगाल के क्रान्तिकारी कवि नजरूल इस्लाम ने भी हिन्दू प्रतीको और अख्यानों का उपयोग किया है, पर वह किसी भी स्तर पर इस्लाम विरोधी नहीं माने गये। लोगो को यह पता होना चाहिए कि तबकी यूपीए की चेयर पर्सन सोनिया गांधी ने 7 सितम्बर 2006 को इस राष्ट्रगीत के सताब्दी समारोह में भाग नहीं लिया था। स्पष्ट है कि इनकी प्रतिबद्धता राष्ट्र के प्रति नहीं, बल्कि तुष्टिकरण एवं वोट बैंक में है।

मुनाफे के कंटेनर में बंद भारत की आने वाली पीढ़ियां

आरके जैन

किसी देश की सीमाएं केवल नक्शे की रेखाएं नहीं; वे मिट्टी, पानी, हवा और आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा की चौकी हैं। जब समुद्र पार से आया जहाज माल नहीं, दूसरे देश का कचरा उगलता है, तो मामला सीमा शुल्क से उठकर राष्ट्र की अस्मिता तक पहुंच जाता है। जून 2026 में तमिलनाडु के तूतीकोरिन बंदरगाह पर 'वेस्ट पेपर' बताकर लाए कंटेनरों से इस्तेमाल प्लास्टिक बोतलें, डिब्बे, थैलियां और विदेशी सड़कों की झाड़-पोंछ निकलना इसी सच्चाई का प्रमाण है। मद्रास हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति डी. भारथा चक्रवर्ती ने इसे नियमों की धज्जियां उड़ाना नहीं, बल्कि भारत की धरती पर कचरा उड़ेलने वाला 'देशद्रोह का गंभीर रूप' कहा। यह शब्द चौंकाते हैं, क्योंकि हम पर्यावरणीय अपराध को अभी तक राष्ट्रीय अपराध की तरह देखना नहीं सीख पाए हैं।

विडंबना की इससे बड़ी तस्वीर क्या होगी—जिस देश में रोज लगभग 1.7 लाख टन नगरपालिका कचरा पैदा होता है, लैंडफिल कराह रहे हैं, नदियां प्लास्टिक से घुट रही हैं और मिट्टी में जहर उतर रहा है, वही भारत विदेशों का कचरा खरीद रहा है। 2024-25 में पुनर्चक्रण योग्य कचरे और स्क्रैप का आयात 12.74 अरब डॉलर पहुंच गया, जबकि 2021 से 2023 के बीच करीब दो करोड़ किलोग्राम प्लास्टिक कचरा (आधिकारिक और अवैध/गलत घोषणा वाले दोनों स्रोतों को मिलाकर) देश में आया। सवाल यह नहीं कि कितना कचरा काम आ सकता है; सवाल है कि जब देश में रीसाइक्लिंग उद्योग के लिए पर्याप्त सामग्री है, तो विदेशी कचरे की जरूरत किसे? यदि जवाब कारोबारी मुनाफा है, तो यह व्यापार नहीं, मुनाफे की पैकिंग में छिपा पर्यावरणीय शोषण है।

यहां एक नए किस्म का उपनिवेशवाद जन्म लेता है। पहले शक्तिशाली देश गरीब देशों की जमीन और संसाधन हड़पते थे; अब अपने कचरे के लिए उन्हीं देशों की कमजोर निगरानी और सस्ते श्रम को खोजते हैं। विकसित देशों में पर्यावरणीय नियम जितने कठोर होते जाते हैं, जहरीला बोझ कमजोर व्यवस्थाओं वाले देशों पर डालने का लालच उतना बढ़ता है। भारत यदि इसे स्वीकार करता है तो वह केवल विदेशी कचरा नहीं खरीद रहा, बल्कि अपने लोगों का स्वास्थ्य, मिट्टी की उर्वरता और नदियों का भविष्य गिरवी रख रहा है। इसे 'वेस्ट कोलोनियलिज्म' कहना अतिशयोक्ति नहीं। कचरा भी सत्ता का औजार हो सकता है—बस उसकी भाषा व्यापार और पुनर्चक्रण की होती है।

मद्रास हाईकोर्ट का महत्व यही है कि उसने सवाल को केवल 'यह कचरा कहां जाए' तक सीमित नहीं किया। अदालत ने न दुबई भेजने, न भारत में जलाने-दफनाने की अनुमति स्वीकार की। बासेल कन्वेंशन और खतरनाक अपशिष्ट नियम, 2016 की भावना स्पष्ट है—अवैध

कचरा उसी देश को लौटना चाहिए जहां से वह आया है। उसे किसी तीसरे देश के गरीब हिस्से में भेजना समाधान नहीं, अपराध की जिम्मेदारी खिसकाना है। घरेलू भट्टियों में जला देना भी नैतिक विजय नहीं, क्योंकि वही विष धुएं के रूप में लौटेगा। अदालत ने केंद्र से बायोमेडिकल और नगरपालिका कचरे के पुनः निर्यात संबंधी प्रावधानों को स्पष्ट और कठोर बनाने का आग्रह कर जिम्मेदारी को नीति के दरवाजे तक पहुंचा दिया है। सबसे बड़ा विरोधाभास हमारे नारों में छिपा है। एक ओर स्वच्छ भारत, प्लास्टिक नियंत्रण और आत्मनिर्भरता की घोषणाएं हैं; दूसरी ओर बंदरगाहों पर विदेशी कचरे के कंटेनर खुलते हैं। आत्मनिर्भर भारत का अर्थ उत्पादन में आत्मनिर्भर होना है, तो क्या कचरे में आत्मनिर्भर होने का गौरव नहीं? हम अपना कचरा नहीं संभाल पा रहे और दूसरों का कचरा संभालने को बंदरगाह खोल रहे हैं। मिट्टी, पानी और खाद्य श्रृंखला में घुलते विष आज न दिखें, पर आने वाली पीढ़ियां उनकी कीमत स्वास्थ्य, बीमारी और घटती जीवन-गुणवत्ता से चुकाएंगी। ऐसी विकास-रफ्तार किस काम की, जिसके पीछे जहरीला पदचिह्न छूटे?

समाज की चुप्पी इस कारोबार की सबसे बड़ी ताकत है। यह मामला उतनी बड़ी सार्वजनिक बहस नहीं बन पाया, जितनी बननी चाहिए थी। पर्यावरण सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा से अलग देखना अब पुरानी सोच है। जैसे सीमा पार हथियारों की तस्करी खतरा है, वैसे ही जहरीला कचरा भी। फर्क इतना—हथियार एक दिन में मारते हैं, कचरा वर्षों में। उद्योगपति मुनाफा गिनता है, अधिकारी कागज, नागरिक अस्पताल की पर्ची। इस त्रिकोण को तोड़े बिना कोई स्वच्छता अभियान सफल नहीं होगा। अदालत की चेतावनी को महज न्यायिक टिप्पणी समझना भूल होगी; यह उस सार्वजनिक विवेक को जगाने का प्रयास है, जो धीरे-धीरे सुविधा का आदी हो गया है।

रास्ता कठिन है, अस्पष्ट नहीं। संदिग्ध या गलत घोषित कचरे पर कठोर दंड हो, बंदरगाहों पर वैज्ञानिक और स्वतंत्र जांच हो, आयात नियमों की आड़ में छिपे रास्ते बंद हों और पुनर्चक्रण उद्योग को विदेशी कचरे पर निर्भर बनाने के बजाय देश में पैदा कचरे के वैज्ञानिक उपयोग की ओर मोड़ा जाए। पूर्ण प्रतिबंध पर विचार करना होगा, खासकर उन कचरा श्रेणियों पर जिनका घरेलू प्रबंधन संकट में है। सर्कुलर इकोनॉमी का अर्थ दुनिया भर का कचरा भारत में घुमाना नहीं; संसाधनों का बार-बार उपयोग और अपशिष्ट न्यूनतम करना है। 2047 का विकसित भारत कचरे के आयात से विकसित नहीं होगा। वह तब विकसित कहलाएगा, जब बंदरगाह माल के लिए खुलें, कचरे के लिए नहीं। मद्रास हाईकोर्ट की टिप्पणी का गहरा अर्थ यही है कि पर्यावरणीय स्वतंत्रता भी स्वतंत्रता का रूप है। राजनीतिक आजादी हमें शासन चुनने का अधिकार देती है; पर्यावरणीय संप्रभुता यह अधिकार देती है कि अपनी धरती के साथ क्या करना है, इसका फैसला हम करें। भारत की जमीन किसी दूसरे देश की सफाई का सस्ता विकल्प नहीं हो सकती। विदेशी कचरा लौटाना केवल कंटेनर लौटाना नहीं; उस मानसिकता को लौटाना है, जिसमें गरीब देश को अमीर दुनिया का कूड़ाघर मान लिया जाता है। अब फैसला भारत को करना है—वह अपनी शर्तों पर दुनिया का रीसाइक्लिंग केंद्र बनेगा या कूड़ाघर। इन दोनों रास्तों का फर्क केवल नीति का नहीं, राष्ट्रीय आत्मसम्मान का है।

भाजपा से मुकाबले की कांग्रेसी रणनीति

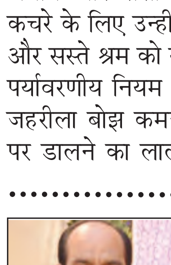

अनिल शुक्ला

आगामी नगर निगम, पंचायत और विधानसभा चुनावों को लेकर मध्य प्रदेश की कांग्रेस ने कमर कस ली है। इसके लिए मध्यप्रदेश में संगठन के ठीए-पांचे मजबूत करने की कवायद भी तेज कर दी है। धरातल पर अदृश्य कांग्रेस का विशेष फोकस जमीनी संगठन को सक्रिय करने, युवाओं को अधिक से अधिक जोड़ने और कार्यकर्ताओं को आधुनिक राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करने पर है। अपनी इसी रणनीति को धार देने के लिए मध्य प्रदेश के प्रमुख शहरों में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में इंदौर में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया, जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती और भाजपा सरकार को घेरने की रणनीति बनाई। शिविर में संविधान, महात्मा गांधी के विचार, कांग्रेस का इतिहास, राष्ट्र निर्माण में कांग्रेस नेताओं के योगदान, समसामयिक राजनीतिक मुद्दों, सोशल मीडिया और एआई तकनीक जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यकर्ताओं को राजनीतिक प्रतिक्रिया के साथ संगठन के पांच सूत्र—संपर्क, संवाद, समन्वय, सामंजस्य और सकारात्मक सोच पर भी विशेष जोर दिया गया।

कांग्रेस लंबे अंतराल के बाद ब्लॉक और वार्ड स्तर तक प्रशिक्षण गतिविधियों को फिर से सक्रिय कर रही है। पार्टी इसे संगठनात्मक ढांचे को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और नई पीढ़ी को कांग्रेस से जोड़ने की रणनीति के रूप में देख रही है। राहुल गांधी के संगठन सृजन अभियान के तहत शुरू हुई इस कवायद में सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म को केवल प्रचार नहीं, बल्कि जनता से सीधे संवाद का माध्यम बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

कार्यकर्ताओं को भाजपा सरकार की नीतियों और जनहित से जुड़े मुद्दों को तथ्यों के साथ जनता के बीच ले जाने की रणनीति भी समझाई गई। कांग्रेस ने जिस तरह से बूथ इंतजाम के भरोसे दतिया उपचुनाव में जीत हासिल की है उसका उदाहरण देते हुए पूरे प्रदेश में वही पैटर्न अपनाने पर जोर दिया गया है। पार्टी दतिया उपचुनाव की जीत को अपने बूथ स्तर के संगठन की क्षमता का उदाहरण मान रही है। अब अगले वर्ष होने वाले नगर निगम और पंचायत चुनाव इस 'बदलती कांग्रेस' की पहली बड़ी परीक्षा होगी।

प्रशिक्षण की ऊर्जा यदि बूथ तक पहुंची और संगठन लगातार सक्रिय रहा, तो भाजपा के मजबूत संगठन के सामने कांग्रेस का मुकाबला निश्चित रूप से अधिक प्रभावी हो सकता है। दूसरी ओर भाजपा भी अपनी रणनीति का खुलासा नहीं कर रही है जिससे कांग्रेस खेमा भी आशंकित है कि भाजपा कब क्या कर जाए। जाहिर है चुनाव से पहले वह भी अपने दिग्गजों को मैदान में उतार कर तरकश से कई तीर निकालेगी जिससे कांग्रेस को धराशायी किया जा सके। कुल मिला कर दोनों तरफ से शय और मात का खेल होना तय है। जीत किसकी होगी यह तो चुनाव के बाद आने वाले परिणाम ही बताएंगे।

ईरान को तोड़ने में अमेरिका भी आर्थिक रूप से टूटा

रामस्वरूप रावतसरे

ईरान-अमेरिका पिछले 6 महीनों से जंग लड़ रहे हैं। इस दौरान दोनों ने एक दूसरे का तो जमकर नुकसान किया ही है लेकिन इसके साथ ही दुनिया भर की तेल सप्लाई भी चोक कर दी है। ये जंग कई बार खत्म होते-होते दोबारा शुरू हो गई है। इन सबके बीच, अचानक से ईरान की तरफ से वॉर का दी एंड करने का पहला सिग्नल आया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने खुद ऐलान किया है कि 'जंग खत्म करने का सही वक्त आ गया है'। पेजेशकियान का ये बयान वॉर में चीन की एंट्री के बाद आया है, जिसमें दोनों देशों को बातचीत से हल निकालने की हिदायत दी गई थी।

रिपोर्ट्स के अनुसार पेजेशकियान का दावा है कि इस समय ईरान, वाशिंगटन के मुकाबले कहीं ज्यादा मजबूत, हावी और सम्मानजनक स्थिति में खड़ा है, इसलिए इसी मोड़ पर युद्ध विराम करना सबसे अक्लमंदी का कदम होगा। अमेरिका और इजरायल ने फरवरी में जो ईरान के खिलाफ जंग शुरू की थी उसके बाद अब तीनों देश एक ऐसी स्थिति में आ पहुंचे हैं, जहां से आगे सिर्फ तबाही ही दिख रही है। एक तरफ तेहरान ने दुनिया की सबसे अहम तेल सप्लाई लाइन 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' ब्लॉक कर रखा है, तो दूसरी तरफ अमेरिकी नौसेना ईरान की नाकाबंदी करने में जुटी है। हालांकि, अब चीन की सीधी एंट्री ने इस पूरे खेल का रुख ही बदलकर रख दिया है।

ईरान में एक इवेंट के दौरान राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने इशारा किया है कि अब ईरान जंग खत्म करने के बारे में सोच रहा है। उनके अनुसार 'ये बेहतर होगा कि हम इस जंग को इसी मोड़ पर रोक दें, क्योंकि आज हम पूरी तरह ताकत और सम्मान की स्थिति में हैं। पूरी दुनिया हमारी जीत का लोहा मान रही है। सब देख रहे हैं कि कैसे अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों की धज्जियां उड़ाते हुए हमारे स्कूलों, अस्पतालों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया। इसी वजह से आज पूरी दुनिया में अमेरिका के खिलाफ भारी गुस्सा और नफरत पैदा हो चुकी है'।

पेजेशकियान ने इसके साथ ही जून में अमेरिका के साथ हुए उस विवादित एमओयू को भी खुलकर डिफेंड किया, जिसको लेकर ईरान के कट्टरपंथी सांसद अपनी ही सरकार पर भड़के हुए थे। कट्टरपंथियों का आरोप था कि सरकार ने अमेरिका के आगे घुटने टेक दिए हैं और होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के लिए अमेरिका को बड़ी रियायतें दे डाली हैं। इस पर पलटवार करते हुए राष्ट्रपति ने साफ कहा कि इस समझौते में ऐसा एक भी शब्द या क्लॉज नहीं है जो ईरान के सरेंडर का संकेत देता हो। इसमें जितनी भी शर्तें और पाबंदियां हैं, वो सब दूसरे पक्ष यानी अमेरिका पर लागू होती हैं। बताया जाता है कुछ ही हफ्ते पहले ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने भी कुछ मतभेदों के बावजूद इस डील को अपनी मंजूरी दे दी थी।

एक तरफ जहां तेहरान खुद को बढ़त में बता रहा है, वहीं अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स में बड़ा खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी नौसेना होर्मुज जलडमरूमध्य के दक्षिणी हिस्से से तेल टैंकरों के सीक्रेट काफिलों को अपनी सिक्योरिटी देकर में गुपचुप तरीके से निकाल रही है। इसके जरिए रोजाना करीब 5 से 10 मिलियन बैरल कच्चा तेल निकाला जा रहा है ताकि वैश्विक बाजार में तेल संकट न गहराए।

जानकारों के अनुसार जब अमेरिका को समझ आ गया कि सीधे मिलिट्री एक्शन से ईरान को झुकाना नामुमकिन है, तो ट्रंप ने रणनीति बदलते हुए आर्थिक मोर्चे पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। अमेरिका के इस रुख पर भड़कते हुए ईरानी विदेश मंत्रालय ने इसे सीधे तौर पर 'आर्थिक आतंकवाद' और 'मानवता के खिलाफ अपराध' करार दिया है। तेहरान का कहना है कि ऐसे गैर-कानूनी प्रतिबंध थोपने वाले अमेरिकी अधिकारी अंतरराष्ट्रीय अदालतों में सजा के हकदार हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने हाल ही में दावा किया था कि युद्ध के छह महीने पूरे होने पर वाशिंगटन अब एक ऐसा आर्थिक अभियान शुरू करने जा रहा है, जो ईरानी हुकूमत को अंदर से तबाह कर देगा। अमेरिकी वित्त मंत्री ने इस मास्टरप्लान को 'इकोनॉमिक डी-डे' का नाम दिया है।

इस संबंध में एक्सपर्ट्स का मानना है कि ट्रंप ने ये कदम मजबूरी में उठाया गया फैसला है। अमेरिका के भीतर ही इस युद्ध का भारी विरोध हो रहा है और अमेरिकी जनता अब अपने सैनिकों को दूसरे देश की आग में नहीं झोंकना चाहती. इसी वजह से ट्रंप प्रशासन अपनी सेना को मैदान से पीछे खींचकर आर्थिक प्रतिबंधों की आड़ ले रहा है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया पर ट्रंप प्रशासन के इस प्लान का जमकर मजाक उड़ाया। उन्होंने लिखा कि तथाकथित 'इकोनॉमिक डी-डे' कुछ और नहीं, बल्कि अमेरिका के अपने घरेलू आर्थिक संकट, बढ़ते कर्ज और आसमान छूती ब्याज दरों से दुनिया का ध्यान भटकाने का एक घटिया पैंतरा मात्र है।

जानकारों के अनुसार इस पूरे ड्रामे के बीच सबसे बड़ा ट्विस्ट तब आया जब चीन ने मैदान में एंट्री मारी। अमेरिका लगातार बीजिंग पर दबाव बना रहा था कि वो ईरान को अलग-थलग करने और उसकी अर्थव्यवस्था को तोड़ने में वाशिंगटन का साथ दे।

यहां शयन करते हैं शिव-पार्वती रात में सजाते हैं चौपड़

ओंकारेश्वर भगवान शिव का प्राण, तो ममलेश्वर शरीर; दोनों के दर्शन पर ही पूरी होगी यात्रा

ममलेश्वर मंदिर

ओंकारेश्वर मंदिर

मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए श्रद्धालु देशभर से आते हैं। यहां आने वाले श्रद्धालुओं से पुजारी और दुकानदार ममलेश्वर महादेव मंदिर दर्शन के लिए जाने की बात भी कह रहे हैं। वे कहते हैं कि वहां नहीं गए, तो यात्रा अधूरी रह जाएगी।

सवाल उठता है कि ममलेश्वर मंदिर के दर्शन नहीं किए, तो यात्रा अधूरी कैसे? क्या ओंकारेश्वर और ममलेश्वर मंदिर अलग-अलग हैं या दोनों का आपस में संबंध है? दोनों मंदिर मां नर्मदा के दो किनारों पर स्थित हैं।

ममलेश्वर नर्मदा के दक्षिण तट पर ओंकारेश्वर से थोड़ी दूर स्थित है। मान्यता के अनुसार दोनों को एक ही ज्योतिर्लिंग माना जाता है। यानी अलग होते हुए भी इनकी गणना एक ही तरह से की जाती है। पुराणों में ओंकारेश्वर को भगवान शिव का 'प्राण' और ममलेश्वर को 'पिंड (शरीर)' कहा गया है।

ओंकारेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित डंकेश्वर दीक्षित और ममलेश्वर मंदिर के पूर्व पुजारी पंडित बसंत अत्रे से बात की। जानने की कोशिश की कि आखिर दोनों मंदिरों के बीच क्या संबंध है?

भगवान राम के पूर्वजों से ओंकारेश्वर का संबंध

देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग चतुर्थ यानी चौथे नंबर का है। वैसे तो मंदिर के बारे में प्रमाणिक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। फिर भी तीन मान्यताएं प्रचलित हैं।

पहली कथाः ओंकारेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित डंकेश्वर दीक्षित कहते हैं कि शास्त्रों में बताया गया है कि ओंकारेश्वर नगरी का मूल नाम भगवान राम की 15वीं पीढ़ी के पूर्वज राजा मान्धाता के नाम पर है। उन्होंने यहां नर्मदा नदी के इस पर्वत पर तपस्या कर शिवजी को प्रसन्न किया। शिवजी से राजा मान्धाता ने यहीं निवास करने का वरदान मांग लिया। तभी से तीर्थ नगरी ओंकार मान्धाता के रूप में पहचाने जाने लगी। यहां की एक साधना मान्धाता द्वीप की परिक्रमा मानी जाती है।

जब साधक नर्मदा किनारे द्वीप के चारों ओर चलते समय ऊँ का जप करता है, तब हर कदम मानो किसी मंत्राक्षर पर पड़ने जैसा अनुभव देता है। यह परिक्रमा केवल व्रत या नियम नहीं, बल्कि जीवन को ईश्वर की ध्वनि के हवाले करने जैसी साधना बन जाती है।

दूसरी कथा– पंडित डंकेश्वर दीक्षित कहते हैं कि एक बार नारद मुनि गिरिराज विंध्य पर्वत पर घूमते-घूमते पहुंच गए। विन्ध्याचल ने कहा कि उनके पास कोई कमी नहीं है। उनका अंहकार देखकर नारदजी ने विन्ध्याचल से कहा कि मेरू पर्वत के बराबर विन्ध्याचल की ऊंचाई नहीं है।

उस पर्वत के शिखर इतने ऊंचे हो गए हैं कि वो देवताओं के लोकों तक पहुंचे चुके हैं। विंध्याचल इस शिखर तक नहीं पहुंच पाएगा। यह कहकर नारद जी चले गए। यह सुनकर राजा विंध्याचल को बहुत दुःख हुआ।

उन्होंने शिवजी की आराधना करने का फैसला किया। पार्थिव शिवलिंग वो कठोर तपस्या करने लगे। प्रसन्न होकर शिव जी ने कार्य सिद्ध करने वाली बुद्धि का वरदान दे दिया। उसी समय देवतागण और कुछ ऋषिगण भी पहुंच गए। इन सभी ने अनुरोध किया कि वहां स्थित ज्योतिर्लिंग दो स्वरूपों में विभक्त हो जाएं। इसके बाद ज्योतिर्लिंग दो स्वरूपों में बंट गया, जिसमें से एक प्रणव लिंग ओंकारेश्वर और दूसरा पार्थिव लिंग ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

अन्य कथा– इसके अनुसार जब त्रिपुरासुर जैसे दैत्य के अत्याचार से देवता व्याकुल हुए। उन्होंने शिवजी से रक्षा की प्रार्थना की, तब शिवजी ने इसी क्षेत्र में तेजस्वी रूप धारण कर संतुलन स्थापित किया। दोनों ही कथाओं में मूल संदेश एक ही है कि जब भक्ति, नाद और प्रार्थना किसी पवित्र धरती पर मिलते हैं, तो दिव्यता स्वयं को प्रकट करने का मार्ग तलाश लेती है।

ममलेश्वर मंदिर के बारे में भी दो मान्यताएं

पहली – पुजारी पंडित डंकेश्वर दीक्षित बताते हैं कि भगवान ओंकारेश्वर स्वयंभू, प्रणव (ॐ) स्वरूप और मुख्य ज्योतिर्लिंग है। प्राचीन समय में जब नर्मदा में बाढ़ आती थी, तो श्रद्धालु ओंकारेश्वर मंदिर तक नहीं पहुंच पाते थे।

ऐसे में आदि गुरु शंकराचार्य ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए भगवान ममलेश्वर की स्थापना करवाई, ताकि वहां दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं को भी समान धार्मिक फल प्राप्त हो। इसी कारण दोनों का महत्व एक समान माना जाता है और इसे ₹ॐकारम्-अमलेश्वर₹ भी कहा जाता है।

दूसरी – वहीं, पिछली चार पीढ़ियों से ममलेश्वर मंदिर के पुजारी रह रहे अत्रे परिवार के सदस्य व पूर्व पुजारी पंडित बसंत अत्रे का कहना है कि शिवपुराण के अनुसार राजा विंध्य ने 60 हजार पार्थिव शिवलिंग बनाकर छह महीने तक भगवान शिव की कठोर तपस्या की थी।

भगवान शिव ने प्रसन्न होकर आशीर्वाद दिया, तब विंध्य द्वारा पार्थिव शिवलिंग में विराजित करवाया गया। यही स्वरूप आगे चलकर अमलेश्वर और वर्तमान में ममलेश्वर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। ममलेश्वर का अर्थ मम यानी मेरा, लेश यानी दुःख ममलेश्वर मतलब मेरे दुःख को हरने वाला।

शयन आरती मानी जाती है खास...

मंदिर के पुजारियों के अनुसार ओंकारेश्वर में शयन आरती का उतना ही महत्व है, जितना कि उज्जैन के महाकाल में भस्म आरती का। ओंकारेश्वर में तीन पुरियां हैं, शिवपुरी, विष्णुपुरी और ब्रह्मपुरी। इस कारण ही यहां तीन प्रहर की आरती का नियम है। इनमें शयन आरती खास मानी जाती है। मान्यता है कि इस दौरान भगवान शंकर यहां मौजूद रहते हैं।

मंदिर के पुजारी डंकेश्वर दीक्षित कहते हैं कि शयन आरती के पहले गर्भगृह में ज्योर्तिलिंग के सामने प्रतिदिन चौपड़ बिछाकर उसकी गोटियां और पासे रखे जाते हैं। आरती के बाद दरवाजे पर लगाए जाने वाले ताले की भी पूजा की जाती है।

इस दौरान रात में किसी भी व्यक्ति को मंदिर में अंदर रहने की इजाजत नहीं है। दूसरे दिन ब्रम्हमुहुर्त में मंदिर के जब पट खोले जाते हैं, तो चौपड़ पर रखी गोटियां और पासे इस प्रकार से बिखरे मिलते हैं, जैसे– उसे खेला गया हो। कहा जाता है कि ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग ही एक मात्र ऐसा तीर्थ स्थल है, जहां हर रात भगवान शिव और माता पार्वती चौपड़ खेलते हैं।

रक्षाबंधन पर जनेऊ बदलने की परंपरा है

शुक्रवार, 28 अगस्त को सावन पूर्णिमा यानी रक्षाबंधन है। इसे श्रावणी पूर्णिमा भी कहा जाता है। यह पर्व केवल राखी बांधने तक सीमित नहीं है। इस तिथि पर ब्राह्मण परिवारों के सदस्य यज्ञोपवीत यानी जनेऊ बदलते हैं। इस दिन नया जनेऊ धारण करने की परंपरा है। इस प्रक्रिया को श्रावणी उपाकर्म कहते हैं। मान्यता है कि यह केवल धागा बदलने की परंपरा नहीं है, बल्कि अपने कर्तव्यों, संस्कारों और आत्मशुद्धि बनाए रखने का संकल्प लेने का दिन है।

16 संस्कारों में से एक है उपनयन संस्कार शास्त्रों में मनुष्य जीवन के 16 संस्कार बताए गए हैं। इनमें उपनयन संस्कार का विशेष महत्व है। इसी संस्कार में बालक को यज्ञोपवीत धारण कराया जाता है। जनेऊ को यज्ञोपवीत भी कहा जाता है और इसका संबंध यज्ञ, अध्ययन और आध्यात्मिक अनुशासन से है। यज्ञोपवित धारण करने को व्यक्ति के आध्यात्मिक जीवन की शुरुआत माना जाता है। पहला जन्म माता-पिता से मिलता है, जबकि उपनयन संस्कार के बाद व्यक्ति को ज्ञान और धर्म के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए दूसरा जन्म मिलता है।

जनेऊ के तीन धागे देते हैं तीन संदेश

अनुशासन और प्रकृति के अनुसार दिनचर्या अपनाने से शरीर

प्राकृतिक नियमों का पालन करने से अच्छा स्वास्थ्य मिलता है। हमें सही समय पर जागना चाहिए और भोजन, निद्रा के साथ आहार-विहार के नियमों का पालन करना चाहिए। जीवन में अनुशासन और प्रकृति के अनुरूप दिनचर्या अपनाने से शरीर, मन और विचारों में संतुलन बना रहता है। नियमों का निर्वहन हमें भीतर से शक्ति और आत्मविश्वास प्रदान करता है। इसलिए प्राकृतिक नियमों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। प्रकृति के प्रति प्रेम और सम्मान विकसित करें, यही अच्छे स्वास्थ्य और प्रसन्नता का मार्ग है।

स्वामी अवधेशानंद जी गिरि

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, जनेऊ सामान्य तौर पर तीन धागों से बनी होती है। इन तीन धागों की अलग-अलग व्याख्याएं हैं। इन्हें प्रकृति के तीन गुण- सत्व, रज और तम से जोड़ा जाता है। इसी तरह इन्हें भूत, वर्तमान और भविष्य यानी तीन कालों का प्रतीक भी माना जाता है। कई मान्यताओं में ये तीन धागे ब्रह्मा, विष्णु और महेश यानी त्रिदेव से भी संबंधित माने गए हैं। जनेऊ के तीन धागों को जीवन के तीन ऋणों की याद से भी जोड़ा जाता है। ये हैं देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण। जनेऊ धारण करने वाला व्यक्ति प्रतीकात्मक रूप से यह स्वीकार करता है कि जीवन में उसे समाज, प्रकृति, ज्ञान परंपरा और अपने पूर्वजों के प्रति कुछ जिम्मेदारियां निभानी हैं और इसके लिए वह तैयार है।

देव ऋण कैसे चुकाया जाता है?

देव ऋण का संबंध ईश्वर और प्रकृति से है। सूर्य, अग्नि, वायु और पृथ्वी जैसे प्राकृतिक तत्व हमारे जीवन के लिए जरूरी हैं। पूजा, यज्ञ, हवन, मंत्र-जप और ईश्वर के प्रति श्रद्धा से देव ऋण चुकाया जाता है। इसके साथ सत्य और धर्म का पालन करना भी जरूरी है।

ऋषि ऋण कैसे चुकाया जाता है?

ऋषि ऋण उन ऋषियों, मुनियों और गुरुओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का प्रतीक है, जिन्होंने हमें ज्ञान दिया है। वेद, उपनिषद, धर्मग्रंथ, योग, नीति और दर्शन जैसी परंपराओं को इसी ज्ञान से जोड़ा जाता है। इस ऋण को चुकाने के लिए स्वाध्याय, गुरु का सम्मान और ज्ञान का प्रसार करना होता है। पढ़ना, सीखना और अपने ज्ञान को दूसरों तक पहुंचाना भी इस ऋण को चुकाने का तरीका है।

पितृ ऋण में परिवार और पूर्वजों की जिम्मेदारी

पितृ ऋण का संबंध माता-पिता, दादा-दादी, पूर्वजों और परिवार से है। व्यक्ति को जन्म देने, उसका पालन-पोषण करने और संस्कार देने में परिवार की भूमिका होती है। इसलिए माता-पिता की सेवा, सम्मान और देखभाल को पितृ ऋण से जोड़ा गया है। श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान जैसी क्रियाओं से पूर्वजों के प्रति श्रद्धा प्रकट की जाती है। परिवार और कुल की परंपराओं को आगे बढ़ाना भी पितृ ऋण को चुकाने का तरीका है।

अनुशासन बनाए रखने का संदेश देती है जनेऊ

सावन पूर्णिमा पर यज्ञोपवीत बदलने की परंपरा को उपाकर्म कहा जाता है। इसमें पुरानी जनेऊ का त्याग कर विधि-विधान और मंत्रों के साथ नई यज्ञोपवीत धारण करते हैं। यह प्रक्रिया वेद, गुरु और ज्ञान परंपरा के प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर मानी जाती है। साथ ही, इसे बीते समय में हुई भूलों से सीखकर नए संकल्प लेने और धार्मिक कर्तव्यों को फिर से याद करने के प्रतीक के रूप में भी देखा जाता है।

युवा उम्र में चरित्र को समझें और अपने तेज का उपयोग करें

आजकल खासतौर पर नए बच्चे खूब मेहनत कर रहे हैं। लेकिन अब परिश्रम के साथ शिक्षा, योग्यता और संस्कार का तेज भी शामिल करना पड़ेगा। क्योंकि जब हम संस्कार अपनाते हैं तो अपने चरित्र पर टिकते हैं। भीतर से जो तेज जागता है, वह चरित्र से जागता है, बाहर के व्यक्तित्व से नहीं। हममें सूर्य की तरह तेज है, बस प्रकट करना है। तुलसीदास जी ने लिखा है- राकापति षोडस उअहिं तारागन समुदाइ, सकल गिरिन्ह दव लाइअ बिनु रबि राति न जाइ।

सभी तारागणों के साथ 16 कलाओं से पूर्ण चंद्रमा उदय हो और जितने पर्वत हैं, उन सब में दावाग्नि लगा दी जाए तो भी सूर्य का उदय हुए बिना रात्रि नहीं जा सकती। खासतौर पर युवा उम्र में चरित्र को समझें और अपने तेज का उपयोग करें। उम्र को बीत जाना है।

कोई वक्त इतना सलोना नहीं होता कि जीवन भर रुक जाए। इसलिए बचपन से ही सूर्य नमस्कार से बच्चों को जोड़ें। सूर्य को जल देने की परंपरा का वैज्ञानिक महत्व बताएं। कहीं ऐसा न हो कि उम्र बीत जाए और हम अपने ही तेज का उपयोग न कर पाएं।

पीपल और बरगद पेड़ के नीचे दीपक जलाने से पितरों को क्यों मिलती है शांति?

हिंदू धर्म में पीपल और बरगद के पेड़ों को बेहद पवित्र माना गया है. मान्यता है कि इनके नीचे पितरों के नाम का दीपक जलाने से पूर्वजों को शांति मिलती है और उनका आशीर्वाद परिवार पर बना रहता है।

हिंदू धर्म में पेड़-पौधों को केवल प्रकृति का हिस्सा नहीं, बल्कि आस्था और धार्मिक परंपराओं से भी जोड़कर देखा गया है. इनमें पीपल और बरगद के पेड़ का विशेष महत्व बताया गया है. मान्यता है कि इन पेड़ो में देवी-देवताओं का वास होता है और पीपल के पेड़ का संबंध पितरों से भी माना जाता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पीपल के नीचे पितरों के नाम का दीपक जलाने से पूर्वजों को शांति मिलती है।

पितृपक्ष में पीपल के नीचे दीपक जलाने की परंपरा

पितृपक्ष को पूर्वजों को याद करने और उनके लिए श्राद्ध, तर्पण और दान करने का विशेष समय माना जाता है. इस दौरान लोग अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए धार्मिक अनुष्ठान करते हैं. मान्यता है कि पितृ पक्ष में पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाने से पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है. दीपक जलाते समय परिवार के दिवंगत सदस्यों का याद किया जाता है और उनकी शांति के लिए प्रार्थना की जाती है. यही कारण है कि पितृपक्ष में कई लोग सुबह या शाम पीपल के पेड़ की पूजा करने के साथ उसके नीचे दीपक भी जलाते हैं. इस साल पितृपक्ष की शुरुआत 26 सितंबर से होगी वहीं समापन 10 अक्टूबर को होगा।

अमावस्या पर भी जलाया जाता है पितरों का दीपक

हिंदू धर्म में हर महीने आने वाली अमावस्या तिथि का भी पितरों से विशेष संबंध माना जाता है. इस दिन लोग अपने पूर्वजों को याद करते हैं और उनकी शांति के लिए पूजा-पाठ, तर्पण और दान करते हैं. धार्मिक मान्यता के अनुसार, अमावस्या की शाम पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है. कई जगहों पर लोग सरसों के तेल का दीपक जलाकर पितरों से परिवार की सुख-शांति की कामना करते हैं.

बरगद के पेड़ का भी है खास धार्मिक महत्व

पीपल के अलावा बरगद का पेड़ भी हिंदू धर्म में बहुत ही पवित्र माना जाता है. इसकी लंबी उम्र और विशाल स्वरूप के कारण इसे स्थिरता, दीर्घायु और परिवार की निरंतरता से जोड़कर देखा जाता है. बरगद के पेड़ से जुड़ी कई धार्मिक परंपराएं हैं. हालांकि पितरों के लिए दीपक जलाने की मान्यता में पीपल का महत्व

विशेष रूप से बताया जाता है, लेकिन कई स्थानों पर बरगद के पेड़ के नीचे भी दीपक जलाकर पूर्वजों की शांति के लिए प्रार्थना की जाती है।

दीपावली पर पीपल के नीचे दीपक जलाने की मान्यता

दीपावली के समय भी दीपक जलाने की परंपरा केवल घर तक सीमित नहीं रहती. धार्मिक मान्यताओं में छोटी दीपावली यानी नरक चतुर्दशी की रात और दीपावली के अवसर पर अलग-अलग स्थानों पर दीपक जलाने का महत्व बताया गया है. कई परिवार इस दौरान पितरों के नाम का दीपक घर के बाहर, दक्षिण दिशा या पीपल के पेड़ के नीचे जलाते हैं. मान्यता है कि इससे पूर्वजों का स्मरण होता है और परिवार पर उनका आशीर्वाद बना रहता है।

जब बहन नहीं, पत्नी ने अपने पति को बांधी थी राखी, इंद्र-इंद्राणी की कहानी

रक्षाबंधन को आमतौर पर भाई-बहन के रिश्ते से जोड़कर देखा जाता है. इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है और भाई उसकी रक्षा का वचन देता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि पौराणिक कथाओं में एक ऐसी कहानी भी मिलती है, जिसमें बहन ने नहीं बल्कि पत्नी ने अपने पति की कलाई पर रक्षासूत्र बांधा था. ये कथा देवराज इंद्र और उनकी पत्नी इंद्राणी से जुड़ी है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इंद्राणी ने इंद्र की रक्षा और युद्ध में उनकी विजय की कामना से उनकी कलाई पर पवित्र रक्षासूत्र बांधा था. इस कथा का उल्लेख भविष्य पुराण में मिलता है. तो आइए जानते हैं कि आखिर इंद्राणी ने इंद्र को राखी क्यों बांधी थी और इसके बाद क्या हुआ था।

राखी सबसे पहले किसने बांधी थी?

पौराणिक कथाओं के अनुसार, सबसे पहले रक्षा सूत्र (राखी) देवराज इंद्र की पत्नी शची (इंद्राणी) ने असुरों के खिलाफ युद्ध में इंद्र की विजय और रक्षा के लिए उनके हाथ पर बांधा था. इसके अलावा, हिंदू ग्रंथों में माता लक्ष्मी द्वारा राजा बलि को और द्रौपदी द्वारा श्री कृष्ण को राखी बांधने का भी उल्लेख मिलता है.

इंद्राणी ने इंद्र को राखी क्यों बांधी थी?

भविष्य पुराण के अनुसार, इंद्राणी (शचि) ने देवराज इंद्र को असुरों के खिलाफ युद्ध में विजय और उनकी रक्षा के लिए मंत्रों से सिद्ध रक्षासूत्र (राखी) बांधा था. देवताओं और दानवों के लंबे युद्ध में जब असुर हावी हो रहे थे, तब गुरु बृहस्पति के सुझाव पर इंद्राणी ने यह पवित्र धागा बांधा था, जिससे इंद्र को विजय मिली. मान्यता के अनुसार, सतयुग में देवताओं और असुरों के बीच 12 वर्षों तक भयंकर युद्ध चला था. इस युद्ध में असुरों का पलड़ा भारी होने लगा था और देवता लगातार पराजित हो रहे थे।

इंद्र की हार से परेशान हो गई थीं इंद्राणी

देवों और असुरों के बीच भीषण संग्राम में देवता पराजित होने लगे थे. देवराज इंद्र की हार की स्थिति को देखकर उनकी पत्नी इंद्राणी काफी परेशान हो गईं. इसके बाद वो देवगुरु बृहस्पति के पास गईं और उनसे इस संकट का समाधान पूछा. देवगुरु बृहस्पति ने इंद्र को रक्षा विधान करने और श्रावण पूर्णिमा पर पत्नी से रक्षासूत्र बंधवाने का परामर्श दिया था।

इंद्राणी ने मंत्रों से सिद्ध किया था रक्षासूत्र

देवगुरु बृहस्पति जी के बताने पर इंद्राणी ने अपने तपोबल और वैदिक मंत्रों से श्रावण पूर्णिमा के दिन रक्षासूत्र को पवित्र किया. इसके बाद उन्होंने वह रक्षासूत्र इंद्र देव की कलाई पर बांधा. धार्मिक मान्यताहै कि इस पवित्र रक्षासूत्र के प्रभाव से इंद्र ने युद्ध में अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त की और अपना खोया हुआ राज्य फिर से हासिल कर लिया. इसी कथा को रक्षासूत्र की प्राचीन परंपरा से जोड़कर देखा जाता है. हालांकि, आज रक्षाबंधन मुख्य रूप से भाई-बहन के प्रेम और रक्षा के संकल्प का त्योहार माना जाता है।

रक्षाबंधन शुभ मुहूर्त 2026

इस साल रक्षाबंधन का त्योहार 28 अगस्त, शुक्रवार को मनाया जाएगा. पूर्णिमा तिथि 27 अगस्त से शुरू होकर 28 अगस्त की सुबह तक रहेगी. दिल्ली के पंचांग के अनुसार, राखी बांधने का शुभ मुहूर्त 28 अगस्त को सुबह 5:57 बजे से 9:48 बजे तक रहेगा. भद्रा काल के कारण 27 अगस्त को राखी बांधने से बचने की सलाह दी जाती है।

हिमांशी खुराना ने लगाई आसिम पर आरोपों की झड़ी

सोशल मीडिया पर किया पलटवार, बोलीं- 'मेरे साथ हुई हिंसा से..'

हिमांशी खुराना और आसिम रियाज के बीच का जवाबी जंग चल रही है। यह विवाद बीते कुछ दिनों में ही काफी बढ़ गया है। सोमवार को आसिम की पोस्ट के बाद अब हिमांशी ने सोशल मीडिया के जरिए अप्रत्यक्ष रूप से उन्हें जवाब दिया है।

हिमांशी ने पोस्ट में क्या लिखा?

हिमांशी खुराना ने सोशल मीडिया के जरिए आसिम का नाम लिए बिना उनपर निशाना साधा। एक्ट्रेस ने कहा उन्होंने कभी धर्मातरण का मुद्दा नहीं उठाया। इसके साथ ही आसिम द्वारा अपने स्वास्थ को लेकर रही गई बातों पर भी प्रतिक्रिया दी।

मैंने जबरन धर्मातरण का आरोप किसी पर नहीं लगाया।

मैंने हमेशा सार्वजनिक रूप से अपनी निजी जीवन को साझा करते समय सम्मान और सावधानी बरती है।

हर चीज चाहे वह चाहे वह बिग बॉस का अनुभव हो, मेरी आध्यात्मिक यात्रा हो, या मेरी सेहत से जुड़े मामले हों मैंने सम्मान बनाए रखा।

मैंने अपने जीवन के इन पहलुओं को ईमानदारी से साझा किया है। कभी भी किसी का अपमान करने के लिए उपयोग नहीं किया।

मैंने अपना पक्ष हमेशा मजबूती के साथ रखा है। हैल्थ पर की गई टिप्पणी पर क्या बोलीं एक्ट्रेस?

आसिम रियाज ने हिमांशी की स्वास्थ्य संबंधित आरोपों पर टिप्पणी की थी। इस पर हिमांशी ने कहा, 'जब मेरे स्वास्थ्य का मज़ाक उड़ाया जाता है और मेरे संघर्षों पर सवाल उठाए जाते हैं, तो मुझे लगता है कि अब एक सीमा तय करने का समय आ गया है। मुझे भी सब कुछ बता देना चाहिए।'

हिमांशी ने कहा सारे सबूत मेरे पास हैं

हिमांशी खुराना ने आगे अपनी पोस्ट में लिखा, 'अगर हम सबूतों की बात करने जा रहे हैं, तो चलिए सब कुछ पर बात करते हैं। मैं धर्मांतरण से जुड़े मामले और हां, मेरे साथ हुई हिंसा से संबंधित तथ्य और सबूत हैं। उम्मीद है आपको 27.11.23 की वह सुबह याद होगी) साझा करने के लिए तैयार हूं। अगर आप मेरी छवि खराब करना चाहते हैं, तो अब मैं वह व्यक्ति नहीं हूं जो आपकी तथाकथित छवि की रक्षा के लिए चुपचाप सब कुछ छुपाती रहूंगी, या बार-बार अपमानित और अनादर किए जाने पर चुप रहूंगी।

लोगों ने आपकी गंदगी को छुपाया

हिमांशी खुराना ने अप्रत्यक्ष रूप से आसिम रियाज पर निशाना साधा। उन्होंने आगे लिखा, 'अलग-अलग प्रोडक्शन हाउस और चैनलों के लोगों ने आपकी गंदगी को छुपाया, लेकिन मैं अब उनके जैसी नहीं हूं। मैंने अपनी गरिमा बनाए रखी है और सम्मान दिखाया है, और बदले में मैं भी यही उम्मीद करती हूं। अगर उस सम्मान का प्रतिफल नहीं मिलेगा, तो मेरे पास अब चुप रहने का कोई कारण नहीं है। अगर आप 'सबूत' का खेल खेलना चाहते हैं, तो चलिए इसे ईमानदारी से खेलते हैं। तथ्यों, जवाबदेही और पूरी सच्चाई के साथ।'

आसिम ने पोस्ट कर दिया था जवाब

आसिम रियाज ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट कर हिमांशी को सभी आरोपों को खारिज किया था। इसके साथ ही हिमांशी के स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों की वजहें बताई थीं।

रक्षाबंधन विवाद पर कृति सेनन ने तोड़ी चुप्पी

ट्रोलर्स को दिया तगड़ा जवाब; बोलीं- परंपरा नेकलाइन में नहीं होती

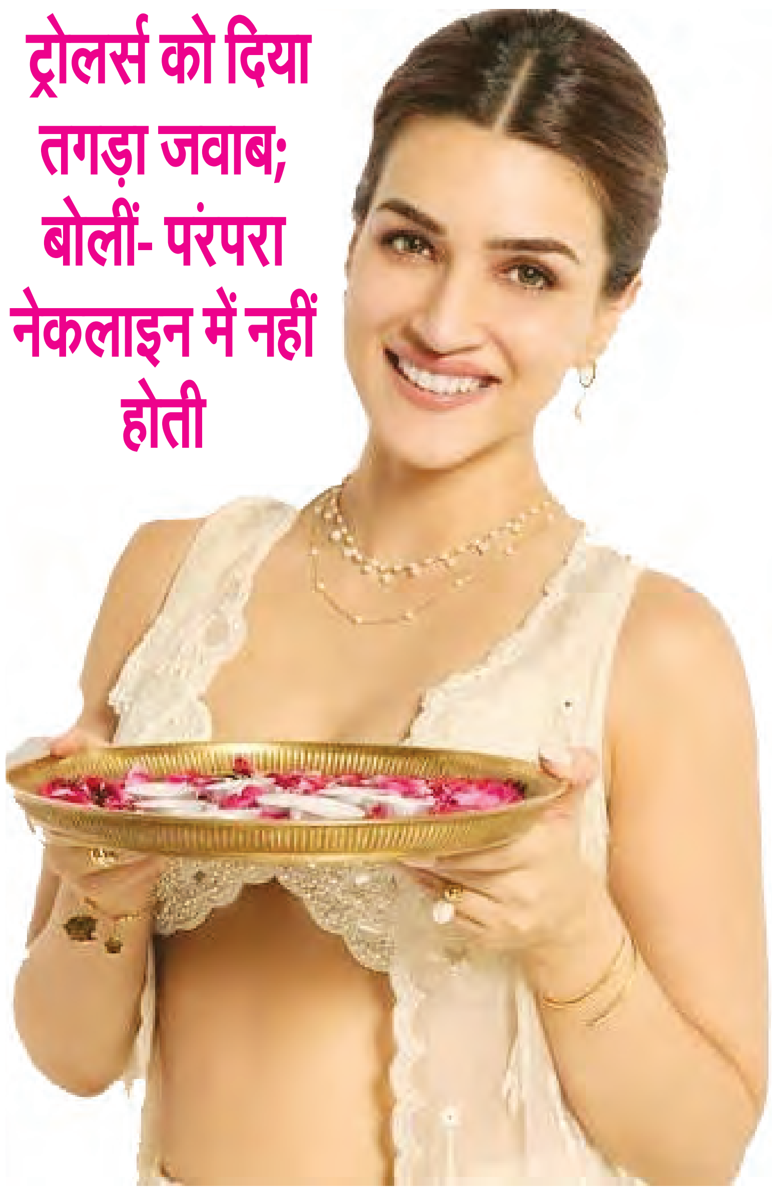

कृति सेनन इन दिनों अपने एक विज्ञापन को लेकर काफी ट्रोल हो रहीं थीं। इस मामले पर उन्हें एक्ट्रेस और सांसद कंगना रनौत ने भी जमकर घेरा था। अब कृति ने इस पूरे मामले पर करारा जवाब दिया है। जानिए उन्होंने क्या कहा।

क्यों ट्रोल हुईं कृति सेनन? उन्होंने एक ज्वैलरी ब्रांड के लिए यह विज्ञापन किया।

एक्ट्रेस विज्ञापन में रक्षाबंधन का त्योहार मनाती नजर आईं। मगर, उनके कपड़े काफी रिवीलिंग थे। वे इंडो वेस्टर्न ड्रेस में दिखाई दीं। कृति सेनन की ड्रेस पर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है।

कृति ने इस मामले पर क्या कहा?

अब कृति ने इन ट्रोल्स को करारा जवाब देते हुए कहा कि किसी महिला के कपड़ों से उसकी संस्कृति के प्रति सम्मान को नहीं मापा जाना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर स्टोरी शेयर कर लिखा, 'त्योहारों की असली भावना आपके कपड़ों में नहीं, बल्कि उन भावनाओं और परंपराओं में होती है जिन्हें आप दिल से मानते हैं।

रक्षाबंधन सुरक्षा और प्यार का रिश्ता है। मेरी बहन और मैं एक-दूसरे को राखी बांधते हैं। हम एक-दूसरे की रक्षा करने का वादा करते हैं और एक-दूसरे की अच्छी सेहत, खुशी और लंबी उम्र की प्रार्थना करते हैं। हमारे लिए यह प्यार और प्रार्थना हमारे कुत्तों तक भी जाती है, क्योंकि वे भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं।'

महिलाओं पर एक्ट्रेस ने दिया ये बयान

महिलाओं पर बात करते हुए कृति ने कहा, 'आखिर हम महिलाओं को यह बताना कब बंद करेंगे कि उन्हें क्या पहनना चाहिए? समय के साथ पारंपरिक फैशन भी बदला है, लेकिन आज भी किसी महिला की संस्कृति के प्रति सम्मान को सिर्फ उसके कपड़ों से क्यों मापा जाता है? संस्कृति और परंपराएं उसके दिल में होती हैं, उसकी नेकलाइन में नहीं।'

कंगना ने पूरे मामले पर क्या कहा था?

कंगना रनौत ने इस मामले पर बात करते हुए अपनी इंस्टा स्टोरी पर लिखा था, 'महिलाओं के लिए यह बहुत अच्छा समय है। हमारे वॉर्डरोब तरह-तरह के कपड़ों से भरे हुए हैं। आज की महिला ग्लोबल है।

कॉकटेल ड्रेस से लेकर लहंगा-चोली, जींस से लेकर साड़ी, बिकिनी से लेकर सलवार-कमीज तक, इतने सारे ऑप्शन होने के बावजूद आप बिकिनी या अंडरगारमेंट्स पहनकर अपने भाई को राखी क्यों बांधेंगी? आपके स्टाइलिंग ऑप्शन कहां गए'? हाहा, यह विज्ञापन जानबूझकर अजीब बनाया गया लगता है।'

गोविंदा और सुनीता आहूजा के रिश्ते पर कश्मीरा शाह ने रखी राय, बताया किसका देंगी साथ

गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा की निजी जिंदगी चर्चा में है। इस बीच अभिनेता कृष्णा अभिषेक की पत्नी कश्मीरा शाह ने कहा

है कि वह सुनीता आहूजा के साथ हैं।

अभिनेता अभिषेक कुमार की जन्मदिन की पार्टी में पैपराजी ने कश्मीरा शाह से गोविंदा और उनकी पत्नी के रिश्ते पर उनकी राय पूछी। इस पर उन्होंने जवाब दिया है।

गोविंदा और सुनीता को लेकर क्या बोलीं कश्मीरा शाह? कश्मीरा शाह ने कहा कि मैं इतना जानती हूं कि वह मेरा परिवार है। मैं अपने परिवार को बचाउंगी। मैं अपने परिवार की औरतों के साथ खड़ी हूं। मैं सुनीता के साथ खड़ी हूं। अगर वह कह रही है कि गलत हो रहा है तो होगा कुछ गलत।

कश्मीरा ने की क्रिप्टिक पोस्ट

इस बयान से पहले कश्मीरा ने शादी और बेवफाई को लेकर एक पोस्ट शेयर की थी। इसमें आसमान में दिल वाले आकार की एक तस्वीर भी थी। पोस्ट में उन्होंने लिखा था 'शादियों के टूटने और लोगों के धोखा देने से मेरा भरोसा उठ गया है। मुझे लगता है कि मुझे असलियत जानने की जरूरत है।'

बता दें कि कश्मीरा और सुनीता आहूजा के रिश्ते में दरार थी। हालांकि दोनों ने अपने रिश्ते को बातचीत के जरिए सुलझा लिया।

गोविंदा और सुनीता आहूजा की निजी जिंदगी को लेकर क्या बोले भांजे कृष्णा अभिषेक? पैपराजी को दी ये चेतावनी

सुनीता ने क्यों तलाक की अर्जी वापस ली?

बता दें कि हाल ही में सुनीता आहूजा ने आरोप लगाया था कि गोविंदा रानी स्वर्णकार से शादी करने वाले हैं। इसलिए उन्होंने तलाक की अर्जी वापस ली है।

हालांकि इन आरोपों को गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा ने खारिज किया। सिन्हा ने कहा 'दूसरी शादी का सवाल ही नहीं है। ऐसा कुछ नहीं है और न ही ऐसा होगा। दूसरी शादी नहीं हो रही है। वह उनकी पत्नी हैं और शायद उनके मन में कुछ चल रहा होगा, इसलिए उन्होंने ऐसा कहा।'

रानी स्वर्णकार से जुड़ रहा गोविंदा का नाम

रिपोर्ट्स के मुताबिक, गोविंदा का नाम कथित तौर पर रानी स्वर्णकार के साथ जोड़ा जा रहा है। बीते दिनों दोनों को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया था।

गोविंदा ने जारी किया नोटिस

गौरतलब है कि हाल ही में गोविंदा ने एक पब्लिक नोटिस जारी किया था। इसमें उन्होंने कहा था कि अगर कोई भी उनकी निजी जिंदगी को लेकर अफवाह फैलाने का दोषी पाया जाएगा, तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी और उससे 100 करोड़ रुपये का जुर्माना लिया जाएगा।

कौन हैं श्रिया रेड्डी? पवन कल्याण संग कर चुकी हैं काम

प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स की आगामी फिल्म 'महाकाली' का टीजर आ चुका है और इसने तहलका मचा दिया है। अक्षय खन्ना फिल्म में शुक्राचार्य का किरदार निभाते नजर आएंगे। अक्षय के अलावा फिल्म में श्रिया रेड्डी की भी दमदार झलक है। श्रिया का लुक देखने के बाद दर्शक यह जानने को उत्साहित हैं कि वे कौन हैं?

'महाकाली में दिखा 'श्रिया का रौद्र अवतार

फिल्म 'महाकाली' के टीजर में श्रिया रेड्डी का महाकाली के रूप में रौद्र अवतार देखने को मिला है। बता दें कि यह पहला मौका नहीं है, जब श्रिया ने अपने किरदार से ध्यान खींच हो। इससे पहले भी वे 600 करोड़ी फिल्म का हिस्सा रही हैं और अपने किरदार से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। 48 वर्षीय श्रिया साउथ फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

चेन्नई में एक तेलुगु परिवार में जन्मीं श्रिया रेड्डी सिर्फ अदाकारा नहीं हैं, बल्कि वे रेडियो और वीडियो जॉकी भी रह चुकी हैं। इसके अलावा प्रोड्यूसर और टीवी प्रेजेंटर भी रही हैं। अपनी दमदार आवाज और व्यक्तित्व के बूते टीवी की दुनिया में उन्होंने अच्छी पहचान हासिल की। श्रिया तमिल और तेलुगु भाषा की फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

प्रभास की फिल्म में जमा चुकी हैं रंग

'महाकाली' से पहले श्रिया प्रशांत नील की ही ब्लॉकबस्टर फिल्म 'सलार पार्ट 1 - सीजफायर' में नजर आ चुकी हैं। 600 करोड़ से अधिक कलेक्शन जुटाने वाली 'सालार' में श्रिया को 'राधा राम मन्नार' के किरदार में देखा गया था। श्रिया ने साल 2002 में बालाजी शक्तिवेल की फिल्म 'समुराई' से एक्टिंग डेब्यू किया था।हालांकि, 'समुराई' में श्रिया ने बहुत छोटा सा किरदार निभाया।साल 2003 में वे 'अप्पुदापुडु' फिल्म में बतौर लीड हीरोइन नजर आईं। मगर, फिल्म चल नहीं पाई थी। फिर वे 'वेयिल' और 'कांचीवरम' जैसी फिल्मों में दिखीं।

इस पूर्व क्रिकेटर की बिटिया हैं श्रिया

एक्टिंग की दुनिया में आने का श्रिया का सफर काफी दिलचस्प है। वे एक प्रतिष्ठित खेल पृष्ठभूमि से आती हैं। पूर्व भारतीय टेस्ट क्रिकेटर भरत रेड्डी उनके पिता हैं। भरत रेड्डी ने 1978 से 1981 के बीच भारतीय क्रिकेट टीम के लिए कई अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं।

फिल्म 'महाकाली' के बारे में

'महाकाली' देश की पहली महिला सुपरहीरो फिल्म है। यह प्रशांत सिनेमैटिक यूनिवर्स की तीसरी फिल्म है।फिल्म के निर्देशन की कमान पूजा अपर्णा कोल्लुरु के कंधों पर है। इसमें भूमि शेट्टी को भी देवी के किरादर में देखा जाएगा। फिल्म 'महाकाली' की कहानी और स्क्रीनप्ले दोनों ही प्रशांत वर्मा ने लिखे हैं। 'महाकाली' में बंगाल की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी।

क्या रणबीर की 'ब्रह्मास्त्र 2' में नजर आएंगी दीपिका पादुकोण?

फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' साल 2022 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आए। अब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा कहा गया था कि दूसरे पार्ट में दीपिका पादुकोण नजर आएंगी। वे अमृता की भूमिका अदा करेंगी। मगर, अभिनेत्री के प्रवक्ता ने ऐसी खबरों को खारिज कर दिया है।

क्या रणबीर कपूर की फिल्म में दिखेंगी दीपिका?

दीपिका पादुकोण 'ब्रह्मास्त्र 2' में नजर नहीं आएंगी। उनके प्रवक्ता ने यह बात कही है। इस स्पष्टीकरण से उन वायरल खबरों का खंडन होता है जिनमें दावा किया गया था कि एक्ट्रेस इस सीक्वल में अहम भूमिका निभाएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका पादुकोण 'ब्रह्मास्त्र 2' से नहीं जुड़ी हैं। दीपिका पादुकोण के प्रवक्ता ने साफ किया कि वे खबरें पूरी तरह बेबुनियाद हैं, जिनमें कहा गया था कि दीपिका 'ब्रह्मास्त्र 2' में दिखाई देंगी।

दीपिका की भूमिका को लेकर क्या कहा गया था?

दीपिका पादुकोण के प्रवक्ता ने कहा, 'हाल ही में आई वे सभी खबरें गलत हैं, जिनमें कहा गया है कि दीपिका पादुकोण 'ब्रह्मास्त्र 2' का हिस्सा हैं या किसी भी तरह से इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हैं।

हालांकि, दीपिका के इसमें शामिल होने की अटकलें यूं ही नहीं लगी थीं। साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म 'ब्रह्मास्त्र-पार्ट वन शिवा' में एक्ट्रेस की एक बहुत छोटी सी झलक दिखी।

इसमें उन्हें 'अमृता' के तौर पर दिखाया गया था। अमृता एक शक्तिशाली अस्त्र चलाने वाली और 'अस्त्रावर्स' की पौराणिक कथाओं में एक अहम किरदार थीं।

हालांकि उनका चेहरा बस कुछ ही पल के लिए दिखाया गया, लेकिन यह सीन बहुत अहम था। इसमें दीपिका का किरदार 'अमृता' एक बच्चे को लिए हुए 'देव' से भागती हुई दिखाई देती है। देव एक रहस्यमयी किरदार है, जिसके बारे में फिल्म के आखिर में पता चलता है। इस सीन ने उस कहानी की नींव असरदार ढंग से रखी, जिसे 'ब्रह्मास्त्र 2' में दिखाए जाने की उम्मीद थी।

दीपिका का वर्क फ्रंट

दीपिका पादुकोण के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों वे अल्लू अर्जुन की 'राका' को लेकर व्यस्त हैं। इसमें वे अहम भूमिका अदा करेंगी। इसके अलावा वे शाहरुख खान की 'किंग' में भी नजर आएंगी। दीपिका पादुकोण की निजी जिंदगी की बात करें तो वे प्रेग्नेंट हैं। रणवीर सिंह के साथ अगले महीने वे दूसरे बच्चे का स्वागत करेंगी।

दो दशकों के बाद क्यों बंद हुआ था 'सीआईडी'? दयानंद शेट्टी ने बताई वजह; लता मंगेशकर से क्या था कनेक्शन?

'सीआईडी' दर्शकों के बीच काफी मशहूर शो रहा है। इसकी शुरुआत 1998 में हुई थी। दर्शकों ने इसे प्यार दिया। साल 2018 में यह शो बंद हो गया। हाल ही में इस शो की नए सीजन के साथ वापसी हुई है। शो में दया का किरदार निभाने वाले दयानंद शेट्टी ने 'सीआईडी' के बंद होने की वजह बताई है।

उन्होंने यह भी बताया कि जब यह शो बंद होने वाला था, तब लता मंगेशकर ने इसे जारी रखने के लिए संघर्ष किया था।

क्यों बंद हुआ शो?

दयानंद के मुताबिक शो के कलाकार निर्माता के करीब थे। मगर 2018 में चैनल इसके मेकर्स को बदलना चाहता था। शो के कलाकारों ने इसका काफी विरोध किया था।

सिद्धार्थ कान्नन के साथ बातचीत में दयानंद ने कहा कि शो बंद होने की असली वजह अंदरूनी राजनीति थी।

यह विवाद 2016 में ही शुरू हो चुका था। चैनल मेकर्स को बदलना चाहता था, मगर हम कलाकार इसके हक में नहीं थे।

हमारा रिश्ता सोनी चैनल से नहीं, बल्कि शो के निर्माताओं से था।

21 साल काम करने के बावजूद हमने कभी कोई कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया था। सब कुछ निर्माताओं के भरोसे और जुबान पर चल रहा था।

नहीं थे कॉन्ट्रैक्ट के दस्तावेज

दयानंद शेट्टी ने आगे बताया 'साल 2016 में जब चैनल ने स्टारकास्ट से कॉन्ट्रैक्ट के डॉक्यूमेंट्स मांगे, तब जाकर निर्माताओं ने सच बताया कि कलाकारों के साथ कभी कोई आधिकारिक डील हुई ही नहीं थी।'

दयानंद ने कहा 'जब चैनल ने किसी दूसरे क्राइम शो को दोबारा शुरू करने का फैसला लिया, तो फैंस ने सोनी के कमेंट सेक्शन में 'सीआईडी' को वापस लाने की मांग की।'

सिंगर लता मंगेशकर ने दिया साथ

दयानंद ने आगे बताया 'लता जी हमारी बहुत बड़ी फैन थीं, वह हमारा सबसे बड़ा सहारा थीं। जब शो बंद हुआ, तो वह हमारे लिए लड़ीं। उन्होंने तो सोनी अमेरिका तक कॉल करके फटकार लगाई थी। उन्होंने साफ कहा था कि मैं यह शो देखती हूं, तुम लोग इसे बंद क्यों कर रहे हो? आखिर तुम्हारी दिक्कत क्या है?'

कब शुरू हुआ शो?

बता दें कि 'सीआईडी' साल 1998 में सोनी चैनल पर शुरू हुआ था। यह लगभग दो दशकों तक चला। साल 2024 में नए सीजन के साथ इसकी वापसी हुई। इसमें पुराने किरदार नजर आए। शो में सीनियर इंस्पेक्टर दया का किरदार दयानंद शेट्टी ने निभाया। एसीपी प्रद्युमन (शिवाजी साटम) और सीनियर इंस्पेक्टर अभिजीत (आदित्य श्रीवास्तव) के साथ दया के किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

क्या चुराई गई है तापसी पन्नू की अपकमिंग फिल्म 'गांधारी' की कहानी? प्रोडक्शन हाउस ने आरोपों पर कही ये बात

तापसी पन्नू अपनी अपकमिंग फिल्म 'गांधारी' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म के फर्स्ट-लुक पोस्टर ने पहले ही फैंस के बीच काफी चर्चा पैदा कर दी है। इसमें अभिनेत्री दमदार अवतार में नजर आई हैं।

हालांकि, 'गांधारी' हाल ही में एक विवाद में फंस गई। मुंबई के लेखक राघव देसाई ने दावा किया है कि उन्होंने 2024 में मेकर्स को ऐसी ही एक स्क्रिप्ट का आइडिया दिया था। उन्होंने टीम पर आरोप लगाया कि उन्होंने उनका आइडिया चुराया और उसे कनिका ढिल्लों के नाम से डेवलप किया।

कथा पिक्चर्स ने आरोपों को किया खारिज

प्रोडक्शन हाउस कथा पिक्चर्स ने इंस्टाग्राम पर एक बयान जारी किया है। इसमें आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि 'गांधारी' एक ओरिजिनल प्रोजेक्ट है।

इसमें कहा गया है हमारा ध्यान

सोशल मीडिया और कुछ प्रकाशनों में चल रहे उन आरोपों की ओर गया है। इनमें कहा गया है कि हमारी अपकमिंग फिल्म 'गांधारी' किसी और के कॉन्सेप्ट की नकल है। ये आरोप झूठे हैं और हम साफ तौर पर इनका खंडन करते हैं।

'गांधारी' एक ओरिजिनल काम है, जिसे कनिका ढिल्लों ने लिखा और प्रोड्यूस किया है।

इसकी कहानी और स्क्रीनप्ले ढिल्लों का अपना काम है। 'हम मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और आम लोगों से अनुरोध करते हैं कि वे इन आरोपों को वैसा ही समझें जैसे वे हैं। यानी बिना पुष्टि किए गए और झूठे। इन्हें सच मानकर प्रकाशित, प्रसारित या दोहराने से बचें।'

कौन है फिल्म का निर्देशक?

इस साल फरवरी में 'गांधारी' के फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी किए गए थे। 'गांधारी' एक रिवेंज ड्रामा है, जिसे देवाशीष मखीजा ने डायरेक्ट किया है। तापसी पन्नू के अलावा, 'गांधारी' में इश्वाक सिंह भी अहम भूमिका में होंगे। यह फिल्म तीन सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। टीम ने मार्च में फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली थी। 'गांधारी' को कनिका ने लिखा और प्रोड्यूस किया है और यह तापसी के साथ उनका छठा कोलेबोरेशन है।

इनफर्टिलिटी के लिए जानें क्या बातें हैं जिम्मेदार और आईवीएफ के साथ और क्या हैं विकल्प

इनफर्टिलिटी एक ऐसी समस्या है जिससे आज भारत के 15 प्रतिशत से ज्यादा लोग जूझ रहे हैं। खराब लाइफस्टाइल, मोटापा, ट्यूब ब्लॉक होना, स्पर्म की समस्या, एग रिजर्व जैसी बातें गर्भ धारण में रुकावट पैदा कर सकती हैं। एनबीटी से बातचीत में डॉक्टर शोभा गुप्ता ने कहा कि इनफर्टिलिटी का संबंध केवल महिलाओं से नहीं होता। पुरुषों में कमी होने के कारण भी गर्भ धारण नहीं हो पाता। महिला में ट्यूब की समस्या, एग रिजर्व या एग की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है, वहीं पुरुषों में स्पर्म की संख्या, उनकी गति और बनावट से जुड़ी दिक्कतें भी गर्भधारण में बाधा बन सकती हैं।

अगर लगातार कोशिशों के बाद भी कंसीव नहीं हो रहा है तो जांच की जरूरत पड़ती है। महिला की पिछली प्रेगनेंसी का इतिहास, ट्यूब की स्थिति, एग बनने की क्षमता जैसी चीजें देखी जाती हैं। वहीं पुरुषों में हार्मोन की जांच, स्पर्म काउंट, स्पर्म की गति और बनावट की जांच होती है। शुरुआत में दवाएं, विटामिन और

एंटीऑक्सीडेंट दिए जा सकते हैं। साथ ही स्मोकिंग और अल्कोहल कम करने तथा नींद और जीवनशैली सुधारने की सलाह दी जाती है। इन जांचों के बाद नतीजों को आधार पर उपचार की प्रक्रिया तय की जाती है।

इनफर्टिलिटी के लिए हमेशा आईवीएफ जरूरी नहीं।

ऐसा नहीं है कि इनफर्टिलिटी होने पर आईवीएफ ही होता है। हालांकि इसको आखिरी वकल्प मानना भी गलत है। जरूरी है कि इंटरनेट या यहां वहां से पता लगाए उपचार करने की जगह जांच और विशेषज्ञ की सलाह पर कदम आगे बढ़ाए जाएं। महिला की जांच में अगर सब सामान्य निकलता है तो आईयूआई से गर्भ धारण की कोशिश की जाती है। इसमें पुरुष के स्वस्थ्य सीमेन को महिला की ओवरी में डाला जाता है। इसके साथ ही स्वस्थ्य जीवनशैली अपनाने की सलाह भी दी जाती है। आईयूआई के विफल होने पर पुरुषों के स्पर्म सुधार की प्रक्रिया अपनाई जा सकती है अगर कमी स्पर्म में है।

आईवीएफ से घबराना कैसा

आईवीएफ के क्षेत्र में कई एडवांस तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। बातचीत में ब्लास्टोसिस्ट स्टेज पर एम्ब्रियो ट्रांसफर, लेजर-असिस्टेड हैचिंग और एम्ब्रियो की जेनेटिक टेस्टिंग जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अगर बार बार आईवीएफ असफ होता है तो एंब्रियो की जेनेटिक की जांच करके स्वस्थ्य एंब्रियो चुना जा सकता है। इससे गर्भ रुकने की संभावना बढ़ जाती है और गर्भपात का खतरा भी कम होता है। जरूरी है कि यह कदम सही समय पर उठाया जाए। आईवीएफ को आखिरी विकल्प न मानते हुए 35 की उम्र से पहले ही अपना लेना चाहिए।

फर्टिलिटी के लिए एग फ्रीजिंग भी है विकल्प

जो महिलाएं करियर या किसी दूसरे कारण से प्रेगनेंसी को आगे के लिए टालना चाहती हैं, उनके लिए एग फ्रीजिंग एक विकल्प हो सकता है। इसमें आईवीएफ जैसी तैयारी की जाती है। इंजेक्शन के जरिए कई फॉलिकल्स तैयार किए जाते हैं और फिर अल्ट्रासाउंड गाइडेंस में एग्स निकाले जाते हैं। ऐसा इसलिए जरूरी होता है क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ एग्स की संख्या और गुणवत्ता में कमी आने लगती है और बढ़ती उम्र में गर्भ धारण करना आसान नहीं होता। ऐसे में फ्रीज किए हुए एग की मदद से गर्भ को रोका जा सकता है।

'तुम्हारी ही गलती है' आपका पार्टनर भी बोलता है ऐसा

कभी आपका पार्टनर आपसे कहता है, 'तुम हर बात का ड्रामा करते हो।', 'तुम बेवजह सोचते हो।', 'तुम्हें सब गलत याद रहता है।' शुरुआत में ये बातें सामान्य लग सकती हैं। आप भी सोचते हैं कि शायद गुस्से में ऐसा बोल दिया होगा। लेकिन जब यही बातें बार-बार होने लगें और हर बहस के बाद आपको ही लगे कि गलती आपकी थी, तब कहानी बदलने लगती है। धीरे-धीरे इंसान अपनी ही बात पर भरोसा करना छोड़ देता है। सबसे हैरानी की बात ये है कि उसे समझ भी नहीं आता कि उसके साथ आखिर हो क्या रहा है। हाल ही में मशहूर साइकोलॉजिस्ट डॉ. रमानी ने द टैमसेन शो में बताया कि कई रिश्तों में ऐसा व्यवहार गैसलाइटिंग का हिस्सा हो सकता है। अगर समय रहते इसे नहीं पहचाना जाए, तो रिश्ता ही नहीं, इंसान का खुद पर भरोसा भी कमजोर पड़ने लगता है।

कहीं आपका रिश्ता भी तो इस दौर से नहीं गुजर रहा

डॉ. रमानी के मुताबिक गैसलाइटिंग का मतलब है, सामने वाला इंसान बार-बार आपको ही गलत महसूस कराए। वो आपकी बात मानने के बजाय आपको ही यकीन दिलाने

की कोशिश करे कि आपकी याद गलत है, आपकी सोच गलत है या फिर आप बिना वजह बात को बड़ा बना रहे हैं। धीरे-धीरे आप खुद ही अपनी बात पर शक करने लगते हैं।

क्यों हर बार आप ही माफी मांगते

डॉ. रमानी बताती हैं कि नार्सिसिस्टिक स्वभाव वाले लोग अक्सर रिश्ते में हर बात अपने हिसाब से चाहते हैं। अगर उनका पार्टनर अपनी बात रखे या सवाल पूछे, तो वो बात को इस तरह घुमाते हैं कि आखिर में सामने वाला ही माफी मांगने लगे। यही वजह है कि ऐसे रिश्तों में एक इंसान बोलता कम और सहता ज्यादा है।

ये बातें सुनते हैं, तो हो जाइए सावधान

अगर हर बहस के बाद आपको ही सफाई देनी पड़ती है। अगर आपको लगता है कि अपनी बात कहने से फिर झगड़ा होगा। अगर अब आपने अपनी भावनाएं भी दबानी शुरू कर दी हैं, तो इन संकेतों को हल्के में न लें। ये सिर्फ छोटी-मोटी नोकझोंक नहीं भी हो सकती।

धीरे-धीरे कैसे टूटने लगता है खुद पर भरोसा

गैसलाइटिंग का सबसे बड़ा असर इंसान के आत्मविश्वास पर पड़ता है। उसे लगता है कि शायद वो सही सोच ही नहीं सकता। वो हर फैसले से पहले डरने लगता है। कई बार तो लोग सिर्फ रिश्ता बचाने के लिए अपनी खुशी और अपनी पहचान तक पीछे छोड़ देते हैं।

ऐसे रिश्ते से कैसे खुद को बचाएं

अगर आपको लगता है कि आपका रिश्ता भी ऐसा होता जा रहा है, तो सबसे पहले खुद को दोष देना बंद करें। अपनी भावनाओं को समझें और उन्हें दबाएं नहीं। किसी भरोसेमंद दोस्त, परिवार के सदस्य या साइकोलॉजिस्ट से खुलकर बात करें। याद रखें, अच्छा रिश्ता वो होता है जहां आपको हर दिन खुद को सही साबित न करना पड़े। जहां आपकी बात सुनी जाए और आपकी भावनाओं की कद्र की जाए।

जिस दिन महिला लड़ना छोड़ दे, समझ लीजिए रिश्ता नहीं उम्मीद खत्म हुई है

रिश्ते में सबसे खतरनाक चीज लड़ाई नहीं होती, बल्कि वो पल होता है जब अचानक सब कुछ शांत हो जाता है। न कोई शिकायत होती है, न बहस और न ही मनाने की कोशिश। बाहर से देखने पर लगता है कि अब सब ठीक हो गया है, लेकिन कई बार यही खामोशी रिश्ते की सबसे बड़ी सच्चाई छिपाए होती है। हाल ही में 'हीलिंग टेक्निक्स' नाम के यूट्यूब चैनल पर शेयर किए गए एक पॉडकास्ट में रिलेशनशिप एक्सपर्ट ने इसी बदलाव के बारे में बात की है। उनका कहना है कि जब कोई महिला लड़ना छोड़ देती है, तो कई बार इसका मतलब ये नहीं होता कि उसे अब फर्क नहीं पड़ता, बल्कि वो अंदर ही अंदर उम्मीद छोड़ चुकी होती है। हालांकि हर रिश्ता और हर इंसान अलग होता है, इसलिए इसे हर स्थिति पर लागू नहीं किया जा सकता।

जब बदलने लगता है पुरुष का रवैया

पॉडकास्ट में एक्सपर्ट कहते हैं कि कुछ पुरुष रिश्ता खत्म करना चाहते हैं, लेकिन सीधे कहने की हिम्मत नहीं जुटा पाते। ऐसे में उनका व्यवहार बदलने लगता है। वो छोटी-छोटी बातों पर ताने मारते हैं, बिना वजह बहस करते हैं या जानबूझकर सामने वाले को परेशान करते हैं। कई बार उनका मकसद सामने वाले को इतना गुस्सा दिलाना होता है कि वो खुद रिश्ता छोड़कर चला जाए। जब दूसरा इंसान रिएक्शन देता है, तो वही उसे गलत साबित करने की कोशिश भी करते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक ऐसा हर पुरुष नहीं करता, लेकिन कुछ रिश्तों में ऐसा देखने को मिल सकता है।

महिला आखिर चुप क्यों हो जाती है

एक्सपर्ट का कहना है कि कोई भी महिला शुरुआत से चुप नहीं रहती। जब उसे रिश्ता बचाने की उम्मीद होती है, तो वो अपनी बात खुलकर कहती है। नाराज होती है, सवाल पूछती है, बहस भी करती है और हर बार कोशिश करती है कि रिश्ता पहले जैसा हो जाए।

लेकिन जब उसे बार-बार महसूस होने लगता है कि उसकी बात सुनी ही नहीं जा रही, तब धीरे-धीरे उसकी आवाज़ शांत होने लगती है। उसकी ये खामोशी गुस्से से नहीं, बल्कि टूटे हुए भरोसे से पैदा होती है।

यहीं से खत्म होने लगती है उम्मीद

कई लोग सोचते हैं कि अब झगड़े नहीं हो रहे, यानी रिश्ता पहले से बेहतर हो गया है। लेकिन एक्सपर्ट का मानना है कि कई बार यही सबसे बड़ा भ्रम होता है। अगर पहले हर बात पर अपनी बात रखने वाला इंसान अचानक बिल्कुल शांत हो जाए, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए।

हो सकता है उसने मन ही मन फैसला कर लिया हो कि अब खुद की मानसिक शांति और आत्मसम्मान सबसे ज्यादा जरूरी है। कई बार महिला किसी दूसरे इंसान के लिए नहीं, बल्कि खुद को टूटने से बचाने के लिए रिश्ते से दूर हो जाती है।

इस एक गलती से बिखर जाते हैं रिश्ते

हर रिश्ता अलग होता है और हर इंसान की सोच भी अलग होती है। इसलिए किसी एक सलाह को हर रिश्ते पर लागू नहीं किया जा सकता। लेकिन एक बात लगभग हर रिश्ते में सच होती है कि जहां बातचीत खत्म होने लगती है, वहां दूरियां बढ़ने लगती हैं। अगर आपका पार्टनर पहले जैसा नहीं रहा है, तो अंदाजा लगाने के बजाय खुलकर बात करें। कई बार समय रहते की गई एक ईमानदार बातचीत उस रिश्ते को बचा सकती है, जिसे लगातार बढ़ती खामोशी धीरे-धीरे खत्म कर रही होती है।

क्या पति-पत्नी को एक-दूसरे का फोन चेक करना चाहिए?

पति का फोन सामने रखा है, स्क्रीन पर मैसेज की एक झलक दिखी और मन में तुरंत सवाल आया, 'किसका मैसेज है?' अब मन कहता है कि एक बार फोन उठाकर देख ही लेते हैं।

शक होने पर फोन चेक करने का मन करता है

कई बार पार्टनर के व्यवहार में छोटा सा बदलाव भी मन में सवाल खड़े कर देता है। पहले फोन सामने छोड़ने वाला इंसान अचानक उसे हर वक्त अपने पास रखने लगे, मैसेज आते ही स्क्रीन छिपा ले या किसी से बात करने के लिए दूसरे कमरे में चला जाए तो शक होना आम बात ह। लेकिन हर बदलाव का मतलब ये नहीं कि कुछ गलत चल रहा है।

असली रास्ता फोन नहीं, खुलकर बात करना है

अगर पार्टनर के व्यवहार से मन परेशान है तो चुपचाप फोन देखने के बजाय बात करना ज्यादा अच्छा है। सीधे ये कहने के बजाय कि "तुम कुछ छिपा रहे हो", अपनी फीलिंग बताएं। कह सकते हैं, 'तुम आजकल फोन को लेकर थोड़ा अलग व्यवहार कर रहे हो और इससे मुझे अजीब लग रहा है'। इससे सामने वाले को अपनी बात समझाने का मौका मिलेगा।

पासवर्ड पता होना फोन देखने की इजाजत नहीं है

कई पति-पत्नी एक-दूसरे का पासवर्ड जानते हैं। इसमें अपने आप में कुछ गलत नहीं है। अगर दोनों ने अपनी मर्जी से पासवर्ड बताया है तो ये उनके बीच भरोसे की बात हो सकती है। लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि जब मन करे तब फोन खोलकर हर चैट पढ़ ली जाए। पासवर्ड पता होना और फोन देखने की इजाजत मिलना दो अलग बातें हैं। रिश्ते में प्यार है तो सामने वाले की अपनी जगह और उसकी मर्जी की भी इज्जत होनी चाहिए।

प्राइवेसी का मतलब कुछ गलत छिपाना नहीं है

शादी के बाद भी हर इंसान की अपनी थोड़ी सी प्राइवेसी हो सकती है। हो सकता है किसी दोस्त ने अपनी परेशानी बताई हो या परिवार के किसी सदस्य ने कोई निजी बात शेयर की हो। ऐसी हर बात पार्टनर को बताना जरूरी नहीं होता। प्राइवेसी का मतलब ये नहीं कि इंसान कुछ गलत कर रहा है। इसका मतलब सिर्फ इतना है कि रिश्ते में रहते हुए भी दोनों को अपनी थोड़ी जगह मिले।

मिट्टी में हल्दी डालने से क्या होता है? गार्डनिंग में ढेर सारे फायदे और इस्तेमाल करने का सही तरीका

रसोई घर में मौजूद हल्दी सिर्फ खाने का स्वाद और रंग ही नहीं बढ़ाती, बल्कि औषधीय गुणों से भी भरपूर होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यही हल्दी आपके घर में लगे पेड़-पौधों के लिए भी किसी वरदान से कम नहीं है? गार्डनिंग एक्सपर्ट्स के अनुसार, गमले की मिट्टी में थोड़ी सी हल्दी मिलाने से पौधों को संजीवनी मिलती है और वे तेजी से फलते-फूलते हैं।

अक्सर मिट्टी में कीड़े लग जाने या फंगल इंफेक्शन के कारण पौधे सूखने लगते हैं। ऐसे में हानिकारक केमिकल पेस्टिसाइड्स का इस्तेमाल करने के बजाय रसोई की हल्दी का प्रयोग एक प्राकृतिक और सुरक्षित उपाय है। हालांकि फायदा सही तरीके से इस्तेमाल करने पर ही मिलता है जिसके बारे में गार्डनिंग एक्सपर्ट ने जानकारी दी है।

प्राकृतिक फंगीसाइड और शक्तिशाली कीटनाशक

हल्दी में प्राकृतिक रूप से 'करक्यूमिन' नाम का तत्व पाया जाता है, जिसमें एंटी-फंगल, एंटी-बैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं। जब आप गमले की मिट्टी में हल्दी डालते हैं, तो यह मिट्टी के भीतर पनपने वाले हानिकारक कीड़ों, फफूंदी और हानिकारक बैक्टीरिया को जड़ से खत्म कर देती है।

जड़ों को सड़ने से सुरक्षा

गमले के पौधों में जरूरत से ज्यादा पानी डल जाने या जलनिकासी सही न होने के कारण मिट्टी में फंगस लग जाती है। इससे पौधे की बारीक जड़ें गलने और सड़ने लगती हैं, जिससे हरा-भरा पौधा भी अचानक सूखने लगता है। हल्दी मिट्टी की अत्यधिक नमी से पैदा होने वाले फंगल संक्रमण को

रोकती है और जड़ों के चारों ओर एक सुरक्षा कवच बनाकर उन्हें मजबूत और सुरक्षित बनाए रखती है।

पौधों की छंटाई और जख्मों का उपचार

जब सुंदरता या ग्रोथ के लिए पौधों की कटाई-छंटाई करते हैं या गलती से कोई टहनी टूट जाती है, तो पौधे का वह खुला भाग इंफेक्शन के प्रति संवेदनशील हो जाता है। ऐसी स्थिति में कटी हुई टहनी पर या पौधे की जड़ों के पास हल्दी का पाउडर छिड़कने से एक एंटीसेप्टिक मरहम की तरह काम करता है। यह हवा में मौजूद बैक्टीरिया को पौधे के अंदर प्रवेश करने से रोकता है।

चींटियों और दीमक को भगाने में असरदार

कई बार गमले की मिट्टी में लाल या काली चींटियां अपना घर बना लेती हैं और जड़ों को कुतरकर नुकसान पहुंचाती हैं। इसके अलावा मिट्टी में लगने वाली दीमक भी पौधे को अंदर से खोखला कर देती है। हल्दी की तीखी गंध और गुण चींटियों और मिट्टी के छोटे-छोटे कीटों को बिल्कुल पसंद नहीं आते। मिट्टी में हल्दी का छिड़काव करते ही ये कीड़े और चींटियाँ तुरंत गमला छोड़कर भाग जाते हैं।

इस्तेमाल करने का सही और आसान तरीका

गुड़ाई करें- सबसे पहले किसी खुरपी या चम्मच की मदद से गमले की ऊपरी 1-2 इंच मिट्टी की हल्की गुड़ाई कर लें।

हल्दी छिड़कें- एक छोटे गमले के लिए आधा चम्मच और बड़े गमले के लिए एक चम्मच शुद्ध हल्दी पाउडर मिट्टी के चारों तरफ छिड़कें।

मिट्टी में मिलाएं- हल्दी को ऊपरी मिट्टी में अच्छी तरह मिक्स कर दें ताकि यह हवा में उड़े नहीं।

हल्का पानी दें- हल्दी मिलाने के बाद थोड़ा सा पानी डालें ताकि यह घुलकर जड़ों तक पहुँच सके।

नियमित मात्रा और सावधानियों का ध्यान

हालांकि हल्दी पूरी तरह से प्राकृतिक है, लेकिन इसका बहुत अधिक उपयोग करने से मिट्टी का संतुलन प्रभावित हो सकता है। गार्डनिंग एक्सपर्ट्स के अनुसार, गमले में हल्दी का इस्तेमाल महीने में केवल एक बार ही करना चाहिए। सही मात्रा में और सही समय पर उपयोग करने से पौधे को सभी आवश्यक लाभ मिलते हैं और वह तरोताजा, हरा-भरा व बीमारियों से मुक्त रहता है।

डार्क हो गए हैं नकल्स, घुटने और कोहनी तो करें आयुर्वेदिक उपाय

हाथ साफ सुथरे और नकल्स यानी उंगलियों के जोड़ों का रंग काला या गहरा भूरा। यही हाल कोहनी और घुटनों का भी, ऐसा आपके साथ है तो संभव है कि इसे दूर करने के आपने कई तरीके अब तक आजमाए होंगे। लेकिन अगर आराम नहीं आया है तो कुछ आयुर्वेदिक नुस्खे आजमा सकती हैं। आयुर्वेदिक एक्सपर्ट के सुझाए इन नुस्खों में आलू, नींबू का रस, दही जैसी चीजें शामिल हैं जो आसानी से उपलब्ध होती हैं और इन डीआईवाई नुस्खों को अपनाना आसान और सुरक्षित है।

एक्सपर्ट की मानें तो इस कालेपन के पीछे रगड़ या रुखापन ही एक वजह नहीं हो सकती, इसके आलावा विटामिन बी12 की कमी, इंसूलीन रजिस्टेंस जैसे कारण भी शामिल हैं। इसलिए इसे केवल खूबसूरती की नजर से देखना ठीक नहीं। पहले तो यह जानना जरूरी है कि इसके पीछे का कारण क्या हो सकता है। खास तौर पर तब जब अचानक इनका कालापन बढ़ना शुरू हो जाए और इस कालेपन के अलावा कई और लक्षण भी नजर आएं जो किसी खास समस्या की ओर इशारा कर रहे हों। ऐसे में चिकित्सकीय परामर्श जरूरी है। इसके अलावा ज्यादातर मामलों में इन खास जगह की त्वचा का रगड़ खाना कालेपन के पीछे एक बड़ी वजह हो सकती है।

नकल्स, घुटने और कोहनी इसलिए पड़ती है काली

लगातार रगड़ खाने से : अगर आपकी आदत कोहनी को मेज पर टिकाकर बैठने की है, घुटने के बल बैठकर काम करते हैं या ज्यादा जोर से मुट्ठी बंद करते रहते हैं तो नकल्स, कोहनी और घुटनों में कालापन आना शुरू हो सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यहां की त्वचा बाकी त्वचा से अलग होती है। लगातार रगड़ खाने या दबाव पड़ने से ये मोटी होती जाती है। इसे हाइपरकेराटोसिस कहते हैं। मोटी त्वचा गहरे रंग में नजर आती है।

मेलेनिन बढ़ने लगता है : जब बार बार त्वचा पर रगड़ पड़ती है तो वह बचाव के तौर पर इन जगहों पर मेलेनिन का उत्पादन

बढ़ा देती है। यही कारण है कि बाकी त्वचा के मुकाबले यहां की त्वचा गहरे रंग की होती जाती है।

इंसूलीन रजिस्टेंस : अगर बहुत ज्यादा काली होने के साथ इन जगहों पर त्वचा मोटी, वेल्वेट जैसी है तो आपको अपनी जांच करवाने की जरूरत हो सकती है। यह इंसूलीन रजिस्टेंस के कारण भी हो सकता है। इंसूलीन का स्तर खून में बढ़ने पर त्वचा की कोशिकाएं तेजी से बढ़ने लगती हैं और कुछ हिस्सों की त्वचा सामान्य से ज्यादा मोटी हो जाती है।

बी12 की कमी भी करती है नकल्स को काला

विटामिन बी12 की कमी : अगर केवल उंगलियों के नकल्स काले पड़ रहे हैं तो संभव है कि यह आपके शरीर में विटामिन बी12 की कमी के कारण हो। संतुलित आहार और बी12 को पूरा करने वाले पोषण से इसे दूर किया जा सकता है।

हाइपोथायरॉएडिज्म : थायरॉएड की समस्या होने पर त्वचा और शरीर को खुद को रिपेयर करने में समस्या होती है। इससे त्वचा में रूखापन बढ़ता है और वह खुरदुरी होने लगती है। इस कारण नकल्स, कोहनी और घुटने काले पड़ने लगते हैं।

एडिसन डिजीज : एडिसन डिजीज में शरीर में कॉर्टिसॉल हॉर्मोन घटने लगता है और जब शरीर इसकी भरपाई करना चाहता है तो ऐसे हॉर्मोन बनना शुरू हो जाते हैं जो मेलेनिन को बढ़ाते हैं। इस कारण खास तौर पर जोड़ो के ऊपर की त्वचा गहरे रंग की होने लगती है।

नकल्स, कोहनी और घुटनों का कालापन दूर करने के लिए अपनाएं ये आयुर्वेदिक नुस्खे

दही और हल्दी का पैक

दही में मौजूद लैक्टिक ऐसिड डेड स्किन को हटाने में मदद करता है। इसके अलावा हल्दी में करक्यूमिन होता है जो टाइरोसिनेज को कम करता है जो मेलेनिन को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है।

तरीका : दो बड़े चम्मच खट्टा दही और आधा चम्मच हल्दी मिलाकर पेस्ट तैयार करें। इसे नकल्स, घुटनों और कोहनी पर बीस मिनट के लिए मास्क की तरह लगाएं और गुनगुने पानी से धो लें।

नालपामरादि तैलम या यष्टिमधु तैलम

इन तेलों से त्वचा के नेचुरल बेरियर मजबूत बनते हैं। इससे त्वचा को कम नुकसान पहुंचता है और नमी भी बरकरार रहती है जिससे कालापन नहीं आने पाता। इसे गर्म करके लगाने से वात दोष भी दूर होता है।

तरीका : इन तेलों की 5-7 बूंदों को हल्का गुनगुना करें और नकल्स, कोहनी और घुटनों पर करीब दस मिनट तक गोलाकार में मालिश करें। इसके बाद नहाएं।

आलू और नींबू का रस

आलू में कैटेकोलेस एंजाइम होता है जो त्वचा की ब्राइटनिंग करता है। वहीं नींबू में मौजूद साइट्रिक ऐसिड डेड स्किन को हटाने में मदद करता है। इसमें विटामिन सी भी होता है जो मेलेनिन बनाने की प्रक्रिया को कम करने का काम करता है।

तरीका : कच्चे आलू का रस निकालें। जितना रस निकला हो उतना ही नींबू का रस इसमें मिलाएं। रुई की मदद से इसे काले नकल्स, कोहनी और घुटनों पर लगाकर 15 मिनट के लिए रहने दें और फिर धोकर मॉश्चराइजर लगाएं।

बादाम और मलाई

बादाम में विटामिन ई होता है जो शरीर के नेचुरल बेरियर को मजबूत बनाता है। वहीं मलाई त्वचा के रूखेपन को दूर करके लंबे समय तक नमी देती है।

तरीका : पांच बादाम रात भर के लिए भिगो दें। सुबह छिलका उतारकर इसे पीस लें और एक चम्मच मलाई मिलाएं। इस पेस्ट को काले घुटनों, कोहनी और नकल्स पर लगाएं और सूख जाने के बाद दूध से धो लें।

बेसन और ऐलोवेरा

बेसन से डेड स्किन हटाने में मदद मिलती है। ऐलोवेरा में ऐलोइन होता है जो त्वचा का रंग एक समान बनाने में मदद करता है साथ ही यह त्वचा को रिपेयर भी करता है।

तरीका : एक बड़ा चम्मच बेसन लें और उसमें दो बड़े चम्मच ऐलोवेरा मिलाकर पेस्ट बनाएं। इसे काली पड़ी त्वचा पर लगाएं और आधा सूखने पर गोलाकार रगड़कर हटाएं।

रूस ने दिया भरोसा : संकट में भी नहीं रुकेगी भारत को ऊर्जा और उर्वरकों की सप्लाई

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। रूस ने भारत को बड़ा भरोसा दिया है। उसने कहा है कि वह भारत को ऊर्जा और उर्वरकों की सप्लाई बिना किसी रुकावट के जारी रहेगा। इसमें वह किसी भी तरह की अड़चन नहीं आने देगा। इस तरह का आश्वासन तब दिया गया है जब पश्चिम एशिया संकट के कारण रुकावटें पैदा हुई हैं। बीते रोज सोमवार को रूस की राजधानी मॉस्को में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके मुख्य सहयोगियों से मुलाकात की। जयशंकर रूस की दो दिन की यात्रा पर हैं। जयशंकर ने रूस के पहले उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के साथ मिलकर व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक की सह-अध्यक्षता भी की।

ये बैठकें अहम हैं। कारण है कि 12-13 सितंबर को ब्रिक्स नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए पुतिन के नई दिल्ली आने की उम्मीद है। भारत और रूस कई क्षेत्रों में अपने आर्थिक संबंधों को गहरा करने और सहयोग बढ़ाने की कोशिश में जुटे हैं। अपनी शुरुआती बातचीत में जयशंकर ने बढ़ते व्यापार असंतुलन की ओर ध्यान दिलाया। यह 6.6 अरब डॉलर से बढ़कर 50 अरब डॉलर से अधिक हो गया है।

शेयर बाजार में लौटी रौनक
सेंसेक्स में 286 अंक उछाल

इंडिगो 2% चढ़कर हुआ बंद

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। शेयर मार्केट में रौनक लौट चुकी है। आज मंगलवार को सेंसेक्स खुलते ही 200 अंक गिर गया था, जबकि निफ्टी 24150 के नीचे कारोबार करते हुए खुला था, लेकिन अब मार्केट बंद के दौरान उसमें गजब की तेजी दिखी है। 30 शीर्ष शेयरों वाला इंडेक्स सेंसेक्स जहां 286 अंक उछलकर बंद हुआ है, वहीं निफ्टी में 115 अंकों से अधिक की तेजी दिखी है। यह हरे निशान में 24,334.55 के लेवल पर बंद हुआ।

मार्केट बंद के दौरान सेंसेक्स के शीर्ष 30 शेयरों में से इंडिगो में सबसे अधिक 2.05 फीसदी की तेजी दिखी। यह हरे निशान में 5220 के लेवल पर कारोबार करते हुए बंद हुआ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को तेजी दर्ज कर उछाल के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स लगभग 287 अंक (286.98 अंक) या 0.37 फीसदी बढ़कर 77,656.09 पर ट्रेड करते हुए क्लोज हुआ। इसके पिछले कारोबारी सत्र की क्लोजिंग 77,369.11 थी। निफ्टी 0.48 फीसदी यानी कि 115.50 अंक चढ़कर 24,334.55 पर बंद हुआ। इसका पिछले कारोबारी सत्र का बंद 24,219.05 का था।

सेंसेक्स के शीर्ष 30 शेयरों में से 24 में तेजी दिखी। इंडिगो 2.05 फीसदी उछलकर 5220 पर बंद हुआ। अडाणी पोर्ट्स में 1.19 फीसदी की तेजी दिखी और यह हरे निशान

में 1695 के लेवल पर बंद हुआ। इनके अलावा इन्फोसिस में 1.15 फीसदी, ट्रेंट में 1.10 फीसदी, टाइटन में 0.98 फीसदी, एसबीआई में 0.87 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 0.84 फीसदी, टेक महिंद्रा में 0.76 फीसदी, आईटीसी में 0.74 प्रतिशत और आईसीआईसीआई बैंक में 0.64 फीसदी की बढ़त दिखी।

गिरावट वाले शेयरों में इटरनल (0.85%), एचसीएल टेक (0.68%), पावरग्रिड (0.53%), बजाज फिनसर्व (0.29%), एचडीएफसी बैंक (0.26%) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (0.15%) शामिल रहे।

भारतीय करेंसी रुपये का अपडेट

डॉलर के मुकाबले भारतीय करेंसी रुपये में बढ़त दिखी है। भारतीय रुपया दोपहर साढ़े तीन बजे (भारतीय समयानुसार) अमेरिकी डॉलर की तुलना में 0.3 फीसदी मजबूत होकर 95.4075 के लेवल पर पहुंच गया। इसका पिछले कारोबारी सत्र में भाव 95.7450 था।

दिल्ली में 55 रुपये के पार पहुंची प्याज
सरकार रिटेल लेवल पर कदम उठा रही है

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। प्याज की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है। दिल्ली में इसकी खुदरा कीमत 55 रुपये प्रति किलो के पार पहुंच चुकी है। दिल्ली-एनसीआर के ग्राहकों को प्याज की महंगी कीमत से राहत देने के लिए केंद्र सरकार रिटेल लेवल पर कदम उठाने की तैयारी कर रही है। सरकार इस हफ्ते के आखिर में पूरे इलाके में मोबाइल वैन के जरिए 35 रुपये प्रति किलो की सब्सिडी वाली कीमत पर प्याज बेच सकती है। आम तौर पर अगस्त और सितंबर के आसपास प्याज की कीमतें बढ़ती हैं। इसकी वजह मौसमी मांग, मौसम के हालात, सप्लाई-चेन में बदलाव और त्योहारों के दौरान बढ़ी हुई मांग होती है। दिल्ली में प्याज की रिटेल कीमतें बढ़कर लगभग 55 रुपये प्रति किलो हो गई हैं, जबकि पिछले साल इसी समय इसकी कीमत 35 रुपये किलो थी। कीमतों को और बढ़ने से रोकने के लिए, सरकार दिल्ली-एनसीआर में कई जगहों पर सब्सिडी वाला प्याज उपलब्ध कराने की योजना बना रही है।

अधिकारियों के मुताबिक, मोबाइल वैन के लिए सही जगहों का चुनाव अगले कुछ दिनों में किए जाने की उम्मीद है। केंद्र सरकार ने पहले भी सप्लाई बेहतर करने और कीमतों को काबू में रखने के लिए इसी तरह के कदम उठाए हैं। रिटेल बिक्री के अलावा, केंद्र ने प्याज को मुख्य उत्पादक इलाकों से बड़े खपत वाले केंद्रों तक पहुंचाने की कोशिशें भी तेज कर दी हैं।

सोमवार को सरकार ने महाराष्ट्र के नासिक से दिल्ली, चेन्नई, कोच्चि, मदुरै और गुवाहाटी तक प्याज पहुंचाने के लिए 'कांदा एक्सप्रेस' ट्रेनें चलानी शुरू कीं। सरकार की प्राथमिकता देश की बड़ी मंडियों में प्याज की मात्रा बढ़ाना है ताकि थोक कीमतें कम करने में मदद मिल सके। अधिकारियों को उम्मीद है कि इससे आखिरकार दिल्ली-एनसीआर में रिटेल कीमतें कम हो सकती हैं।

आशीर्वाद आटा का लाइसेंस रद्द करने पर हाईकोर्ट की रोक
100% आटा लिखने पर एफएसएसएआई ने नोटिस भेजा था, 9 सितंबर को अगली सुनवाई होगी

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने आज 25 अगस्त को आशीर्वाद आटे का लाइसेंस रद्द करने के एफएसएसएआई के फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह मामला आईटीसी के 'आशीर्वाद एमपी चक्की आटा' की पैकिंग से जुड़ा है। आईटीसी अपने पैकेट और प्रमोशन में 100% आटा जैसे लेबल का इस्तेमाल कर रहा था। एफएसएसएआई का मानना है कि ऐसे लेबल का इस्तेमाल उसकी मई 2025 की एडवाइजरी के नियमों के खिलाफ है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने आईटीसी लिमिटेड को क्या और क्यों राहत दी है?

दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस स्वरना कांता शर्मा ने एफएसएसएआई को निर्देश दिया है कि वह आईटीसी लिमिटेड के फूड बिजनेस लाइसेंस को रद्द करने के संबंध में फिलहाल कोई भी फैसला न ले। आईटीसी ने कोर्ट को बताया था कि एफएसएसएआई के 13 अगस्त को

जारी किए गए इम्प्रूवमेंट नोटिस के पालन की अंतिम तारीख 28 अगस्त को खत्म हो रही थी। अगर कोर्ट से राहत नहीं मिलती तो कंपनी के लाइसेंस पर तलवार लटक सकती थी। इसलिए कोर्ट ने 28 अगस्त से पहले ही अंतरिम संरक्षण दे दिया।

यह मामला आईटीसी के प्रमुख उत्पाद 'आशीर्वाद एमपी चक्की आटा' की पैकिंग और उसके विज्ञापनों से जुड़ा है।

आईटीसी अपने पैकेट और प्रमोशन में तीन मुख्य दावे करता है: 100% आटा, 100% मध्य प्रदेश गेहूं, 0% मैदा। एफएसएसएआई का मानना है कि '100%' जैसे शब्दों का लेबल पर इस्तेमाल उसकी मई 2025 की एडवाइजरी के नियमों के खिलाफ है। एफएसएसएआई ने मई 2025 में एक एडवाइजरी जारी की थी। इसमें खाद्य कंपनियों को उत्पाद के लेबल, पैकेजिंग और प्रचार सामग्री में 100% शब्द का इस्तेमाल बंद करने के लिए कहा गया था। एफएसएसएआई का तर्क है कि ऐसे दावे उपभोक्ताओं को भ्रमित कर सकते हैं।

एफएसएसएआई ने सबसे पहले 10 अगस्त को आईटीसी को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया। इसमें 30 दिनों के भीतर जवाब मांगा। हालांकि, इसके महज 3 दिन बाद ही 13 अगस्त को एफएसएसएआई की क्षेत्रीय अथॉरिटी ने एक 'इम्प्रूवमेंट नोटिस' जारी किया और आईटीसी को अनुपालन के लिए 15 दिन का समय दिया।

प्राकृतिक न्याय का उल्लंघन: कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के लिए 30 दिन दिए गए थे, लेकिन उससे पहले ही 15 दिन की समय सीमा वाला इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी कर दिया गया।

चीनी की कीमतें रिकॉर्ड हाई से 18% तक घटीं
कारखाने से निकलने वाली चीनी का भाव 55रु./किग्रा पर आया, खुदरा बाजार में भी जल्द सस्ती होगी

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। सरकार की ओर से चीनी के आयात को अनुमति दिए जाने के बाद दाम 18% तक गिरकर 55 प्रति किलो पर आ गए हैं। ये एक्स-मिल यानी कारखाने से निकलने वाले दाम है। पिछले हफ्ते चीनी का भाव 67 प्रति किलोग्राम के ऑल-टाइम हाई स्तर पर पहुंच गया था। केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बताया कि सरकार ने चीनी की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए कई अहम कदम उठाए हैं। हाल ही में केंद्र सरकार ने 10 लाख टन कच्चे चीनी के आयात की अनुमति दी थी।

इसके अलावा, बड़े खरीदारों पर स्टॉक लिमिट लागू की गई है और राज्यों को जमाखोरी रोकने के निर्देश दिए गए हैं। प्रकाश नाइकनावरे के अनुसार, आमतौर पर एक्स-मिल रेट और थोक बाजार की कीमत में 2 से 3 रुपये प्रति किग्रा का अंतर होता है। वहीं, एक्स-मिल और खुदरा बाजार की दरों में 7 से 8 रुपये प्रति किग्रा का अंतर रहता है। फिलहाल खुदरा बाजार में ग्राहकों को पूरी राहत नहीं मिली है।

दैनिक पंचांग

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह	मे	सिंह	05-28 बजे
चंद्र	मकर	मे	कन्या	07-34 बजे
मंगल	मिथुन	मे	तुला	08-38 बजे
बुध	सिंह	मे	वृश्चिक	11-49 बजे
गुरु	कर्क	मे	धनु	14-04 बजे
शुक्र	कन्या	मे	मकर	16-08 बजे
शनि	मीन	मे	कुंभ	18-00 बजे
राहु	कुंभ	मे	मीन	19-37 बजे
केतु	सिंह	मे	मेष	21-13 बजे
			वृष	22-56 बजे
			मिथुन	01-00 बजे
			कर्क	03-16 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् -**1948,** सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -**2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्योदय **06-01** सूर्यास्त **18-42**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - श्रावण शुक्ल पक्ष बुधवार **26 August 2026**
तिथि - त्रयोदशी **07-59** तक उपरान्त त्रयोदशी
नक्षत्र - श्रवण **00-48** रात्रि तक उपरान्त धनिष्ठा
योग - सौभाग्य **07-59** तक उप शोभन
करण - तैतिल **07-59** तक उप गर

विशेष: ऋगवेदी उपाकर्म

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल
12-18 से
13-52 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र **Ph 9247132654**

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
लाभ **06-01 - 07-36** शुभ	उत्पात**18-42 - 19-59** अशुभ
अमृत **07-36 - 09-10** शुभ	शुभ. **19-59 - 21-26** शुभ
काल **09-10 - 10-44** अशुभ	अमृत **21-26 - 22-52** शुभ
शुभ. **10-44 - 12-18** शुभ	चंचल **22-52 - 00-18** शुभ
रोग **12-18 - 13-52** अशुभ	रोग **00-18 - 01-44** अशुभ
उत्पात**13-52 - 15-26** अशुभ	काल **01-44 - 03-10** अशुभ
चंचल **15-26 - 16-59** शुभ	लाभ **03-10 - 04-36** शुभ
लाभ **16-59 - 18-42** शुभ	उत्पात**04-36 - 06-01** अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,): बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आपके किसी करीबी के जीवन में कुछ समस्याएँ चल रही हैं और आज आपको उनकी बात सहानुभूति से सुननी पड़ेंगी । ऐसा हो सकता है की आप इस आदमी की बातों से निराश और बेचैन सा अनुभव करें ,लेकिन आपको बिना किसी आलोचना के इस आदमी की सहायता करनी चाहिए । इससे आपके जीवन की बहुत महत्वपूर्ण दोस्ती या साझेदारी भी प्रभावित होगी ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): आज का दिन अपने जीवन की वर्त्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है । अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे जिससे आपके ये अधूरे काम संतोषजनक ढंग से पूरे हो पायेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ । इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आपकी सफलता हासिल करने की इच्छा आज और बलवती होती जायेगी । आप आज अपनी लिखित और वक्ता कला में सुधार के लिए कोशिश कर सकते हैं । सफलता के लिए महत्वपूर्ण टिप्स पढ़ें या किसी कुशल आदमी से मार्गदर्शन ले लें । हालाँकि इन सबके चक्कर में उनकी भी उपेक्षा ना करें जो लम्बे समय से आपके ध्यान और समय की प्रतीक्षा में हैं ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): छोटी छोटी परेशानियां और असहमतियां दिन भर सामने आती रहेंगी । आपको इन छोटी छोटी बातों की उपेक्षा कर देनी है,नही तो आप अपनी मानसिक शांति को नष्ट कर लेंगे । अपनी समस्याएँ किसी के साथ बांटने की कोशिश करें,आपको अच्छा अनुभव होगा । एकांत की गतिविधियाँ आज बहुत अच्छी रहेंगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आज चलते हुए सावधान रहें । हलकी खरोचें आ सकती हैं । न चाहते हुए भी आप किसी करीबी को बातों-बातों में नाराज कर सकते हैं । आज केवल अपने काम से ही मतलब रखना उपयुक्त रहेगा । सिनेमा या किसी और मनोरंजक कार्यकलाप में समय बिता सकते हैं । आप अपने व्यस्त जीवन में भी सही तरीके से व्यवस्था बनाये रखने की अपनी काबिलियत को तभी तक बनाये रख सकते हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): प्रयास करने वाले भी पहले व्यक्ति बनें और उसका श्रेय लेने में भी आगे रहें । अपने आप को ज्यादा ना थकाएं और कम महत्वपूर्ण विषयों के लिए अधिक मेहनत ना करें । दूसरों को अच्छी ना लगने वाली बातें कहकर उनका दिल ना दुखाएं । आज आप ख़ुशी मनाने के मूड में अधिक रहेंगे लेकिन आपको यह भी समझना चाहिए।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थिति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे । यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे । आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है । लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी तो लोग इसे सुलझाने में आपकी भूमिका की भी प्रशंसा करेंगे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): गृहों की स्थिति ऐसी है कि आपको अप्रत्याशित बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है ,पिछले कुछ समय से आप बहुत अच्छी स्थिति में हैं और फिलहाल ऐसा कुछ भी नही है जो परेशानी पैदा करने वाला दीखता हो । लेकिन आज ऐसी बढ़ाएं और परेशानियां पैदा होने वाली हैं जो आपके काम और मूड दोनों को ही प्रभावित करेंगी।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आज बोलने में सावधानी रखें । आप जिसे अपना करीबी समझते हैं,वो आपकी गुप्त बात को उजागर कर सकता है । बोलने से पहले सोच लें,अपनी बातचीत का विषय अपने और सामने वाले तक ही सीमित रखें । किसी तीसरे के बारे में बात करने से बचें । किसी दूसरे शहर की यात्रा और इसके दौरान किसी पुराने दोस्त से मुलाकात की सम्भावना है,पुराने पलों को याद करेंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): आप अपने विस्तृत होते हुए परिवेश के बारे में बहुत अच्छा अनुभव करेंगे लेकिन आपके परिजन इसी को लेकर निराश होंगे । जो आप करना चाहते हैं ,उसके लिए स्वयम को समर्पित कर दें । पर्दे के पीछे काम न करें,आप जो भी कर रहे हैं,उसके बारे में जानने दें । अपनी जीवन में आये किसी नए दोस्त से आपको काफी लगाव का अनुभव होगा ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

गूगल ने प्ले स्टोर से हटाए 3 फर्जी लोन एप्स
डेटा चोरी और भारी ब्याज वसूलने की शिकायत पर एक्शन, सुरक्षित एप चुनने का तरीका

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। गृह मंत्रालय की शिकायत पर गूगल ने 3 और फर्जी लोन एप्स को प्ले स्टोर से हटा दिया है। इस महीने में अब तक 9 ऐसे ठग एप्स बंद कराए जा चुके हैं। ये एप्स न सिर्फ आपकी निजी जानकारी चुराते हैं, बल्कि लोन देने के बाद बहुत ज्यादा ब्याज मांगते हैं और प्रताड़ित करते हैं।

गृह मंत्रालय की साइबर सुरक्षा टीम (I4C) ने 19 अगस्त को गूगल को एक नोटिस भेजकर 3 फर्जी लोन ऐप्स को तुरंत हटाने के लिए कहा। इन 3 एप्स के नाम हैं: होराइजन कैश सर्विस, मनी स्कोर मॉनिटर, और जेलीक्रेडिट। आरोप है कि ये एप्स कम ब्याज पर 5 मिनट में लोन देने का लालच देकर लोगों को फंसाते थे और बाद में उनसे भारी-भरकम ब्याज और पेनाल्टी वसूलते थे।

जैसे ही कोई यूजर इन एप्स को फोन में डाउनलोड करता था, ये एप्स चुपके से फोन की पूरी जानकारी चुरा लेते थे। इनमें पहचान पत्र, बैंक खाते से जुड़ी जानकारी, फोन में मौजूद कांटेक्ट लिस्ट (रिश्तेदारों और दोस्तों के नंबर), फोटो गैलरी और कैमरे का एक्सेस शामिल है। बाद में ये ठग इसी जानकारी का इस्तेमाल करके लोगों को ब्लैकमेल करते थे।

सरकारी एजेंसी ने गूगल को नोटिस मिलने के सिर्फ 3 घंटे के भीतर इन तीनों एप्स को प्ले स्टोर से हटाने का आदेश दिया था। यह कार्रवाई सूचना प्रौद्योगिकी कानून की धाराओं के तहत की गई है। गूगल ने सरकार के आदेश को तुरंत मानते हुए इन तीनों एप्स को प्ले स्टोर से हटा दिया है। हां, इससे पहले 7 अगस्त को भी सरकार ने गूगल को 6 फर्जी लोन एप्स हटाने को कहा था। उन एप्स के नाम थे: लोन ऑर्बिट, हिसाब, नेक्स्स लोन, वन फंड, क्रेडिट फैक्टर और मोबाइल क्रेडिड। यानी केवल अगस्त में ही कुल 9 एपर को बंद किया है जो आम लोगों को अपना शिकार बना रहे थे।

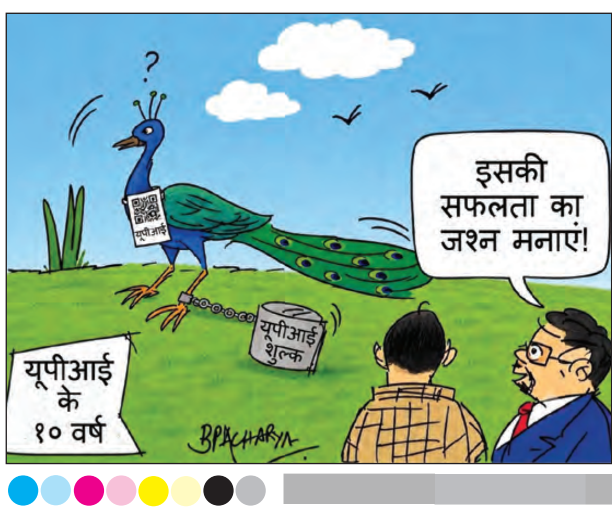

जापान से बढ़ता व्यापार घाटा चिंताजनक
फिक्की अध्यक्ष गोयनका ने की बाजार में पहुंच बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। फिक्की के अध्यक्ष अनंत गोयनका ने मंगलवार को जापान के साथ बढ़ते व्यापार घाटे पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने भारतीय निर्यातकों के लिए बेहतर बाजार पहुंच की मांग की। गोयनका ने टोक्यो में भारतीय प्रमाणन को अधिक मान्यता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियों को जापानी बाजार में प्रवेश में कठिनाई हो रही है। फिक्की भारत का सबसे पुराना और सबसे बड़ा शीर्ष व्यापारिक संगठन है, इसका पूरा नाम 'फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री' है।

गोयनका ने बताया कि भारत का जापान के साथ व्यापार मुख्य रूप से एकतरफा बढ़ा है। भारतीय फार्मा कंपनियों को जापान में अपने उत्पादों को पंजीकृत करने में विशेष दिक्कतें आ रही हैं। उन्होंने इसे एक बड़ी चुनौती बताया, जिसे हल करना आवश्यक है। फिक्की अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय उद्योग जापान में भारतीय प्रमाणन की मान्यता चाहता है। उन्होंने सुझाव दिया कि इन मुद्दों को भारत-जापान मुक्त व्यापार

समझौते की व्यापक समीक्षा के बाहर भी सुलझाया जा सकता है। दोनों देशों के बीच दोतरफा वाणिज्य 2025-26 में 9.18 फीसदी बढ़कर 27.47 अरब रुपये हो गया। यह 2024-25 में 25.16 अरब रुपये था। 2025-26 में निर्यात 6.03 अरब रुपये और आयात 21.43 अरब रुपये रहा। गोयनका RPG ग्रुप के उपाध्यक्ष भी हैं, जो 5.2 अरब रुपये का एक समूह है।

दोनों देशों के बीच व्यापार घाटा पिछले वित्त वर्ष (2025-26) में 15.4 अरब रुपये तक पहुंच गया। यह 2024-25 में 12.66 अरब रुपये था। 2023-24 में यह 12.53 अरब रुपये और 2022-23 में 11 अरब रुपये था। गोयनका ने कहा कि जापानी बाजार में प्रवेश के लिए गुणवत्ता मानकों को पूरा करना कठिन है। उन्होंने जापानी कंपनियों के उत्पादों को खरीदने के सांस्कृतिक पक्षपात का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन बाधाओं को दूर करना द्विपक्षीय व्यापार को संतुलित करने के लिए महत्वपूर्ण है। भारतीय निर्यातकों के लिए कठोर प्रमाणन और नियामक आवश्यकताएं प्रमुख चिंताएं हैं। फार्मा कंपनियों को जापानी बाजार में अपने उत्पाद पंजीकृत करने में विशेष कठिनाई हो रही है। गोयनका ने कहा कि भारतीय प्रमाणन को जापान में मान्यता मिलने से बाजार पहुंच में सुधार होगा। उन्होंने बताया कि भारतीय विनिर्माण को जापानी मानकों के अनुरूप गुणवत्ता बढ़ानी होगी।

रिटायरमेंट की सीक्रेट फंड प्लानिंग: क्या हर महीने 1000 रुपये निवेश से बन सकते हैं 6.73 लाख रुपये?

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। ऐसा नहीं है कि किसी की लाखों की सैलरी है और रिटायरमेंट के बाद केवल वह ही अच्छे से जिंदगी जीएगा या फिर रिटायरमेंट के बाद उसको पैसे की कोई दिक्कत नहीं होगी। हां, यह बात सही हो सकती है कि जिसकी लाखों रुपये की सैलरी है वह चाहें तो अपनी रिटायरमेंट वाली जिंदगी को बिना किसी आर्थिक दिक्कतों के साथ जी सकता है, लेकिन यहां हर महीने केवल हजार रुपये भी बचाकर जिंदगी को पैसों के मामले में बेहतर बनाया जा सकता है।

हम यहां एक ऐसी सरकारी योजना के बारे में बात कर रहे हैं, जिसमें केवल 1000 रुपये प्रति महीने निवेश करके रिटायरमेंट के बाद पैसों की दिक्कत को दूर किया जा सकता है।

भारत सरकार के द्वारा नेशनल पेंशन सिस्टम चलाई जाती है। यह लंबी अवधि के लिए एक रिटायरमेंट बचत योजना है। इसमें कोई भी पात्र भारतीय 18 साल की उम्र से लेकर 70 साल की आयु तक निवेश कर सकता है। इसके जरिए अगर आप एक हजार रुपये हर महीने 20 वर्षों तक जमा करते हैं, तो यह 6.73 लाख रुपये का रिटायरमेंट फंड बन सकता है। आइए इसके गणित को आसानी से समझते हैं। उदाहरण के तौर पर मान लीजिए कि अगर कोई निवेशक नेशनल पेंशन सिस्टम के जरिए हर महीने 1000 रुपये की राशि 20 वर्षों तक निवेश करता है। इस राशि पर संभावित सालाना रिटर्न 9 फीसदी का है। इस हिसाब से वह इन 20 वर्षों में कुल 2.40 लाख रुपये जमा करेगा। इस निवेश पर यदि उसे औसतन 9 फीसदी का वार्षिक रिटर्न मिलता है, तो यह निवेश बढ़कर लगभग 6.73 लाख रुपये हो सकता है। ऐसे में रिटायरमेंट के समय अच्छी-खासी रकम बन जाएगी, जो निवेशक को बुढ़ापे के समय काफी मदद कर सकती है।

"51 हज़ार से ज्यादा हस्ताक्षर...!"

मदन राठौड़ और गोविंद सिंह डोटासरा के सामने चुनौतीपूर्ण टारगेट

जयपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में आगामी नगर निकाय और पंचायती राज आम चुनावों का बिगुल बजते ही राजनीतिक दलों में हलचल तेज हो गई है। प्रदेश की 309 नगरीय निकायों के कुल 10,245 वार्डों में पार्टी प्रत्याशियों को अधिकृत सिंबल (चुनाव चिह्न) जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एक तरफ जहां सभी जिलों में टिकट के दावेदारों के नामों पर मंथन किया जा रहा है और सूचियां फाइनल की जा रही हैं, वहीं दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्षों पर सिंबल फॉर्म्स पर दस्तखत करने का जबरदस्त दबाव आ गया है। इस पूरी चुनावी प्रक्रिया में दोनों ही प्रमुख दलों के प्रदेशाध्यक्षों को 51,000 से ज्यादा स्थानों पर अपने हस्ताक्षर करने होंगे।

जयपुर स्थित पार्टी मुख्यालयों से लेकर जिलों तक में सिंबल वितरण की रणनीति तैयार की जा रही है, क्योंकि चुनावी समय सारणी के अनुसार नामांकन की प्रक्रिया केवल दो दिन बाद यानी 27 अगस्त से शुरू होने जा रही है।

राजस्थान के निकायों में वार्डों की विशाल संख्या के चलते संगठन स्तर पर कागजी औपचारिकताएं भी भारी-भरकम हो गई हैं। राज्य की 309 निकायों में कुल 10,245 वार्ड हैं। चुनावी नियमों और पार्टी की आधिकारिक प्रक्रिया के तहत किसी भी एक प्रत्याशी को अधिकृत सिंबल फॉर्म जारी करते समय उस फॉर्म पर अलग-अलग 5 जगहों पर प्रदेशाध्यक्ष के हस्ताक्षर की जरूरत होती है।

गणित के हिसाब से यदि 10,245 वार्डों में अधिकृत प्रत्याशियों के फॉर्म तैयार किए जाएं, तो कुल मिलाकर 51,225 बार हस्ताक्षर करने होंगे। कांग्रेस पार्टी में से ही सिंबल फॉर्म्स पर दस्तखत कराने और सूचियां तैयार करने का काम शुरू कर दिया गया है, जबकि भाजपा मुख्यालय में भी इस विशालकाय कार्य को समय रहते पूरा करने की तैयारियां तेजी से चल रही हैं।

दोनों ही प्रमुख दलों में टिकट वितरण की प्रक्रिया के साथ-साथ यह हस्ताक्षर अभियान भी समानांतर रूप से चलेगा। प्रदेशाध्यक्षों द्वारा सिंबल फॉर्म पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद इन अधिकृत पत्रों को सीलबंद लिफाफों में जिला मुख्यालयों और क्षेत्रीय प्रभारियों को भेजा जाएगा। इसके बाद जिला स्तर पर बने कंट्रोल रूम से संबंधित प्रत्याशियों को फॉर्म वितरित किए जाएंगे, ताकि वे रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष अपना नामांकन दाखिल कर सकें।

जिलों में भी स्क्रीनिंग कमेटियों की लगातार बैठकें चल रही हैं, जिससे नामांकन के आखिरी दिन तक किसी भी वार्ड में अधिकृत सिंबल को लेकर असमंजस की स्थिति न बने।

नशे के खिलाफ राज्यपाल का एलान

ऊपर-ऊपर की कार्रवाई नहीं, नेटवर्क की जड़ तक पहुंचें

दौसा, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को दौसा कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों की बैठक लेकर नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने एसपी पीयूष दीक्षित से कहा कि नशे के खिलाफ केवल ऊपर-ऊपर की कार्रवाई नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसके नेटवर्क की जड़ तक पहुंचकर कार्रवाई की जाए।

बैठक में राज्यपाल ने सबसे पहले जिले में टीबी की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने CMHO को निर्देश दिए कि जिले में सभी टीबी मरीजों का समय पर पूरा इलाज सुनिश्चित किया जाए। कोई भी गंभीर मरीज इलाज से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने टीबी मुक्त दौसा को लक्ष्य बनाकर काम करने के निर्देश दिए।

इसके बाद राज्यपाल ने नशा मुक्ति अभियान की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि दौसा को नशा मुक्त बनाना है तो नशीले पदार्थों के स्रोत को बंद करना होगा। स्कूल-कॉलेजों के 100 मीटर के दायरे में नशीले पदार्थों की बिक्री बिल्कुल नहीं होनी चाहिए। पुलिस लगातार निगरानी रखे और नशे के सौदागरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे।

उन्होंने कहा कि सरकारी विभाग भी अपने कर्मचारियों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करें। युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के साथ ही उनके मन में नशे के प्रति नफरत पैदा करने की जरूरत है।

बैठक के अंत में राज्यपाल ने शिक्षा विभाग की समीक्षा की। उन्होंने डीईओ से शिक्षक-छात्र अनुपात और खाली पदों की जानकारी ली। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे हमेशा 'मैं शिक्षक हूं' की भावना मन में रखें। कोई भी बच्चा ड्रॉपआउट न हो और NEET-JEE जैसी परीक्षाओं में अधिक से अधिक विद्यार्थियों का चयन हो, इसके लिए प्रयास किए जाएं। बैठक में जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा, एसपी पीयूष दीक्षित, ADM अरविंद शर्मा, जिला परिषद CEO बिरदी चंद गंगवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कोई बालिग लड़का-लड़की साथ रहना चाहे तो?

मंत्री जोगाराम ने बताया क्या होंगे अधिकार

जयपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने राज्य में एक समान कानून व्यवस्था लागू करने के उद्देश्य से यूनिफॉर्म सिविल कोड विधेयक को विधानसभा में पेश कर दिया है। यह कानून लागू होने के बाद प्रदेश में जन्मे प्रत्येक नागरिक पर समान रूप से प्रभावी होगा। इस विधेयक का मुख्य ध्येय जाति, धर्म या पंथ के आधार पर नागरिकों के अधिकारों में होने वाले अंतर को समाप्त करना है।

कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने विधेयक के प्रावधानों पर बात करते हुए कहा कि यह बिल भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 की भावना और संविधान निर्माताओं की मूल सोच के बिल्कुल अनुकूल है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार का मानना है कि सभी नागरिकों के लिए एक समान विधिक व्यवस्था होना समय की मांग है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कानून किसी भी धर्म या

समुदाय के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह सभी वर्गों के हितों की रक्षा के लिए तैयार किया गया है। आगामी सत्र में इस पर विस्तृत चर्चा होगी।

विधेयक में लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर बनाए गए नियमों पर मंत्री जोगाराम पटेल ने स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि लिव-इन को लेकर फैलाई जा रही भ्रांतियों के विपरीत, बिल में केवल एक पारदर्शी प्रक्रिया तय की गई है ताकि संविधान प्रदत्त स्वतंत्रता का गलत इस्तेमाल न हो।

आयु सीमाः लिव-इन में रहने वाले दोनों पार्टनर की न्यूनतम आयु 21 वर्ष होना अनिवार्य होगी।

अनिवार्य रजिस्ट्रेशनः लिव-इन संबंध में रहने के 1 महीने (30 दिन) के भीतर इसका पंजीकरण कराना जरूरी होगा।

पंजीकरण प्रक्रियाः सरकार इसके लिए ऑनलाइन पोर्टल, इलेक्ट्रॉनिक रजिस्टर और स्थानीय रजिस्ट्रार की व्यवस्था करेगी।

जांच और सत्यापनः रजिस्ट्रार को आवेदन की जांच करने, दोनों पक्षों को बुलाने तथा सही पाए जाने पर प्रमाण पत्र जारी करने का अधिकार होगा। संदिग्ध मामलों में रजिस्ट्रेशन रद्द किया जा सकता है, जिसका लिखित कारण बताना होगा।

अपील का अधिकारः यदि कोई जोड़ा रजिस्ट्रेशन निरस्त होने से असंतुष्ट रहता है, तो वह महा-रजिस्ट्रार के समक्ष अपील दायर कर सकेगा।

इस कानून का मकसद लिव-इन संबंधों को कानूनी दायरे में लाकर सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।

मामूली स्पेलिंग की गलती पर छात्र का करिअर बर्बाद न करें, नीट छात्र को कोर्ट से राहत

जयपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने नीट यूजी के एक सफल अभ्यर्थी को राहत देते हुए संबंधित अधिकारियों को उसकी काउंसलिंग प्रक्रिया बिना किसी बाधा के पूरी करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि पिता के उपनाम में लिपिकीय अंतर या मामूली स्पेलिंग की गलती के आधार पर किसी योग्य विद्यार्थी को प्रवेश से वंचित नहीं किया जा सकता। उच्च न्यायालय ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) और नीट काउंसलिंग समिति को निर्देश दिया कि छात्र को मेडिकल कॉलेज में प्रवेश की प्रक्रिया से बाहर न किया जाए।

याचिकाकर्ता छात्र ने नीट यूजी परीक्षा में अच्छे अंक हासिल कर मेरिट सूची में स्थान बनाया था। हालांकि, ऑनलाइन आवेदन पत्र और 10वीं व 12वीं की अंकसूची में उसके पिता के उपनाम की स्पेलिंग में अंतर था। इसी तकनीकी अंतर के चलते काउंसलिंग प्राधिकारियों ने उसकी उम्मीदवारी निरस्त करने की बात कही थी। इसके बाद छात्र ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याचिका में बताया गया कि छात्र के सभी शैक्षणिक दस्तावेज प्रमाणिक हैं और केवल पिता के नाम की स्पेलिंग में अंतर के कारण उसे मेडिकल क्षेत्र में जाने से रोकना उचित नहीं है।

मामले की सुनवाई के दौरान राजस्थान हाईकोर्ट की एकल पीठ ने कहा कि प्रशासनिक संस्थाओं को छात्रों के भविष्य से जुड़े मामलों में संवेदनशील और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। अदालत ने पाया कि अभ्यर्थी की पहचान, शैक्षणिक रिकॉर्ड और प्राप्त अंकों को लेकर कोई संदेह नहीं है।

हनुमान बेनीवाल ने कहा, लंबित बेरोजगारी भत्ते का तत्काल भुगतान करे राजस्थान सरकार, अशोक गहलोत भी बोले बड़ी बात

जयपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। भजनलाल सरकार हर माह पूरे राजधान में अधिकतम 2 लाख बेरोजगारों को भत्ता देती है। इस पर करीब 60 करोड़ रुपए खर्च होते हैं। पर बीते 7 महीनों से युवा बेरोजगारी भत्ते का इंतजार कर रहे हैं। पर भत्ता नहीं मिला है। इन युवाओं की परेशानी को समझते हुए आरएलपी सुप्रीमो व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने चिंता जताई और सीएम भजनलाल से अपील की कि रुका हुआ बेरोजगारी भत्ता तत्काल रिलीज करे। इसी मुद्दे पर कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने सरकार को घेरते हुए कहा कि मोदी की गारंटी दम तोड़ती नजर आ रही है। आरएलपी सुप्रीमो व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि प्रदेश के करीब 2 लाख युवा बीते 7 महीनों से बेरोजगारी भत्ते का इंतजार कर रहे हैं, जबकि सरकार की योजना के तहत पात्र युवाओं को हर माह आर्थिक सहायता देने का प्रावधान है। दूसरी ओर, कई जिलों में युवाओं को कई महीनों से भुगतान नहीं मिला है। सांसद हनुमान बेनीवाल ने आगे लिखा कि यह सिर्फ भत्ते की राशि का सवाल नहीं है, बल्कि उन युवाओं के सम्मान और उनके भविष्य का सवाल है, जो रोजगार की तलाश में संघर्ष कर रहे हैं। मैं प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से अपील करता हूं कि राज्य सरकार तत्काल लंबित बेरोजगारी भत्ते का भुगतान करे और सभी पात्र बेरोजगार युवाओं को समय पर भत्ता देना सुनिश्चित करे। सरकार युवाओं को आंकड़ों और घोषणाओं में नहीं, रोजगार और आर्थिक सहारे के रूप में न्याय दे।

कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि राजस्थान के अलग-अलग जिलों से आ रही इन खबरों से स्पष्ट है कि भाजपा सरकार बेरोजगारी भत्ता योजना को भी बाकी योजनाओं की तरह अनौपचारिक रूप से बंद करने के रास्ते पर है। प्रदेश के करीब 2 लाख बेरोजगार युवा 7 महीने से मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के तहत मिलने वाले 4,000 रुपए के भत्ते के लिए तरस रहे हैं, 17 जिलों में तो मार्च तक की ही राशि पहुंच पाई है।

चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद गारंटी दी थी कि कांग्रेस सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं बंद नहीं होंगी। आज वही मोदी की गारंटी दम तोड़ती नजर आ रही है, योजनाओं को औपचारिक रूप से बंद करने की हिम्मत नहीं, इसलिए भुगतान रोककर चुपचाप खत्म किया जा रहा है। यह लापरवाही नहीं, बेरोजगार युवाओं के साथ खुला विश्वासघात है। जो सरकार खुद प्रधानमंत्री की दी गई गारंटी तक नहीं निभा सकती, वह बेरोजगार हितैषी होने के दावे किस मुंह से करती है? सरकार तुरंत सभी बकाया भत्ते जारी करे और सुनिश्चित करे कि आगे समय पर भुगतान हो।

त्योहारी सीजन में मिलावट रोकने को विभाग की विशेष कार्रवाई, तीन प्रतिष्ठानों से नमूने लिए

कोटपूतली-बहरोड़, 25 अगस्त (एजेंसियां)। त्योहारी सीजन में मिठाइयों और खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने जिले में निगरानी और जांच अभियान तेज कर दिया है। जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष सिंह शेखावत के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कोटपूतली शहर में मिठाई की दुकानों और गोदामों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए।

अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने कोटपूतली स्थित मैसर्स जोधपुर मिष्ठान भंडार का निरीक्षण किया। यहां से मिश्रित मावा एवं मावा के नमूने लिए गए। इसके बाद टीम ने मैसर्स राजस्थान स्वीट्स के गोदाम और दुकान का निरीक्षण किया तथा वहां तैयार किए जा रहे मिल्क केक का नमूना लिया। इसी क्रम में मैसर्स गोवर्धन स्वीट्स के गोदाम का निरीक्षण कर मिल्क केक का नमूना लिया गया।

खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से लिए गए सभी नमूनों को जांच के लिए भेजा जाएगा। अधिकारियों के अनुसार जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विभाग की इस कार्रवाई से त्योहारी सीजन में मिठाई और अन्य खाद्य सामग्री बेचने वाले प्रतिष्ठानों में भी गुणवत्ता और स्वच्छता को लेकर सतर्कता बढ़ने की उम्मीद है।

बांसवाड़ा तहसील कार्यालय में एसीबी का ट्रैप

वरिष्ठ सहायक समेत तीन रिश्वत लेते गिरफ्तार

बांसवाड़ा, 25 अगस्त (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की बांसवाड़ा इकाई ने जिले के बागीदौरा तहसील कार्यालय में ट्रैप कार्रवाई की। टीम ने वरिष्ठ सहायक योगेंद्र सिंह भाटी और उसके दो दलालों को 4 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। रजिस्ट्री को रजिस्टर्ड मॉर्टगेज करने की एवज में रिश्वत मांगी गई थी।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अनुसार, एसीबी बांसवाड़ा इकाई को एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी। उसने बताया कि वह एक फाइनेंस कंपनी में कार्यरत है। उसकी कंपनी की ओर से गृह ऋण दिया जाता है। आवेदकों को गृह ऋण स्वीकृत करने से पहले उनकी रजिस्ट्री को सब-रजिस्ट्रार कार्यालय से रजिस्टर्ड मॉर्टगेज करवाना जरूरी होता है। बागीदौरा तहसील कार्यालय के वरिष्ठ सहायक योगेंद्र सिंह भाटी दो रजिस्ट्री पत्रावलियों को रजिस्टर्ड मॉर्टगेज करने के बदले रिश्वत की मांग कर रहा था।

शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने 21 अगस्त को रिश्वत राशि की मांग का सत्यापन कराया। इस दौरान आरोपी योगेंद्र सिंह भाटी ने दोनों पत्रावलियों को रजिस्टर्ड मॉर्टगेज करने के लिए प्रति पत्रावली 2,500-2,500 रुपए की मांग की। परिवादी से बातचीत के दौरान दोनों पत्रावलियों पर 500-500 रुपए कम करने के बाद कुल 4 हजार रुपए लेने पर भाटी सहमत हो गया।

सत्यापन के बाद एसीबी उदयपुर रेंज के उप महानिरीक्षक डॉ. रामेश्वर सिंह के पर्यवेक्षण और बांसवाड़ा एएसपी रतनसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई की गई। परिवादी के तहसील कार्यालय पहुंचने पर वरिष्ठ सहायक भाटी ने 4 हजार रुपए अपने परिचित रतनसिंह नामक दलाल को दिलवाए और उसे यह राशि दूसरे दलाल विठ्ठल को देने के लिए कहा। रतनसिंह ने रिश्वत की राशि लेकर विठ्ठल को दे दी। इसके बाद एसीबी टीम ने वरिष्ठ सहायक योगेंद्र सिंह भाटी और दोनों दलालों रतनसिंह व विठ्ठल को रिश्वत लेने के आरोप में रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

बैटरी में धमाके के बाद आग का गोला बनी इलेक्ट्रिक स्कूटी

पलक झपकते ही खाक, बाल-बाल बचे दो बच्चे

श्री गंगानगर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। सूरतगढ़ में बाबा रामदेव मंदिर क्षेत्र में इलेक्ट्रिक स्कूटी की बैटरी में अचानक तेज धमाका होने के बाद भीषण आग लग गई। घटना के समय स्कूटी पर सवार एक बालक ने समय रहते नीचे कूदकर अपनी जान बचाई। वहीं पास मौजूद दूसरे बच्चे ने भी फुर्ती दिखाते हुए सुरक्षित दूरी बना ली। कुछ ही देर में आग ने पूरी स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया और वाहन जलकर पूरी तरह खाक हो गया। पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। निवासी चिमनलाल पेंटर के बेटे शुभम को साथ ले जाने के लिए पड़ोस का लड़का गौरव अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी लेकर आया था।

फल फूल रहा तांत्रिकों का नेटवर्क!

51 मामलों में सिर्फ 6 को सजा

जयपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में ऐसे पाखंडियों की कमी नहीं है जो लोगों को भ्रमित करके झाड़ फूंक, तंत्र मंत्र और टोने टोटके से गंभीर बीमारियों के इलाज का दावा करते हैं। धर्म की आड़ लेकर वे लोग ऐसा स्वांग रचते हैं कि भोले भाले लोग अंधविश्वास के चलते उनके झांसे में आ जाते हैं। कोई लोहे के गर्म सरियों से दाग कर इलाज का दावा करते हैं तो कोई सिर्फ तंत्र मंत्र से ही इलाज होने का दावा करते हैं। हालांकि ऐसे मामलों की संख्या हर साल हजारों में होती है लेकिन जो प्रकरण पुलिस पहुंचते हैं उन्हीं के डेटा सामने आते हैं। झाड़, फूंक, टोने टोटके और तंत्र मंत्र के बावजूद जब किसी की मृत्यु हो जाती है या किसी को बड़ा आर्थिक नुकसान पहुंचता है। तब जाकर मामला पुलिस थाने तक पहुंचता है। भूत प्रेत भगाने या गंभीर बीमारियों का इलाज करने वाले कथित बाबा हर क्षेत्र में मिल जाते हैं। कई ऐसे तांत्रिक हैं जो तंत्र विद्या से भूत प्रेत का साया होने और उतारने का दावा करते हैं। ऐसे में वे भोले भाले लोगों से लाखों रुपए ऐंठ लेते हैं। कई तांत्रिक तो महिलाओं की इज्जत भी लूट लेते हैं। अंधविश्वास के जाल में फंसने के बाद कई लोग निकल नहीं पाते हैं। हालांकि कई परिवार ऐसे भी हैं जिन्होंने तांत्रिकों और कथित बाबाओं के खिलाफ केस दर्ज कराए लेकिन ज्यादातर मामलों में आरोपियों को सजा नहीं मिली। भाजपा विधायक प्रताप सिंह सिंघवी ने तांत्रिक और कथित बाबाओं द्वारा किए जाने वाले झाड़ फूंक तंत्र मंत्री और जादू टोनो के मामले से जुड़ा एक सवाल विधानसभा में लगाया। सरकार की ओर से इसका जवाब दिया जो हैरान करने वाला है। जवाब से पता चला कि 1 जनवरी 2022 से 31 दिसंबर 2025 तक ऐसे 51 केस सामने आए हैं।

बाजरे की फसल के बीच छिपाकर रखा था 42.7 किलो डोडा-पोस्त, लूणी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

जोधपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट की लूणी थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 42.700 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त चूरा बरामद किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई फींच गांव में की, जहां मादक पदार्थ को बाजरे की खड़ी फसल के बीच छिपाकर रखा गया था। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद इलाके में मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया।

पुलिस के अनुसार, लूणी थाना पुलिस को क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ छिपाकर रखने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने फींच गांव में संदिग्ध स्थान पर दबिश दी। तलाशी के दौरान बाजरे की खड़ी फसल के बीच छिपाकर रखा गया डोडा-पोस्त चूरा बरामद हुआ। पुलिस ने जब बरामद मादक पदार्थ का वजन किया तो इसकी कुल मात्रा 42.700 किलोग्राम निकली।

मादक पदार्थ को इस तरह से फसल के बीच छिपाकर रखा गया था कि सामान्य तौर पर वहां से गुजरने वाले व्यक्ति को इसकी भनक तक नहीं लग सके। पुलिस ने मौके से डोडा-पोस्त चूरा जब्त कर लिया है। बरामद मादक पदार्थ को कब्जे में लेकर नियमानुसार आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में डोडा-पोस्त चूरा वहां किसने छिपाया था और इसे कहां से लाया गया था। साथ ही पुलिस यह भी जांच कर रही है कि बरामद मादक पदार्थ की सप्लाई किसे की जानी थी। मामले में संभावित तस्करों और सप्लाई नेटवर्क से जुड़े लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है।

लूणी थाना पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार पर लगाम लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पुलिस कमिश्नरेट की ओर से अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

स्कूलों के 50 मीटर दायरे में जंक फूड पर रोक, हाईकोर्ट ने कैंटीन की भी निगरानी के दिए निर्देश

जयपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य को ध्यान में रखते हुए स्कूलों में जंक फूड की बिक्री को लेकर बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने राज्य के सभी स्कूलों की कैंटीन और स्कूलों के मुख्य गेट से 50 मीटर के दायरे में हाई फैट, हाई शुगर और हाई सॉल्ट वाले खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगा दी है। अदालत ने कहा कि बच्चों को अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों से बचाना जरूरी है, क्योंकि कम उम्र में खान-पान की आदतों का सीधा असर उनके स्वास्थ्य और भविष्य पर पड़ सकता है। जस्टिस अनूप कुमार ढंढ की बेंच ने स्कूलों में जंक फूड की बिक्री और बच्चों में बढ़ते मोबाइल स्क्रीन टाइम को लेकर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि बच्चों के समग्र विकास के लिए केवल पढ़ाई ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके खान-पान और जीवनशैली पर भी ध्यान देना जरूरी है।

स्कूल प्रिंसिपल पर टेलर का हमला

कैंची से किया वार, ग्राइंडर से उंगली काटने का आरोप

अलवर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। अलवर में स्कूल प्रिंसिपल पर एक टेलर द्वारा हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि टेलर ने पहले प्रिंसिपल पर कैंची से वार किया और इसके बाद कपड़े काटने वाले ग्राइंडर से उनकी उंगली काट दी। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायल प्रिंसिपल को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। किसी बात को लेकर प्रिंसिपल और टेलर के बीच विवाद हो गया था। विवाद बढ़ने के बाद टेलर ने कथित तौर पर कैंची से प्रिंसिपल पर हमला कर दिया। इसके बाद उसने कपड़े काटने के लिए इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रिक ग्राइंडर से प्रिंसिपल की उंगली पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव किया और घायल प्रिंसिपल को अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद चोटों का इलाज शुरू किया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस ने घटना के कारणों को लेकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर विवाद की वजह क्या थी, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस आरोपी टेलर से पूछताछ कर घटना के पूरे क्रम का पता लगाने का प्रयास कर रही है। घटना के बाद स्कूल से जुड़े लोगों और स्थानीय लोगों में भी चर्चा का माहौल है। प्रिंसिपल पर इस तरह हमला किए जाने से लोग हैरान हैं। पुलिस मामले में उपलब्ध साक्ष्यों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी। फिलहाल घायल प्रिंसिपल का उपचार जारी है और पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

वकील और उनके बेटे को जान से मारने की धमकी

बदमाशों ने मांगे 2 करोड़ रुपये; वॉइस मैसेज से मचा हड़कंप

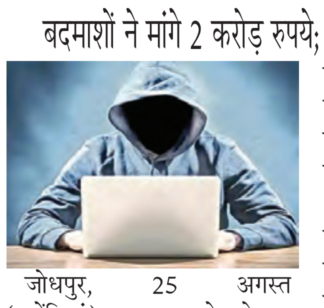

जोधपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के जोधपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक वकील और उनके बेटे को जान से मारने की धमकी देकर बदमाशों ने कथित तौर पर 2 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी है। आरोपी यहीं नहीं रुके, बल्कि धमकी से जुड़े वॉइस मैसेज भी भेजे गए। घटना सामने आने के बाद वकील और उनके परिवार में डर का माहौल है। बताया जा रहा है कि धमकी मिलने के बाद पीड़ित वकील ने पुलिस से शिकायत की।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस फिलहाल धमकी देने वाले व्यक्ति या गिरोह की पहचान करने की कोशिश कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपी ने किस माध्यम से संपर्क किया और उसके पीछे वास्तविक मकसद क्या है। पीड़ित के मुताबिक, आरोपी ने कथित तौर पर 2 करोड़ रुपये की रकम की मांग की। रकम नहीं देने पर वकील और उनके बेटे को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी गई। धमकी भरे वॉइस मैसेज मिलने के बाद परिवार की चिंता और बढ़ गई।

ऐसे मामलों में पुलिस आमतौर पर धमकी देने वाले मोबाइल नंबर, वॉइस मैसेज और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच करती है। साइबर टीम की मदद से संपर्क के स्रोत का पता लगाने और आरोपी तक पहुंचने की कोशिश की जाती है।

झोलाछाप डॉक्टरों का गिरोह भंडाफोड़, छह लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स (जुबली हिल्स जोन) पुलिस ने मंगलवार को छह फर्जी डॉक्टरों के एक गिरोह को गिरफ्तार किया, जो बिना उचित योग्यता के डॉक्टर बनकर निर्दोष लोगों की जान को खतरे में डाल रहे थे। उनके पास से भारी मात्रा में नकली और एक्सपायर्ड दवाएं और चिकित्सा उपकरण जब्त किए गए।

हैदराबाद कमिश्नर टास्क फोर्स के डीसीपी गायकवाड़ वैभव रघुनाथ द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, कमिश्नर टास्क फोर्स (जुबली हिल्स जोन) की टीम ने संबंधित पुलिस थानों के कर्मियों के साथ जुबली हिल्स जोन के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक छापेमारी की और बताया कि वैध चिकित्सा योग्यता के बिना क्लिनिक और प्राथमिक चिकित्सा केंद्र चलाने के आरोप में छह व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा कि आरोपी मरीजों को आईवी फ्लूइड और इंजेक्शन देकर तथा यहां तक कि सर्जिकल टांके लगाकर उनकी जान को खतरे में डाल रहे थे। उन्होंने बताया कि रहमत नगर एक्स-रोड के पास स्थित श्री एक्का फर्स्ट एड सेंटर पर छापेमारी की गई, जिसके परिणामस्वरूप दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी डी. रामाशेखर रेड्डी 2015 से अपनी पत्नी नागज्योति (जिनके पास डी-फार्मेसी की डिग्री है) के नाम पर पंजीकृत एक्का फार्मेसी चलाते हुए चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे थे।

उन्होंने आगे बताया कि एक अन्य आरोपी रागम सुधाकर, जिसने एनेस्थीसिया तकनीशियन का डिप्लोमा किया है, बिना अनुमति के डॉक्टर बनकर चिकित्सा का अभ्यास कर रहा था और प्रतिदिन 40-50 मरीजों से प्रति मरीज 200 रुपये वसूल रहा था। उन्होंने बताया कि आरोपियों के पास से इंजेक्शन की शीशियां, बटरफ्लाई सुई, एक्सपायर्ड ट्रामाडोल इंजेक्शन, 30 बड़ी सलाइन की बोतलें और सर्जिकल कैंची जैसी वस्तुएं जब्त की गईं। उन्होंने बताया कि एक अन्य आरोपी मिरुदोड्डी भारती (44), जो एक पूर्व नर्स है, चार साल पहले हैदराबाद आई थी और बिना किसी परमिट के एक क्लिनिक खोल लिया था। उन्होंने आगे बताया कि वह प्रतिदिन छोटे बच्चों सहित 10-15 मरीजों का अवैध रूप से इलाज कर रही थी और इसके लिए 50 से 100 रुपये तक फीस ले रही थी। उन्होंने बताया कि आरोपियों के पास से बच्चों के लिए पैरासिटामोल सिरप, एंटीबायोटिक्स, गर्भनिरोधक्स, परीक्षण किट, ब्लड प्रेशर मॉनिटर, स्टेथोस्कोप, सलाइन इन्फ्यूजन सेट और डिस्पोजेबल सिरिंज जैसी वस्तुएं जब्त की गईं। डीसीपी ने बताया कि एक अन्य आरोपी कटिका महेश राव (43) बीए स्नातक, ने दो साल पहले वेंकटगिरी में एक कमरा किराए पर लिया और एक अज्ञात क्लिनिक शुरू किया।

उन्होंने आगे बताया कि वह मरीजों से 50-100 तक फीस वसूलता था और प्रतिदिन 40-50 मरीजों का इलाज करता था, जिसमें प्रशासनिक कार्य भी शामिल थे।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय ने सीएम रेवंत रेड्डी की आलोचना की

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने मंगलवार को राज्य की कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का कार्यशैली उस कहावत के समान है, जो व्यक्ति स्वयं शिखर तक नहीं पहुंच सकता, वह स्वर्ग तक सीढ़ी बनाने का सपना देखता है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के शिक्षण संस्थानों में बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध कराने में असमर्थ मुख्यमंत्री का यह दावा करना हास्यास्पद है कि केंद्र सरकार राज्य में विदेशी शिक्षण संस्थान लाने की उनकी योजनाओं में बाधा डाल रही है। उन्होंने आगे कहा कि लाखों छात्रों को फीस के बकाया भुगतान न होने के कारण हो रही गंभीर मानसिक पीड़ा के प्रति उदासीन रहते हुए विश्व-प्रसिद्ध संस्थानों में उच्च शिक्षा के अवसर देने का वादा करना मुख्यमंत्री के लिए शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि राज्य भर में इंटरमीडिएट, डिग्री, इंजीनियरिंग और नर्सिंग पाठ्यक्रम चलाने वाले हजारों कॉलेज गहरे संकट में हैं।

वारंगल पुलिस ने अंतर-राज्यीय गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया

> 1.25 करोड़ रुपये का गांजा ज़ब्त किया

हनमकोंडा, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल कमिश्नरेट पुलिस ने एक अंतर-राज्यीय गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है और उससे 251 किलोग्राम गांजा ज़ब्त किया है। मंगलवार को यहां मीडिया से बात करते हुए, पुलिस कमिश्नर एन. श्वेता ने बताया कि ईस्ट ज़ोन के डीसीपी अंकित कुमार की देखरेख में, डमेरा पुलिस ने आरोपी मुड़िगोंडा नागेश्वर राव (जो हनमकोंडा जिले के डमेरा मंडल के पुलुकुर्थी गांव का रहने वाला है) को हिरासत में लिया।

शुरुआती जांच से पता चला कि आरोपी अपने नेटवर्क का इस्तेमाल करके ओडिशा में सप्लायर रमेश और सुधाकर से गांजा खरीदता था। इसके बाद वह इसे तेलंगाना, महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में खरीदारों - उर्दू, रामदास शेखराव बिरादार, अकलीमे, शाहरुख खान, शेख अकबर और नुनावथ राजू - को बेचता था। नागेश्वर राव से मिली जानकारी के आधार पर, पुलिस ने उसके घर से लगभग 1.25 करोड़ रुपये कीमत का गांजा ज़ब्त किया। सीपी ने कहा कि विभिन्न राज्यों के उन अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष टीमें बनाई गई हैं जिन्होंने नागेश्वर राव से गांजा खरीदा था।

श्वेता ने कहा कि तेलंगाना पुलिस विभाग नशीले पदार्थों की तस्करी और सेवन दोनों के खिलाफ बहुत सख्त रुख अपना रहा है। उन्होंने जनता से अपील की कि अगर उन्हें गांजा बेचने या सेवन करने में शामिल कोई व्यक्ति दिखे तो वे स्थानीय पुलिस को सूचित करके ड्रग्स की समस्या को रोकने में सहयोग करें। उन्होंने आरोपियों को पकड़ने के लिए परकल एसीपी सतीश बाबू, शयामपेट सीआई सुधाकर रेड्डी, आत्मकूर सीआई संतोष, दमेरा एसआई वीरभद्र राव, शयामपेट एसआई परमेश्वर, परकल एसआई रघुपति के साथ-साथ एएओ सलमान पाशा और दमेरा और शयामपेट के कांस्टेबलों की सराहना की।

मंत्री के पूर्व ओएसडी मामले में जुबली हिल्स इंस्पेक्टर पर गिरी गाज

एफआईआर दर्ज करने में देरी के कारण हुए निलंबित

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की देवदाय व वन मंत्री कोंडा सुरेखा के पूर्व ओएसडी, एन सुमंत से जुड़े मामले में कथित लापरवाही के आरोप में जुबली हिल्स इंस्पेक्टर एम मुत्तु यादव को निलंबित कर दिया गया है। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने एफआईआर दर्ज करने और सुमंत को गिरफ्तार करने के प्रयासों में कथित कमियों को देखते हुए निलंबन का आदेश दिया। मामला दर्ज करने में देरी और फरार सुमंत को ढूंढने के लिए समय पर कदम न उठाने को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच यह कार्रवाई की गई है। रियल एस्टेट कारोबारी जी हरि कृष्णा ने आरोप लगाया था कि सुमंत और उसके साथियों ने उन पर लोहे की रॉड से हमला किया और उन्हें धमकाया। इसके बाद मामला दर्ज किया गया। शुरुआत में मेडिपल्ली पुलिस स्टेशन में शून्य एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसे बाद में अधिकार क्षेत्र के आधार पर जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया गया। लेकिन जुबली हिल्स थाने में एफआईआर दर्ज करने में देरी की गई।

नारकोटिक्स पुलिस ने 129 किलो गांजा ज़ब्त किया, दो लोगों को गिरफ़्तार किया

वारंगल: वारंगल नारकोटिक्स पुलिस (ईगल फ़ोर्स) ने दो लोगों को गिरफ़्तार किया और 129 किलो गांजा ज़ब्त किया।

जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने रविवार शाम ज़िले के वर्धनपेट में वारंगल-खम्मम हाईवे पर गाड़ियों की तलाशी ली और 64.66 लाख रुपये कीमत का यह नशीला पदार्थ ज़ब्त किया। गिरफ़्तार किए गए आरोपी सयुज सीएस और बेसलेल सी मैथ्यू केरल के रहने वाले हैं। इस मामले में शामिल दो अन्य लोग, अजित और विक्की, फ़रार हैं। उन्हें पकड़ने के लिए विशेष टीमें बनाई गई हैं।

शुरुआती जांच से पता चला है कि ओडिशा के विक्की ने गांजा सप्लाई किया था, जबकि अजित ने ट्रांसपोर्टेशन का काम संभाला था। आरोपी बेंगलुरु से कार में निकले, ओडिशा के चित्रकोंडा-दाराकोंडा इलाके में गए, गांजा खरीदा और केरल जाने से पहले बेंगलुरु लौट रहे थे।

दोनों आरोपियों पर पहले भी केरल और कर्नाटक में गांजा तस्करी के मामले दर्ज हो चुके हैं। बयान में कहा गया है कि वारंगल नारकोटिक्स पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धारा के तहत मामला दर्ज किया गया; गिरफ़्तार किए गए दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया।

श्रीशैलम के लॉज में एक ही परिवार के पांच सदस्य मृत पाए गए

श्रीशैलम, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को यहां एक लॉज में एक ही परिवार के पांच सदस्य मृत पाए गए। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस को शक है कि खराब सेहत और आर्थिक तंगी के चलते उन्होंने आत्महत्या की होगी।

पुलिस के अनुसार श्री सत्य साई जिले के बत्तलापल्ली गांव के रहने वाले पल्लापु सुधाकर (36) अपनी तीन बहनों और 15 साल के भतीजे के साथ श्रीशैलम आए थे। ये पांचों लोग सुधाकर के ऑटो-रिक्शा से श्रीशैलम पहुंचे थे और वड्डे सत्रम में किराए पर एक कमरा लिया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, मंगलवार को वड्डे सत्रम के एक कमरे में एक ही परिवार के पांच सदस्य मृत पाए गए। शुरुआती जांच से पता चलता है कि खराब सेहत और आर्थिक तंगी के कारण उन्होंने यह कदम उठाया होगा। मंगलवार को जब लॉज के कर्मचारियों ने देखा कि कमरे का दरवाज़ा बंद है और अंदर से बदबू आ रही है, तो उन्होंने खिड़की खोली और पाया कि सभी पांचों लोग फंदे से लटके हुए थे। कर्मचारियों ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि सुधाकर, उसकी दो बड़ी बहनें, एक छोटी बहन और उसका भतीजा - सभी कथित तौर पर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। इसके अलावा, सुधाकर की बड़ी बहनें अपने पतियों से अलग हो चुकी थीं। परिवार की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं थी। अधिकारी के अनुसार, सुधाकर ऑटो-रिक्शा चलाकर उन सभी का खर्च उठा रहा था। पुलिस को शक है कि परिवार के सदस्य स्वास्थ्य समस्याओं और आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे, जिसके कारण वे शायद ज़िंदगी से निराश हो गए और आत्महत्या कर ली। घटना की आगे की जांच चल रही है।

पीएनबी द्वारा 'साइबर जागरूकता एवं सोशल इंजीनियरिंग आगे की राह' विषय पर कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नैशनल बैंक, अंचल कार्यालय, हैदराबाद द्वारा 25 अगस्त को 'साइबर जागरूकता एवं सोशल इंजीनियरिंग : आगे की राह' विषय पर श्रीमती वन्दना पाण्डेय, महाप्रबंधक एवं अंचल प्रबन्धक (तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश) की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में उप अंचल प्रबन्धक, उप महाप्रबंधक, हैदराबाद अंचल के सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा एवं विशाखापट्टणम के मण्डल प्रमुख एवं अंचल के सहायक महाप्रबंधकगण सहित 100 से अधिक स्टाफ सदस्यों की सहभागिता रही।

इस अवसर पर अंचल प्रबंधक श्रीमती पाण्डेय ने अपने सम्बोधन में कहा कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 के उपलक्ष्य में साइबर जागरूकता एवं सोशल इंजीनियरिंग जैसे ज्वलंत विषय पर आज की कार्यशाला राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में एक सार्थक पहल है। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य साइबर अपराध एवं सोशल इंजीनियरिंग के बारे में स्टाफ सदस्यों को जागरुक करना है। साइबर अपराधी केवल तकनीकी कमियों का लाभ नहीं उठाते, बल्कि मानवीय व्यवहार और मनोवैज्ञानिक कमजोरियों को निशाना बनाते हैं। इसी को हम सोशल इंजीनियरिंग के रूप में समझते हैं। डीप-फेक, फर्जी फोन कॉल, ई-मेल, संदेश, लिंक, केवाईसी अपडेट के नाम पर संपर्क, ओटीपी या पासवर्ड पूछना, अधिकारी बनकर दबाव बनाना तथा लालच या भय पैदा करना इसके सामान्य उदाहरण हैं। ऐसे में बैंकिंग क्षेत्र में हमारी जिम्मेदारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। हमें अपने ग्राहकों को भी यह स्पष्ट संदेश देना आवश्यक है कि बैंक कभी भी फोन, संदेश या ई-मेल के माध्यम से ओटीपी, पासवर्ड, पिन या अन्य संवेदनशील जानकारी नहीं मांगता।

अपने स्वागत सम्बोधन में उप अंचल प्रबंधक श्रवण कुमार ने कहा कि आज हम एक ऐसे विषय पर विचार-विमर्श के लिए एकत्र हुए हैं, जो केवल तकनीक से जुड़ा विषय नहीं, बल्कि हमारी व्यक्तिगत सुरक्षा, संस्थागत विश्वसनीयता और सामाजिक जिम्मेदारी से भी सीधे जुड़ा हुआ है। आज डिजिटल सेवाओं ने हमारे जीवन को अत्यंत सरल बना दिया है। लेकिन सुविधा के साथ जोखिम भी बढ़े हैं।

चार घंटे में अपहरण का मामला सुलझा दो मासूम बच्चों को सुरक्षित बचाया

रेलवे पुलिस और घटकेसर पुलिस के समन्वय से आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गच्चीबोवली पुलिस ने शिकायत मिलने के महज चार घंटे के भीतर अपहरण का मामला सुलझाते हुए चार वर्ष से कम उम्र के दो मासूम बच्चों को सुरक्षित बरामद कर लिया। पुलिस ने दोनों बच्चों को कथित रूप से अपने साथ ले जाने वाले 45 वर्षीय व्यक्ति को घटकेसर रेलवे स्टेशन के पास गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, कोंडापुर स्थित श्रमिक शिविर में रहने वाले 46 वर्षीय देविड मुर्मू ने 25 अगस्त की रात करीब 2 बजे शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनकी चार वर्षीय बेटी प्रमिला मुर्मू और एक अन्य श्रमिक की साढ़े तीन वर्षीय बेटी संगीता हेमराम 24 अगस्त को शाम करीब चार बजे श्रमिक शिविर में खेल रही थीं। इसी दौरान उसी शिविर में रहने वाला चाकू सोरेन दोनों बच्चों को कथित रूप से अपने साथ लेकर वहां से फरार हो गया। शिकायत मिलते ही गच्चीबोवली थाने में मामला दर्ज कर बच्चों की तलाश शुरू की गई। आरोपी पर संदेह होने के बाद विशेष टीमों का गठन किया गया और आरोपी तथा बच्चों की जानकारी विभिन्न पुलिस थानों एवं रेलवे अधिकारियों को भेजी गई। एक टीम ने रेलवे स्टेशनों और संभावित आवागमन मार्गों की जांच शुरू की। कोलकाता की ओर जाने वाले रेलवे तथा कानून-व्यवस्था पुलिस थानों के साथ-साथ घटकेसर, जंगांव और काजीपेट रेलवे स्टेशनों को भी सतर्क किया गया। तकनीकी जांच और लगातार तलाश के दौरान पुलिस को आरोपी के घाटकेसर रेलवे स्टेशन के पास होने की जानकारी मिली। गच्चीबोवली पुलिस ने तत्काल रेलवे अधिकारियों और घाटकेसर पुलिस को सूचना दी। संयुक्त कार्रवाई में आरोपी चाकू सोरेन को दोनों बच्चों के साथ पकड़ लिया गया। बरामद बच्चों की पहचान प्रमिला मुर्मू और संगीता हेमराम के रूप में हुई। दोनों को सुरक्षित गच्चीबोवली थाने लाया गया और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उनके माता-पिता अथवा अभिभावकों को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी चाकू सोरेन पश्चिम बंगाल का मूल निवासी है और गच्चीबोवली के चिरेक्क पब्लिक स्कूल के पास श्रमिक शिविर में रह रहा था। पूछताछ में उसने पश्चिम बंगाल के करंदिघी थाने में हत्या के प्रयास और दुष्कर्म से संबंधित दो मामलों में शामिल होने की जानकारी दी है। उसने इस्लामपुर जेल में पांच वर्ष की सजा काटने की बात भी बताई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने कथित तौर पर लोगों का अपहरण कर आर्थिक लाभ के लिए जरूरतमंद लोगों को बेचने तथा उनका इस्तेमाल भीख मांगने के लिए किए जाने की बात कही है।

एनएमडीसी ने 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह से तीन महीने का अभियान शुरू किया

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी लिमिटेड ने सेंट्रल विजिलेंस कमीशन के दिशानिर्देशों के अनुसार, 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026' से पहले तीन महीने का अभियान शुरू किया है।

इस अभियान का मकसद जागरूकता बढ़ाना और पूरे संगठन में ईमानदारी, पारदर्शिता, निष्पक्षता और अच्छे प्रशासन (गुड गवर्नेंस) के मूल्यों को मजबूत करना है। अभियान के हिस्से के तौर पर, सतर्कता विभाग ने हाल ही में एनएमडीसी के हैदराबाद स्थित हेड ऑफिस में दो दिन का 'क्षमता निर्माण कार्यक्रम' आयोजित किया। यह कार्यक्रम सीवीसी द्वारा पहचाने गए मुख्य क्षेत्रों पर कर्मचारियों के बीच जागरूकता बढ़ाने और उनकी क्षमता विकसित करने के लिए आयोजित किया गया था। इस सत्र में डायरेक्टर (फाइनेंस) और सीवीओ, अनुराग कपिल शामिल हुए। अपने संबोधन में, डायरेक्टर (फाइनेंस) ने सतर्कता और वित्त कार्यों के बीच गहरे संबंध पर जोर दिया। समापन सत्र के दौरान, सीवीओ सी. नीलकंठ रेड्डी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह की थीम - समृद्धि के लिए निष्पक्षता पर प्रकाश डाला। सी. नीलकंठ रेड्डी ने अभियान के महत्व और पूरे संगठन में सतर्कता प्रक्रियाओं को मजबूत करने की अहमियत पर प्रकाश डाला। एसोसिएट डायरेक्टर श्रीमती के. इंद्रावेनी ने साइबर सिक्योरिटी और साइबर हाइजीन पर, और दिल्ली यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर नई दिल्ली के पूर्व फैकल्टी सदस्य डी. ब्रह्मा रेड्डी ने सामान और सेवाओं की सार्वजनिक खरीद पर सेशन लिए। इन सेशन से प्रतिभागियों को अपनी आधिकारिक जिम्मेदारियों को निभाते समय सतर्कता जागरूकता, पारदर्शिता, नियमों का पालन और नैतिक निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत करने के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

रामागुंडम पुलिस ने खोए और चोरी हुए 142 मोबाइल फ़ोन बरामद किए

पेद्दापल्ली, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रामागुंडम के पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा ने सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल के ज़रिए बरामद किए गए 142 मोबाइल फ़ोन उनके मालिकों को सौंपे।

मंगलवार को किशोर झा ने लोगों को सलाह दी कि अगर उनका मोबाइल फ़ोन खो जाए तो वे तुरंत पोर्टल पर इसकी रिपोर्ट करें। उन्होंने कहा कि चोरी हुए और खोए हुए मोबाइल फ़ोन का पता लगाने के लिए एक खास विंग बनाई गई थी। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर अब तक 10,420 शिकायतें मिली हैं। इनमें से 3,717 हैंडसेट बरामद किए गए और अब तक उनके मालिकों को लौटा दिए गए हैं। इस मौके पर एडिशनल डीसीपी (प्रशासन) के. श्रीनिवास, एसीपी रविंदर, प्रवीण कुमार, वाई. कृष्णा रेड्डी, टी. गोपी, बालाजी वरप्रसाद, आईटी कोर इंस्पेक्टर चंद्रशेखर गौड और सब-इंस्पेक्टर मौजूद थे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए हर व्यक्ति पौधे लगाए और उनकी रक्षा करे : कोंडा सुरेखा

वन महोत्सव कार्यक्रम में मंत्री ने किया पौधारोपण

वरंगल, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य की वन, पर्यावरण एवं देवदाय मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। उन्होंने लोगों से हर घर में पौधे लगाने तथा उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित करने का आह्वान किया। मंगलवार को वरंगल शहर के रंगशायिपेट स्थित सरकारी कनिष्ठ महाविद्यालय परिसर में जिला कलेक्टर डॉ. सत्य शारदा की अध्यक्षता में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम में मंत्री कोंडा सुरेखा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं और पौधारोपण किया। जिला कलेक्टर डॉ. सत्य शारदा, जिला वन अधिकारी निखिता और पुस्तकालय अध्यक्ष मीसाला प्रकाश ने भी पौधे लगाए। इसके बाद मंत्री ने महाविद्यालय परिसर में नवनिर्मित खुले व्यायाम केंद्र का उद्घाटन किया तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। मंत्री ने कहा कि एल नीनो के प्रभाव के कारण इस वर्ष वन महोत्सव कार्यक्रम में कुछ विलंब हुआ है। उन्होंने बताया कि एक ही दिन में 10 प्रतिशत पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रत्येक घर, सरकारी एवं निजी विद्यालयों तथा सरकारी कार्यालयों में बड़े पैमाने पर पौधारोपण करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समय पर बारिश नहीं होने के प्रमुख कारणों में पर्याप्त वृक्ष संपदा का अभाव भी शामिल है। पेड़ मानव जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में उनकी अहम भूमिका है।

एल नीनो के प्रभाव को देखते हुए किसानों को फसल विविधीकरण के लिए जागरूक करें : मुख्य सचिव

नीट-पीजी परीक्षा की तैयारियों और पर्यटन विकास की भी जिला कलेक्टरों के साथ समीक्षा

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में मौसमी परिस्थितियों, 30 अगस्त को होने वाली नीट-पीजी प्रवेश परीक्षा की तैयारियों तथा तेलंगाना में पर्यटन क्षेत्रों के विकास को लेकर मुख्य सचिव संजय जाजू ने मंगलवार को डॉ. बी. आर. अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय से जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा की। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने एल नीनो के प्रभाव को देखते हुए किसानों को फसल विविधीकरण के प्रति अधिक जागरूक करने तथा बदलती मौसम परिस्थितियों के अनुरूप कृषि की नई पद्धतियों पर ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने जिलावार मौसमी परिस्थितियों तथा लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए की जा रही पूर्व तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने मौसम की स्थिति पर लगातार नजर रखने और आवश्यकता वाले क्षेत्रों में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश कलेक्टरों को दिए।

संभावित वर्षा की कमी को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई वैकल्पिक फसल योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। मुख्य सचिव ने फसल विविधीकरण की आवश्यकता पर जोर देते हुए किसानों को कम पानी में होने वाली तथा वर्तमान मौसम परिस्थितियों के अनुकूल फसलों की खेती के लिए लगातार जागरूक करने की सलाह दी। उन्होंने फसल विविधीकरण की रणनीति के तहत दलहन, तिलहन, सब्जियों और बागवानी फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए जमीनी स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश जिला कलेक्टरों और कृषि विभाग के अधिकारियों को दिए। मुख्य सचिव ने 30 अगस्त को होने वाली नीट-पीजी प्रवेश परीक्षा को सुचारु और बिना किसी बाधा के आयोजित करने के लिए जिलों में की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक आधारभूत सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था, बिजली, पेयजल और परिवहन सहित अन्य व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए परीक्षा को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को कहा। हैदराबाद, मेडचल-मलकाजगिरी और रंगारेड्डी जिलों के अलावा राज्यभर में अन्य 30 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित होने के मद्देनजर सभी केंद्रों पर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था, निर्बाध बिजली आपूर्ति तथा आवश्यक आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें X@SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइटःwww.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

सं. सी/ई-नीलामियों की सूची/एससी/2026-27, दि.24-08-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति, गणराज्य भारत की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा वाणिज्यिक आय & एनएफआर संविदाओं हेतु ई-नीलामी आमंत्रित है। तदनुसार, एससी डिवीजन ने निम्न श्रेणियों हेतु ई-नीलामी संसाधित की है, जिसे वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in पर अधिसूचित किया गया है।

क्रम सं.1, श्रेणीः कैटरिंग, सूची संख्याः एससी-सीएटीजी-26-19, **नीलामी शुरु तिथि & समयः** 25 अगस्त-26 के 14.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)- एसइएम, एचटीसीवाय, सीएचजेड, पीडीपीएल, **नीलामी विवरणः** सेडम, हायटेक सिटी, चर्लापल्ली & पेध्दापल्ली स्टेशनों पर व्यक्तिगत खानपान संविदाएं या इनडीवीड्युएल कैटरिंग कान्ट्रैक्ट्स।

क्रम सं.2, श्रेणीः एड़वर्टाइजिंग, **सूची संख्याः** एससी-एडीवीटी-मिक्स्ड-9, **नीलामी शुरु तिथि & समयः** 27 अगस्त-26 के 14.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)- 20707/08, बीआयडीआर,एससी, युडीजीआर, नीलामी विवरणः (1). रेल नं. 20707/20708 सिकंदराबाद-विशाखापट्टणम-सिकंदराबाद वन्दे भारत एक्सप्रेस हेतु विनाइल रैप्पिंग के माध्यम से विज्ञापन। (2). बीदर रेलवे स्टेशन समीप रोड अंडर ब्रिज नं.90/2-3, (3)आउट आफ होम (ओओएच) के तहत बीदर रेलवे स्टेशन के पास आरयुबी किमी नं. 130 (बी) पर स्थैतिक मीडिया द्वारा वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु यह संविदा है। (4). सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर डिजीटल कॅन्ट्रैक्ट या ठेका-संविदा। (5). उदगीर रेलवे स्टेशन हेतु नान डिजीटल ठेका।

क्रम सं.3, श्रेणीः एमआयएससी-स्थैतिक, **सूची संख्याः** एमएसएसमिक्स-9-10, **नीलामी शुरु तिथि & समयः** 27 अगस्त-26 के 15.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)-वीएनयुपी, सीएलइ, एमआरजीए, एनएलडीए, नीलामी विवरणः 1) बीओएक्सएन वैगान क्लीनींग, विष्णुपुरम रेलवे स्टेशन पर नामित रेक लाइनों तथा प्लेटफार्म्स पर खाली वैगानों से, बचा हुवा कोयला & अन्य सामग्री हटाना से संबंधित ठेका। 2) चिंतापल्ली गूड्स शेड एरिया पर ज्यूस बार की स्थापना & संचालन हेतु ठेका। 3) मिर्यालगुडा रेलवे स्टेशन पर फूड ट्रक की स्थापना & संचालन हेतु संविदा या ठेका। 4) नलगोंडा रेलवे स्टेशन पर फूड ट्रक की स्थापना & संचालन हेतु ठेका।

क्रम सं.4, श्रेणीः कैटरिंग, **सूची संख्याः** एससी-पीबीसीओ-12, **नीलामी शुरु तिथि & समयः** 29 अगस्त-26 के 10.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)-बीएमटी, डब्ल्यूएल, केजेडजे। **नीलामी विवरणः** 1) बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर वेटिंग हाल के भीतर प्लेटफार्म-1 पर प्रीमियम ब्रान्डेड कैटरिंग आउटलेट की स्थापना & संचालन। 2) वरंगल रेलवे स्टेशन पर कानकोर्स एरिया पीएफ-1पर प्रीमियम ब्रान्डेड कैटरिंग आउटलेट की स्थापना & संचालन। 3) काजीपेट रेलवे स्टेशन पर कानकोर्स एरिया पीएफ-1पर प्रीमियम ब्रान्डेड कैटरिंग आउटलेट की स्थापना & संचालन।

क्रम सं.5, श्रेणीः पार्किंग, **सूची संख्याः** पार्क-एलकेपीएल-14-26, **नीलामी शुरु तिथि & समयः** 01- सितंबर-26 के 14.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)-एसकेपी, एलकेपीएल। **नीलामी विवरणः** शंकरपल्ली & लकडी का पूल स्टेशनों पर पार्किंग का ठेका।

क्रम सं.6, श्रेणीः विविध-स्थैतिक, **सूची संख्याः** एमएमएसएस-मिक्स-26-15, **नीलामी शुरु तिथि & समयः** 04- सितंबर-26 के 14.00 बजे। संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)-वायडीएलपी केजेडजे, एलपीआय, एमसीआय, टीडीयु, पीआऱएलआय। **नीलामी विवरणः** 1) यडलापुर रेलवे स्टेशन पर नामित रेक लाइनों & प्लेटफार्म्स पर बीओएक्सएन वैगान की सफाई, खाली वैगानों से शेष बचा हुवा कोयला तथा अन्य सामग्री को हटाने का ठेका।2) यह ठेका (।) काजीपेट रेलवे स्टेशन पर चाट स्टॉल -ड्राइव इन्स सहित फूड ट्रकों/ ज्यूस बार की स्थापना & संचालन हेतु है। (॥) काजीपेट रेलवे स्टेशन पर दूपहिया & चार पहिया वाहनों की पार्किंग लाट का मैनेजमेंट। 3) यह ठेका, लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशन पर चाट स्टॉल -ड्राइव इन्स सहित फूड ट्रकों/ ज्यूस बार की स्थापना & संचालन हेतु है। 4) यह ठेका,(।) मंचेरियाल रेलवे स्टेशन पर चाट स्टॉल -ड्राइव इन्स सहित फूड ट्रकों/ ज्यूस बार की स्थापना & संचालन हेतु है। (॥) मंचेरियाल रेलवे स्टेशन पर दूपहिया & चार पहिया वाहनों की पार्किंग लाट का मैनेजमेंट। 5) यह ठेका, (।) तांडूर रेलवे स्टेशन पर चाट स्टॉल-ड्राइव इन्स सहित फूड ट्रकों/ ज्यूस बार की स्थापना & संचालन हेतु है। (॥) तांडूर रेलवे स्टेशन पर दूपहिया, तिपहिया & चार पहिया वाहनों की पार्किंग लाट का मैनेजमेंट। 6)यह ठेका,परली वैजनाथ रेलवे स्टेशनपर चाट स्टाल सहित फूड ट्रकों/ ज्यूस बार की स्थापना हेतु है।

क्रम सं.7, श्रेणीः पार्किंग, **सूची संख्याः** पार्क-सीटी-04-9-26, **नीलामी शुरु तिथि & समयः** 04- सितंबर-26 के 14.00 बजे।संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)-सीटी, नीलामी विवरणःचिट्टापुर रेलवेस्टेशनपर पार्किंग का ठेका।

क्रम सं.8, श्रेणीः एडवर्टाइजिंग, **सूची संख्याः** एससी-एडीवीटी-15, **नीलामी शुरु तिथि & समयः** 04- सितंबर-26 के 14.00 बजे। संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)-12721/22,12791/92, आरडीएम, बीपीए, एसकेजेडआर, जेएमकेटी, बीएमटी। **नीलामी विवरणः** 1) रेल सं. 12721/22,एचवायबी-एनजेडएम-एचवायबी दक्षिण एस/एफ एक्सप्रेस हेतु रेल के अंदर विज्ञापन। 2) रेल सं. 12791/92,एचवायबी-एससी-ड़ीएनआर- एससी दानापुर एक्सप्रेस हेतु रेल के अंदर विज्ञापन। 3) रामगुंडम, बेल्लमपल्ली, सिरपुर कागजनगर & जम्मीकुन्टा रेलवे स्टेशनों के परिसंचरण क्षेत्र में स्थैतिक होर्डिंग्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु ठेका या संविदा। 4). बीएमटी रेलवे स्टेशन के भीतर डिजीटल बोर्ड्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु ठेका। 5) बेगमपेट रेलवे स्टेशन के भीतर स्थैतिक विज्ञापनों के प्रदर्शन हेतु संविदा।

क्रम सं.9, श्रेणीः पे&यूज , **सूची संख्याः** पीएनयु-एससी-जेडएन-टीओआय, **नीलामी शुरु तिथि & समयः** 04- सितंबर-26 के 14.30 बजे। संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)-जेडएन, बीडीसीआर। **नीलामी विवरणः** जनगांव & भद्राचलम रोड स्टेशनों पर व्यक्तिगत या इनडीवीज्युएल पे एन्ड यूज शौचालयों का ठेका।

क्रम सं.10, श्रेणीः पार्सिल्स , **सूची संख्याः** एससी-पार्सिल्स-1926, **नीलामी शुरु तिथि & समयः** 07- सितंबर-26 के 12.00 बजे। संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)-12721 /22, **नीलामी विवरणः** पार्सल वैन 12721 /22, में पार्सल स्पेस।

क्रम सं.11, श्रेणीः एमपीएस, **सूची संख्याः** एमपीएस -मल्टि-09-26, **नीलामी शुरु तिथि & समयः** 07- सितंबर-26 के 14.00 बजे। संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)-एचवायबी, सीएचजेड, डब्ल्युएल, आरडीएम, बीआयडीआर,एमसीआय, **नीलामी विवरणः** एससी डिवीजन हैदराबाद, चर्लापल्ली, वरंगल, रामगुंडम, बिदर, मंचेरियाल के विविध स्टेशनों पर एमपीएस।

क्रम सं.12, श्रेणीः पार्किंग, **सूची संख्याः** पार्क -मल्टि-07-09, **नीलामी शुरु तिथि & समयः** 07- सितंबर-26 के 14.00 बजे। संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)-एचवायबी, जीटी, एचटीसीवाय, एमएलवाय, बीआरबीडी, एलटीआरआर, **नीलामी विवरणः** हैदराबाद, घटकेसर, हायटेक सिटी, मौलाली, बोराबंडा & लातूर रोड रेलवे स्टेशनो पर विविध पार्किंग के ठेके या संविदाएं।

क्रम सं.13, श्रेणीः पे एन्ड यूज, सूची संख्याः पीएनयु-एससी-एचटीसीवाय-2, **नीलामी शुरु तिथि & समयः** 07- सितंबर-26 के 14.30 बजे। संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)- एचटीसीवाय, एलकेपीएल, **नीलामी विवरणः** हायटेक सिटी & लकडी का पूल स्टेशनों पर व्यक्तिगत पे एन्ड यूज शौचालयों के ठेके या संविदाएं।

क्रम सं.14, श्रेणीः एमआयएससी-स्थैतिक, **सूची संख्याः** एमएसएस-मिक्स-25-16, **नीलामी शुरु तिथि & समयः** 07- सितंबर-26 के 15.00 बजे। संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)- आरसी, युडीजीआर, बीएमटी, **नीलामी विवरणः** 1. रायचूर रेलवे स्टेशन पर ज्यूस बार & चाट स्टाल की स्थापना तथा संचालन हेतु ठेका। 2. उदगीर रेलवे स्टेशन पर फूड ट्रक की स्थापना &संचालन हेतु ठेका। 3. बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर प्रीमियम स्टोर्स की स्थापना &संचालन हेतु ठेका।

क्रम सं.15, श्रेणीः एडवर्टाइजिंग, **सूची संख्याः** एससी-एडीवीटी-मिक्स-16, **नीलामी शुरु तिथि & समयः** 08- सितंबर-26 के 10.00 बजे। संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)-12727/28, सीएचजेड, आरडीएम, बीपीए, एसकेजेडआर, जेएमकेटी, **नीलामी विवरणः**1) रेल सं.12727/28 गोदावरी एक्सप्रेस की बाहरी विनाइल रैप्पिंग हेतु ठेका। 2) चर्लापल्ली रेलवे स्टेशन पर स्थैतिक /डिजीटल मीडिया सहित टीवी स्क्रीन्स, युनिपोल्स&,होर्डिन्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों का ठेका। 3) चर्लापल्ली रेलवे स्टेशन के भीतर डिजीटल बोर्ड्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु ठेका। 4) रामगुंडम, बेल्लमपल्ली, सिरपुर कागजनगर & जम्मीकुंटा रेलवे स्टेशनों के भीतर स्थैतिक बोर्ड्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु ठेका। 5) चर्लापल्ली रेलवे टर्मिनल के भीतर स्थैतिक बोर्ड्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों के प्रदर्शन हेतु ठेका।

क्रम सं.16, श्रेणीः एमआयएससी-स्थैतिक, **सूची संख्याः** एमएसएस-मिक्स-26-16, **नीलामी शुरु तिथि & समयः** 08- सितंबर-26 के 10.00 बजे। संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)- बीएमटी, जीएलइ, एससी, एचटीसीवाय, **नीलामी विवरणः** 1) बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर रोबोटिक रिलेक्सेशन चेयर्स & डिजीटल क्लोकरूम की स्थापना, संचालन तथा रखरखाव। 2) गाजुलागुडेम रेलवे स्टेशन के नामित रेक लाइनों & प्लेटफार्म्स पर बीओएक्सएन वैगन की सफाई, खाली वैगानों द्वारा अवशेष बचा हुआ कोयला & अन्य सामग्री को हटाना। 3) कोचिंग डिपो (सिकंदराबाद) सहित सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर कचरा प्रबंधन या वेस्ट मेनेजमेंट हेतु ठेका। 4) हायटेक रेलवे स्टेशन के बाहर उपलब्ध क्षेत्र में फन झोन की स्थापना हेतु ठेका। 5) हायटेक सिटी रेलवे स्टेशन पर चाट स्टॉल सहित ज्यूस बार की स्थापना व संचालन हेतु ठेका। 6) बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर प्रीमियम स्टोर की स्थापना व संचालन हेतु ठेका।

क्रम सं.17, श्रेणीः पार्सल्स, **सूची संख्याः** एससी पार्सल्स-2026, **नीलामी शुरु तिथि & समयः** 08- सितंबर-26 के 12.00 बजे। संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)-12740, 17067, 22731, 17069, 12728, 12590, 15645, 18528, 12791/92, **नीलामी विवरणः** 1) रेल सं. 12740, 17067, 22731, 17069, 12728, 12590, 15645, 18528 के एसएलआर कोच (सिंगल कम्पार्टमेंट) में पार्सल स्पेस। 2) रेल सं.12791/92 के पार्सल वैन में पार्सल स्पेस।

इच्छुक पार्टीज & ठेकेदार निम्न विषय पर ध्यान दें & ई-नीलामी सूचना के विस्तृत विवरण हेतु उपरोक्त वेबसाइट पर जाएं।
पूछताछ/स्पष्टीकरणों हेतु कृपया अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क करें।

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्य प्रबंधकड़सिकंदराबाद

कोलंबो टेस्ट में श्रीलंका पर फॉलोऑन का खतरा

भारत 238 रन से आगे

बारिश के कारण तीसरे दिन जल्दी स्टंप्स हुआ

कोलंबो, 25 अगस्त (एजेंसियां)। कोलंबो टेस्ट में श्रीलंका पर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा है। टीम को इसे टालने के लिए 37 रन और बनाने हैं। श्रीलंका ने भारत के खिलाफ पहली पारी में 265 रन पर 8 विकेट गंवा दिए हैं। भारत ने पहली पारी में 503 रन बनाए थे। बारिश के कारण मंगलवार को तीसरे दिन का खेल जल्दी समाप्त हो गया। सोनल दिनूषा 85 और लाहिरू कुमारा 8 रन पर नाबाद लौटे। पसिंदु सूरियाबंडारा ने 80 रन की पारी खेली। उन्हें रवींद्र जडेजा ने बोल्ड कर दिया। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा और मानव सुथार ने 3-3 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज को एक-एक विकेट मिला। 82 ओवर का खेल पूरा होने के बाद अंपायर अहसान रजा ने रोशनी की स्थिति जांची। कुमारा ने संकेत दिया कि उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद साफ दिखाई नहीं दे रही थी। इस वजह से कुछ देर के लिए खेल रोका गया। फिलहाल रोशनी मैच जारी रखने के लिए ठीक नजर आ रही है। भारतीय कप्तान ने सारांश जैन को गेंदबाजी पर लगा दिया है। क्योंकि, अंपायर ने कम रोशनी में एक्सप्रेस फास्ट बॉलर्स से गेंदबाजी नहीं कराने को कहा है। श्रीलंकाई पारी में 80 ओवर का खेल होने के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने दूसरी नई बॉल ली है। इसी ओवर में सारांश जैन की बॉल लाहिरू कुमारा के बैट और पैड पर लगी। अपील पर अंपायर ने आउट भी दे दिया। लेकिन, श्रीलंकाई बैटर रिव्यू लेकर बच गया।

प्रज्ञाननंदा ग्रैंड चेस टूर टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे

जर्मनी के कीमर को 19-9 से हराया; अब डिफेंडिंग चैंपियन कारुआना से मुकाबला

सेंट लुइस, 25 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ग्रैंड चेस टूर 2026 के फाइनल में पहुंच गए हैं। अमेरिका के सेंट लुइस में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में प्रज्ञाननंदा ने सेमीफाइनल में जर्मनी के विंसेंट कीमर को 19-9 से हराया।

प्रज्ञाननंदा ने क्लासिकल और रैपिड गेम के बाद ही फाइनल में जगह पक्की कर ली थी। इसके बाद खेले गए तीन ब्लिट्ज गेम हारने के बावजूद उनके कुल स्कोर पर कोई असर नहीं पड़ा।

अब 25 अगस्त को खिताबी मुकाबले में प्रज्ञाननंदा का सामना डिफेंडिंग चैंपियन अमेरिका के फैबियानो कारुआना से होगा।

प्रज्ञाननंदा ने सेमीफाइनल के दूसरे क्लासिकल गेम में कीमर को हराकर 9-3 की बढ़त हासिल की। इसके बाद रैपिड गेम्स में भी उन्होंने बढ़त बनाए रखी।

रैपिड मुकाबलों के बाद प्रज्ञाननंदा ने 3 गेम बाकी रहते ही सेमीफाइनल अपने नाम कर लिया। यानी ब्लिट्ज के नतीजे उनके फाइनल में पहुंचने की स्थिति को बदल नहीं सकते थे।

इसके बाद चार ब्लिट्ज गेम खेले गए। प्रज्ञाननंदा ने पहले ब्लिट्ज गेम में हार की स्थिति से वापसी करते हुए जीत दर्ज की, लेकिन इसके बाद कीमर ने लगातार तीन ब्लिट्ज गेम जीत लिए। इसके बावजूद सेमीफाइनल का कुल स्कोर 19-9 प्रज्ञाननंदा के पक्ष में रहा।

दूसरे सेमीफाइनल में फैबियानो कारुआना ने अमेरिका के वेस्ले सो को 18-12 से हराया। इसके साथ ही प्रज्ञाननंदा और कारुआना के बीच खिताबी मुकाबला तय हो गया।

फाइनल 25 अगस्त को खेला जाएगा। इसमें दोनों खिलाड़ी 0-0 से नई शुरुआत करेंगे। यानी सेमीफाइनल के अंक फाइनल में नहीं जुड़ेंगे।

कारुआना इस टूर्नामेंट के डिफेंडिंग चैंपियन हैं और लगातार दूसरी बार खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। दूसरी ओर, प्रज्ञाननंदा पहली बार जीसीटी खिताब जीतने के लिए खेलेंगे।

फाइनल से पहले हुए ड्रॉ में तय हुआ कि प्रज्ञाननंदा पहली क्लासिकल बाजी में ब्लैक मोहरों से खेलेंगे। फाइनल में पहले दो क्लासिकल गेम खेले जाएंगे। इसके बाद प्रतियोगिता के तय फॉर्मेट के अनुसार रैपिड और ब्लिट्ज गेम होंगे।

ग्रैंड चेस टूर फाइनल की कुल इनामी राशि 4.5 लाख डॉलर है। चैंपियन को 2 लाख डॉलर मिलेंगे। रनर-अप को 1.25 लाख डॉलर और तीसरे स्थान के खिलाड़ी को 75 हजार डॉलर मिलेंगे। टॉप-3 खिलाड़ियों को 2027 ग्रैंड चेस टूर का सीधा आमंत्रण भी मिलेगा।

वैभव सूर्यवंशी ने 4 गेंद में 2 विकेट लिए

दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन की तरफ से बॉलिंग की

बेंगलुरु, 25 अगस्त (एजेंसियां)। दलीप ट्रॉफी 2026 के क्वार्टर फाइनल में वैभव सूर्यवंशी ने 4 बॉल में 2 विकेट ले लिए। ईस्ट जोन की ओर से खेल रहे वैभव ने नॉर्थ ईस्ट जोन की दूसरी पारी में एक ही ओवर में 2 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। उन्होंने अपने दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर किशन लिंगदोह और पांचवीं गेंद पर इमलीवाती लेमटूर को आउट किया।

15 साल के वैभव के इस स्पेल के बाद ईस्ट जोन पारी की जीत से 2 विकेट दूर है। लंच तक नॉर्थ ईस्ट जोन ने दूसरी पारी के 39 ओवर में 102/8 रन बनाए हैं। टीम को पारी की हार टालने के लिए अभी 254 रन की जरूरत थी। इससे पहले वैभव ईस्ट जोन के लिए ओपनिंग करते हुए 8 रन ही बना सके थे।

वैभव ने नॉर्थ ईस्ट जोन की दूसरी पारी के 28वें ओवर में गेंदबाजी की। ओवर की दूसरी गेंद पर किशन लिंगदोह ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की। गेंद उनके बल्ले का सही संपर्क नहीं ले सकी और सब्स्टीट्यूट फील्डर दानिश दास ने कैच पकड़ लिया।

किशन के आउट होने के बाद इमलीवाती लेमटूर बल्लेबाजी करने आए। उन्होंने पहली ही गेंद पर चौका लगाया। वैभव ने पांचवीं गेंद पर उन्हें भी आउट कर दिया। लेमटूर का कैच विकेटकीपर ईशान किशन ने पकड़ा।

वैभव ने अब तक 3 ओवर गेंदबाजी की है और 11 रन देकर 2 विकेट हासिल किए हैं। वह ईस्ट जोन के उप-कप्तान भी हैं।

वैभव इस मैच में बल्लेबाजी में कुछ खास नहीं कर सके। ईस्ट जोन की पहली पारी में वे 6 गेंद पर 8 रन बनाकर आउट हुए। उनकी छोटी पारी में दो चौके शामिल रहे।

हालांकि उनकी टीम ने पहली पारी में बड़ा स्कोर खड़ा किया। ईस्ट जोन ने 467 रन बनाए। बंगाल के सुदीप कुमार घरामी और शाहबाज अहमद ने शतक लगाए, जबकि झारखंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्र ने 55 रन की पारी खेली।

ईस्ट जोन की पहली पारी में शाहबाज अहमद ने 167 रन बनाए। यह उनके फर्स्ट क्लास करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। उन्होंने टीम को 467 रन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। सुदीप कुमार घरामी ने भी शानदार पारी खेली। वे 146 रन बनाकर आउट हुए।

467 रन के जवाब में नॉर्थ ईस्ट जोन की पहली पारी सिर्फ 111 रन पर खत्म हो गई। ईस्ट जोन के अभिजित के. सरकार ने 5 विकेट पर 20 रन दिए। यह उनका फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पांचवां फाइव विकेट हॉल था।

शाहबाज अहमद ने भी गेंद से कमाल किया और 3 विकेट हासिल किए। इस तरह ईस्ट जोन को पहली पारी में 356 रन की बड़ी बढ़त मिली। इसके बाद ईस्ट जोन ने नॉर्थ ईस्ट जोन को फॉलोऑन दे दिया।

फॉलोऑन खेलने उतरी नॉर्थ ईस्ट जोन की दूसरी पारी में भी बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए। टीम ने लगातार विकेट गंवाए और लंच तक 102/8 के स्कोर पर पहुंच गई। उसे पारी की हार से बचने के लिए 254 रन और बनाने थे।

नाइट क्लब घटना के बाद ब्रायडन कार्स टीम से बाहर

लंदन, 25 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स को डर्बी के नाइट क्लब में हुई घटना के बाद पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है। यह घटना शनिवार रात मिडिल इंग्लैंड के डर्बी में हुई। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में कार्स को हथकड़ी लगाए चार पुलिस अधिकारियों के साथ जाते हुए देखा गया। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि क्रिकेट रेगुलेटर इस घटना की जांच करेगा। क्रिकेट रेगुलेटर इंग्लैंड और वेल्स में क्रिकेट खेल के नियमों, अनुशासन की निगरानी करने वाली एक संस्था है। बोर्ड ने बयान में कहा- 'शिकायत के बाद क्रिकेट रेगुलेटर ने पुष्टि की है कि वे शनिवार रात डर्बी में हुई घटनाओं की जांच करेगा। जांच जारी रहने और पूरी जानकारी मिलने तक कार्स दूसरे टेस्ट मैच के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे।' वीडियो में कार्स को हथकड़ी में पुलिस वालों के साथ दिख रहे हैं।

बालाजी-चंद्रशेखर ने कानकुन टेनिस ओपन जीता

फाइनल में मैक्सिको और बेलारूस की जोड़ी को हराया, करीब 9.5 लाख मिले

मैक्सिको, 25 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के एन. श्रीराम बालाजी और अनिरुद्ध चंद्रशेखर ने मैक्सिको में खेले गए कानकुन कंट्री टेनिस ओपन का डबल्स खिताब जीत लिया है।

भारतीय जोड़ी ने फाइनल में मैक्सिको के मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला और बेलारूस के इवान ल्युटारेविच को 6-3, 7-6(4) से हराया।

इस जीत के साथ बालाजी और अनिरुद्ध को 125-125 एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स रैंकिंग पॉइंट्स और 9,900 डॉलर (करीब 9.5 लाख रुपए) की इनामी राशि मिली।

फाइनल के पहले सेट में दोनों जोड़ियों के बीच मुकाबला कड़ा रहा, लेकिन भारतीय जोड़ी ने अहम मौकों पर बढ़त बनाते हुए सेट 6-3 से अपने नाम किया।

भारतीय जोड़ी ने पहली सर्विस पर 68% और दूसरी सर्विस पर 81% अंक जीते। दूसरे सेट में भी मुकाबला बराबरी का रहा और सेट टाईब्रेकर तक पहुंचा।

बालाजी और अनिरुद्ध ने टाईब्रेकर में 7-4 से जीत दर्ज की और 7-6(4) से दूसरा सेट अपने नाम करते हुए खिताब जीत लिया।

कानकुन की जीत अनिरुद्ध चंद्रशेखर के लिए चैलेंजर सर्किट का 11वां खिताब है। यह 2026 में उनका दूसरा खिताब भी है।

इस साल इससे पहले अनिरुद्ध ने जापान के ताकेरू युजुकी के साथ बुसान एटीपी चैलेंजर 125 का खिताब जीता था।

बालाजी के लिए यह जीत और भी खास रही। यह उनका 2026 का पांचवां चैलेंजर खिताब है।

इस साल उनके पहले चार चैलेंजर खिताब ऑस्ट्रिया के नील ओबरलाइटनर के साथ आए थे। कानकुन में अनिरुद्ध के साथ खिताब जीतने के बाद बालाजी के चैलेंजर सर्किट पर कुल खिताबों की संख्या 15 हो गई है।

कानकुन कंट्री ओपन की उपविजेता जोड़ी रेयेस-वरेला और ल्युटारेविच को 75 एटीपी रैंकिंग पॉइंट्स मिले। उन्हें 5,760 डॉलर (करीब 4.8 लाख) की इनामी राशि मिली।

रेलवे मिक्स्ड हाई स्कूल आरएमएचएस के शिक्षकों ने राज्य और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में लहराया परचम

रोप स्किपिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल और मंडल का नाम किया रोशन

हैदराबाद, 25 अगस्त (एजेंसियां)। रेलवे मिक्स्ड हाई स्कूल (आरएमएचएस), दक्षिण लालागुड़ा के शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय और राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में अपनी असाधारण उपलब्धियों से संस्थान को गौरवान्वित किया है। गचीबोवली स्टेडियम, हैदराबाद में आयोजित '1स्ट वर्ल्ड ओपन ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2026-27' में आरएमएचएस के शिक्षक सुब्रह्मण्यम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडिविजुअल पूमसे,Pair पूमसे और टीम पूमसे श्रेणियों में कुल तीन पदक अपने नाम किए।

एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि में, रंगा रेड्डी रोप स्किपिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित '3री तेलंगाना रोप स्किपिंग एसोसिएशन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता' में एम. काव्या ने 30-सेकंड स्पीड हूप स्पर्धा में पहला स्थान हासिल किया। इस शानदार प्रदर्शन के बल पर उनका चयन 'राष्ट्रीय स्तरीय रोप स्किपिंग प्रतियोगिता 2026-27' के लिए हुआ है।

खेलों में उनके समर्पण और उपलब्धियों को सराहते हुए, मंडल रेल प्रबंधक (हैदराबाद मंडल) श्री संतोष कुमार वर्मा ने वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री आनंद कट्टा की गरिमामय उपस्थिति में दोनों प्रतिभावान शिक्षकों को सम्मानित किया।

सुब्रह्मण्यम और एम. काव्या की यह सफलता न केवल शैक्षणिक क्षेत्र में, बल्कि खेल और पाठ्येतर गतिविधियों में भी आरएमएचएस के शिक्षकों की उत्कृष्टता को दर्शाती है। उनकी यह उपलब्धि छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और समग्र शिक्षा, फिटनेस, अनुशासन एवं खेल उत्कृष्टता के प्रति स्कूल की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। आरएमएचएस प्रबंधन ने दोनों शिक्षकों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य व आगामी खेल प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

भारत टी-20 सीरीज के लिए अफगानिस्तान टीम का ऐलान

काबुल, 25 अगस्त (एजेंसियां)। भारत टी-20 सीरीज के लिए अफगानिस्तान ने टीम का ऐलान किया है। सितंबर में खेली जाने वाली तीन मैचों की सीरीज में इब्राहिम जादरान कप्तान होंगे। स्टार खिलाड़ी राशिद खान भी टीम में शामिल हैं। तीनों मैच पहले से तय शेड्यूल 13, 15 और 17 सितंबर को ही होंगे। हालांकि अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पहले गणेश चतुर्थी को एक मैच रखने का प्रस्ताव BCCI को भेजा था। सभी मुकाबले नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे।

अफगानिस्तान का स्क्वॉड

इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सेद्दीकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नायब, नूर रहमान, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांग्याल खरोती, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, नवीन उल हक, अब्दुल्लाह अहमदजई।

अफगानिस्तान बोर्ड ने अपने स्टेक होल्डर्स के कहने पर BCCI के सामने तारीखें बदलने का प्रस्ताव रखा था। अफगानिस्तान ने 11, 13 और 14 सितंबर की तारीखों पर मैच कराने को कहा। उसका मानना था कि बदली तारीखों पर मैच कराने से दर्शकों की संख्या और स्टेडियम में आने वाले लोगों की संख्या बढ़ेगी।

अब पुराने शेड्यूल पर ही सहमति बनी है। अफगानिस्तान के लिए यह सीरीज ऐतिहासिक होगी। ऐसा पहली बार होगा, जब अफगानिस्तान, भारत के खिलाफ बाइलेटरल सीरीज की मेजबानी करेगा। हालांकि सभी मैच भारत में ही होंगे। इस सीरीज की वजह से टीम इंडिया के बांग्लादेश दौरे पर जाने की संभावना लगभग खत्म हो गई है। अफगानिस्तान सीरीज के अनाउंसमेंट से पहले इसी टाइम विंडो के आसपास बांग्लादेश दौरे की संभावना बन रही थी। भारत की श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज 27 अगस्त को खत्म होगी। जबकि एशियन गेम्स 24 सितंबर से शुरू होंगे। इन दोनों आयोजनों के बीच भारतीय टीम के पास खाली समय है।

जून में भारत ने अफगानिस्तान की मेजबानी की थी। तब दोनों टीमों के बीच एक टेस्ट और तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली गई थी। आने वाली टी-20 इंटरनेशनल सीरीज के बाद भारत और अफगानिस्तान तीनों फॉर्मेट में एक-दूसरे के खिलाफ खेल चुके होंगे।

पहले की तारीखों का ऐलान करते समय बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा था- 'हमने जून में अफगानिस्तान की मेजबानी की थी, जिसमें टेस्ट और वनडे सीरीज खेली गई थी। इस टी-20 सीरीज के बाद दोनों टीमें तीनों फॉर्मेट में एक-दूसरे के खिलाफ खेल चुकी होंगी।'

भारत हॉकी वर्ल्डकप के सेमीफाइनल की रेस से बाहर

एम्स्टेलवीन, 25 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष टीम हॉकी वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गई है। उसे एम्स्टेलवीन के वेगनर स्टेडियम में अर्जेंटीना ने 5-3 से हराया। भारत को सेमीफाइनल की उम्मीद बनाए रखने के लिए अर्जेंटीना को कम से कम 2 गोल से हराना जरूरी था। लेकिन खराब डिफेंस के कारण अर्जेंटीना ने मैच पर कब्जा कर लिया। भारत ने 5 मैचों में 16 गोल खाए। अर्जेंटीना के खिलाफ मजबूत नतीजे की जरूरत वाले इस टूर्नामेंट में भारतीय डिफेंस की कमजोरियां टीम पर भारी पड़ीं। भारत अब 7वें और 8वें स्थान के लिए होने वाले क्लासिफिकेशन मैच में बेल्जियम से खेलेगा। एक दिन पहले भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी। अर्जेंटीना ने पहले ही मिनट में जोआक्विन टोस्कानी ने फील्ड गोल कर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। छठे मिनट में निकोलस डेला टोरे ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर बढ़त 2-0 कर दी।

मानव सुथार ने फेंकी सीरीज की सबसे तेज गेंद

कोलंबो, 25 अगस्त (एजेंसियां)। कोलंबो टेस्ट में श्रीलंका की पहली पारी के दौरान प्रभात जयसूर्या का विकेट मानव सुथार ने लिया. उन्होंने प्रभात जयसूर्या को एलबीडब्ल्यू किया. लेकिन, उसके बाद इस विकेट का जो सच सामने आया, वो हैरान करने वाला रहा. मानव सुथार ने जिस गेंद पर प्रभात जयसूर्या का विकेट लिया, वो भारत-श्रीलंका के बीच जारी टेस्ट सीरीज की सबसे तेज गेंद रही. अब आप सोच रहे होंगे कि उस गेंद की रफ्तार क्या रही और स्पिनर होकर मानव सुथार ने सबसे तेज गेंद कैसे डाल दी?

मानव सुथार ने जिस गेंद पर प्रभात जयसूर्या का विकेट लिया, वो मौजूदा टेस्ट सीरीज में स्पिनर की फेंकी सबसे तेज गेंद है. ना कि ओवरऑल. सीरीज में गॉल से लेकर कोलंबो टेस्ट के दूसरे दिन तक के खेल में भारत और श्रीलंका के स्पिनर ने मिलकर कुल 1958 गेंदें फेंकी. यानी 326.2 ओवर स्पिनर्स ने डाले. उन्होंने 1958 गेंदों में वो गेंद सबसे तेज रही, जिस पर प्रभात जयसूर्या एलबीडब्ल्यू हुए.

मानव सुथार के उस गेंद की रफ्तार 98.85 किमी प्रति घंटे की रही, जो सीरीज में किसी स्पिनर की सबसे तेज गेंद रही. मानव सुथार ने श्रीलंका की पहली पारी के तीसरे ओवर की आखिरी गेंद पर प्रभात जयसूर्या को आउट किया. इसी ओवर की तीसरी गेंद सुथार ने 98.17 किमी प्रति घंटे की स्पीड से फेंकी थी, जो कि सीरीज में किसी स्पिनर की डाली तीसरी सबसे तेज गेंद रही.

पदक का दावेदार वुशु खिलाड़ी डोप में फंसा

जकार्ता एशियाड में पदक जीत चुके भानुप्रताप टीम से बाहर

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। एशियाई खेलों के भारतीय दल पर डोपिंग का साया बुरी तरह गहरा गया है। दो पहलवानों और एक रोइंग खिलाड़ी के डोप में फंसने के बाद एशियाड में पदक के दावेदार वुशु खिलाड़ी सूर्य भानुप्रताप सिंह भी डोप में फंस गए हैं। उन्हें एशियाई खेलों की टीम से बाहर कर दिया गया है। जम्मू कश्मीर के सूर्य भानुप्रताप सिंह को 65 किलो भार वर्ग के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था, लेकिन नाडा की टेस्टिंग में उनके सैंपल में प्रतिबंधित सार्म्स एनोबोसार्म (ओस्टारिन) पाया गया है। उन पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया गया है। सूर्य भानुप्रताप के टीम से बाहर होने के कारण वुशु खिलाड़ियों की एशियाई खेलों के लिए संख्या सात रह गई है।

सूर्य भानुप्रताप देश के सबसे अनुभवी वुशु खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने 2018 के जकार्ता एशियाई खेलों में 60 किलो भार वर्ग में कांस्य पदक जीता था। इससे पहले वह 2015 और 2017 की विश्व चैंपियनशिप में 60 किलो वर्ग में ही कांस्य पदक जीत चुके थे। उन्होंने 2016 के दक्षिण एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। सूर्य से इस बार भी पदक की उम्मीदें की जा रही थीं।

वुशु की ग्रीको रोमन कुश्ती टीम में शामिल दीपांशु (130 किलो) और फ्रीस्टाइल टीम में शामिल मुकुल दहिया (86 किलो) भी नाडा की टेस्टिंग में डोप में पॉजिटिव पाए गए हैं। भारतीय कुश्ती महासंघ ने दीपांशु की जगह रौनक को टीम में शामिल किए जाने को कहा है, लेकिन आयोजकों की ओर से अभी इसकी मंजूरी नहीं मिली है। सूर्य भानु प्रताप की जगह कोई अन्य खिलाड़ी टीम में शामिल नहीं किया जा रहा है। इसी तरह मुकुल की जगह भी कोई अन्य पहलवान टीम में नहीं रखा जा रहा है।

आईपीएल में खेले बिना इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले 3 खिलाड़ी लिस्ट में जुड़ा सारांश जैन का नाम

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में ऑलराउंडर सारांश जैन को इंटरनेशनल डेब्यू करने का मौका मिला. 33 वर्षीय सारांश ने घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर टीम इंडिया में अपनी जगह बनाई है. इसी के साथ वह 21वीं सदी में भारत के लिए टेस्ट डेब्यू करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए. इतना ही नहीं, टेस्ट डेब्यू के साथ ही सारांश के नाम एक अनोखा रिकॉर्ड भी जुड़ गया है.

दरअसल, सारांश ने आईपीएल में एक भी मुकाबला खेले बिना सीधे इंटरनेशनल क्रिकेट में कदम रखा है. ऐसे समय में जब कई प्लेयर्स IPL में दमदार प्रदर्शन करने के बाद टीम इंडिया के जगह बना रहे हैं, सारांश ने इसके उलट किया है. हालांकि, भारतीय क्रिकेट के इतिहास में उनसे पहले भी कुछ खिलाड़ी ऐसे रहे हैं, जिन्होंने टीम इंडिया के लिए डेब्यू करने के बाद में आईपीएल में अपनी शुरुआत की है.

बोल्ट, बुमराह, स्टार्क, मलिंगा और ज़हीर को बनाया जिसने गुरु

यूपी टी 20 लीग में 23 गेंदों में गिराए 6 विकेट

लखनऊ, 25 अगस्त (एजेंसियां)। जिसने तेज गेंदबाजी के बड़े-बड़े सूरमाओं से टिप्स लेकर अपनी रफ्तार को धार दी हो, उसका वार तो दमदार होगा ही. यूपी टी 20 लीग 2026 में खेले मुकाबले में एक ऐसे ही गेंदबाज का रौब देखने को मिला. नोएडा सुपर किंग्स और गोरखपुर लायंस के बीच खेले मुकाबले में उस तेज गेंदबाज ने अपनी चमक ऐसे बिखेरी कि देखने वाले दंग रह गए. 20 ओवर के मैच में उसने 6 विकेट अकेले चटकाए और ऐसा करते हुए विरोधी टीम को सस्ते में ही ऑल आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. हम बात कर रहे हैं 20 साल के होनहार गेंदबाज नमन तिवारी की.

यूपी टी20 लीग 2026 में नमन तिवारी ने नोएडा सुपर किंग्स से खेलते हुए गोरखपुर लायंस के खिलाफ 6 विकेट झटके. उन्होंने ये विकेट मैच में फेंकी सिर्फ 23 गेंदों यानी 3.5 ओवर में 13 रन देकर झटके. नमन तिवारी के इस कातिलाना गेंदबाजी का असर ये हुआ कि पहले बल्लेबाजी करते हुए गोरखपुर लायंस पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल सकी और 17.5 ओवर में 112 रन बनाकर ऑल आउट हो गई. नोएडा सुपर किंग्स ने 16.1 ओवर में लक्ष्य को चेज करते हुए 4 विकेट से मुकाबला जीत लिया.

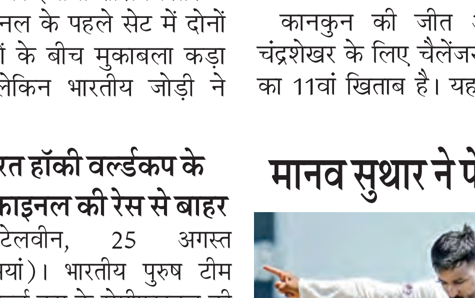

अब सवाल है कि कैसे बोल्ट, बुमराह, स्टार्क, मलिंगा और ज़हीर जैसे नामचीन तेज गेंदबाज नमन तिवारी के गुरु की लिस्ट में शुमार हुए? गुरु मतलब जिनसे आप कुछ सीखते हैं. वर्ल्ड क्रिकेट में तेज गेंदबाजी के 5 महारथियों से नमन तिवारी ने वही सीख लेने की कोशिश की है. अब ऐसा कैसे किया, वो जानिए. नमन लेफ्ट आर्म पेसर हैं और ट्रेंट बोल्ट को फॉलो करते हैं. इसका खुलासा उन्होंने क्रिकइंफो को दिए इंटरव्यू में किया था. अब जिसे फॉलो करते हैं उससे कुछ सीखते तो हैं ही. उसी इंटरव्यू में नमन ने बोल्ट से अपनी पहली मुलाकात के बारे में बताया. उन्होंने कहा कि उनकी मुलाकात आरआर के नेट्स पर हुई थी. पहली बार जब वो बोल्ट से मिले तो बात करने में हिचकिचा रहे थे. तब नेट्स पर उनकी गेंदबाजी देखने के बाद बोल्ट ने खुद आकर उनसे बात की थी.

ट्रेंट बोल्ट की तरह नमन तिवारी ने मिचेल स्टार्क को भी अपना हीरो बताया है. उन्होंने कहा कि RR से जब वो बतौर नेट बॉलर जुड़े थे तभी उन्होंने लसिथ मलिंगा से यॉर्कर के गुर सीखे थे. जसप्रीत बुमराह से गेंदबाजी के टिप्स लेने का मौका नमन को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में मिला था. बुमराह से भी उन्होंने यॉर्कर और स्पीड के पाठ पढ़े.

नमन तिवारी आईपीएल में एलएसजी के भी नेट बॉलर रहे हैं. उसी दौरान उनकी मुलाकात जहीर खान से हुई थी, जो कि तब उस टीम के बॉलिंग कोच थे. नमन तिवारी ने क्रिकइंफो को दिए इंटरव्यू में बताया कि ज़हीर सर ने उन्हें इनस्विंग फेंकने का तरीका समझाया. अब सवाल है कि नमन तिवारी हैं कौन? 20 साल के तेज गेंदबाज यूपी के देवरिया से आते हैं. लेकिन, बेटे को क्रिकेट की अच्छी सुविधाएं मिले, इसके लिए उनके पिता देवरिया से लखनऊ के गोमती नगर शिफ्ट हो गए. शुरू-शुरू में तो नमन क्रिकेट को सिरियसली ले ही नहीं रहे थे. क्रिकेट में उन्होंने दिल लगाना शुरू किया अपने पिता को हार्ट अटैक आने के बाद. परिवार पर मंडराई उस मुसीबत ने नमन को अपना करियर बनाने को लेकर सचेत किया और अब वो देश के एक उभरते हुए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के तौर पर अपनी पहचान बनाते दिख रहे हैं.

सीएम का मूसी परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने का निर्देश

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को मूसी पुनर्जीवन परियोजना के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने और प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए भूमि पूलिंग पर एक स्पष्ट नीति तैयार करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को हैदराबाद स्थित एमसीआर एचआरडी के बोधि पवेलियन में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में मूसी नदी तट विकास परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को मूसी नदी तट परियोजना के द्वितीय चरण के लिए जल्द से जल्द निविदाएं आमंत्रित करने का निर्देश दिया। उन्होंने पूर्ण जलस्तर (एफटीएल), बफर जोन और आवंटित भूमि के अधिग्रहण के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश और प्रक्रियाएं निर्धारित करने का भी आह्वान किया, साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा कि इस प्रक्रिया से कोई कानूनी जटिलता उत्पन्न न हो। मुख्यमंत्री ने नगर आयुक्तों को मूसी नदी तट पहल के तहत शुरू की जाने वाली परियोजनाओं के लिए यथासंभव न्यूनतम ब्याज दरों पर ऋण सुरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। उन्होंने उनसे हस्तांतरणीय विकास अधिकार (टीडीआर) जारी करने की साप्ताहिक समीक्षा करने को भी कहा। रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे गांडीपेट के मंचिरेवुला के पास स्थित ओंकारेश्वर स्वामी मंदिर के निर्माण के लिए तुरंत निविदाएं आमंत्रित करें। उन्होंने अधिकारियों को कोटवालगुडा बर्ड्स पार्क के लिए व्यापक प्रचार करने का भी निर्देश दिया ताकि अधिक से अधिक पर्यटक आकर्षित हों। इस बैठक में रंगारेड्डी और मेडचल जिलों के कलेक्टरों सहित वरिष्ठ अधिकारियों, एचएमडीए, जीएचएमसी और साइबराबाद नगर निगम के प्रतिनिधियों, साथ ही एमआरडीसीएल के एमडी और जेएमडी ने भाग लिया।

सीएम ने बैडमिंटन स्टार गायत्री, ट्रीसा को विश्व कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप में महिला युगल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के बाद बैडमिंटन खिलाड़ियों गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली को अपने जुबली हिल्स स्थित आवास पर सम्मानित किया। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान जाने-माने मुख्य राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद भी दोनों के साथ थे, जहां मुख्यमंत्री ने वैश्विक मंच पर उनकी उपलब्धि की सराहना की और भारतीय खेलों में उनके योगदान की प्रशंसा की। सूचना एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू और पूर्व राष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवीवी लक्ष्मी भी इस संवाद के दौरान उपस्थित थे।

उस्मानिया यूनिवर्सिटी चौथे स्थान पर

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया यूनिवर्सिटी (ओयू) ने इंडिया टुडे रैंकिंग में भारत की टॉप जनरल सरकारी यूनिवर्सिटीज़ में चौथा स्थान और आउटलुक-आईकेयर रैंकिंग 2026 (टॉप 75 राज्य पब्लिक यूनिवर्सिटीज़) में 13वां स्थान हासिल किया। इसके अलावा, उस्मानिया यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग ने आउटलुक- रैंकिंग 2026 (टॉप 25 सरकारी इंजीनियरिंग संस्थान) में 18वां स्थान प्राप्त किया।

वाइस चांसलर प्रो. कुमार मोलुगरम ने कहा कि ये रैंकिंग फैकल्टी सदस्यों, स्कॉलर्स, छात्रों, नॉन-टीचिंग स्टाफ़ और पूर्व छात्रों की प्रतिबद्धता, बौद्धिक ऊर्जा और कड़ी मेहनत का नतीजा है। उन्होंने कहा, यह सफलता सिर्फ़ एक मील का पत्थर नहीं है, बल्कि रिसर्च, टीचिंग और ग्लोबल इनोवेशन के हमारे स्टैंडर्ड्स को और बेहतर बनाने के लिए एक ज़बरदस्त प्रेरणा भी है।

राज्यपाल ने हल्दी किसानों की आय बढ़ाने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी और मूल्यवर्धन का आह्वान किया

निज़ामाबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने मंगलवार को हल्दी किसानों की आय बढ़ाने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी, प्राकृतिक कृषि पद्धतियों, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन और मजबूत बाजार संबंधों को अधिक अपनाने का आह्वान किया। निजामाबाद में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड (एनटीबी) के मुख्यालय में आयोजित एक किसान संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि किसानों का कल्याण राज्य और राष्ट्र दोनों की समृद्धि के लिए मौलिक है। उन्होंने हल्दी किसानों की उपस्थिति में 'सुनहरी मिट्टी अभियान' और एक बाजार संपर्क कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया और उत्कृष्ट किसान संगठनों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। शुक्ला ने कहा कि निज़ामाबाद ने अपनी उपजाऊ मिट्टी और किसानों की मेहनत के कारण देश के हल्दी उद्योग में एक विशेष स्थान अर्जित किया है। उन्होंने कहा कि निज़ामाबाद में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के मुख्यालय की स्थापना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इससे इस क्षेत्र के हल्दी किसानों की लंबे समय से चली आ रही आकांक्षा पूरी हुई है। राज्यपाल ने कहा कि सांसद धर्मपुरी अरविंद की विशेष पहल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन और आशीर्वाद से ही इस बोर्ड की स्थापना संभव हो पाई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कृषि को अधिक लाभदायक बनाने और किसानों की आजीविका में सुधार लाने के लिए कई पहल की हैं। राज्यपाल ने कहा, हल्दी महज एक कृषि उत्पाद नहीं है।

यह भारत की संस्कृति, परंपराओं, आयुर्वेद, आध्यात्मिकता और रोजमर्रा की जिंदगी से गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने इसे भारत की समृद्ध कृषि विरासत का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का उद्देश्य केवल विश्व के सबसे बड़े हल्दी उत्पादक के रूप में भारत की स्थिति को बनाए रखना ही नहीं है, बल्कि देश को हल्दी प्रसंस्करण और मूल्यवर्धित उत्पादों के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करना भी है। राज्यपाल ने गुणवत्ता सुधार, आधुनिक कृषि पद्धतियों और फसल कटाई के बाद के प्रबंधन में किसानों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड की पहलों की सराहना की।

सीएमसी ने 17 अनधिकृत निर्माणों को ध्वस्त किया

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद नगर निगम (सीएमसी) ने निगम की सीमा के भीतर अनधिकृत निर्माणाधीन भवनों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। आज चलाए गए प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत, तीनों क्षेत्रों में कुल 17 अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया गया। ध्वस्त किए गए भवनों में सेरिलिंगमपल्ली क्षेत्र के 7 भवन, कुकटपल्ली क्षेत्र के 2 भवन और कुथबुल्लापुर क्षेत्र के 8 भवन शामिल हैं। विध्वंस के अलावा, प्रवर्तन प्रक्रिया के दौरान पहचानी गई 11 अनधिकृत निर्माणों को यूसी नोटिस जारी किए गए। इसके अतिरिक्त, मायक्योर, प्रजावाणी याचिकाओं और अधिकारियों द्वारा जमीनी स्तर पर पहचान सहित विभिन्न स्रोतों के माध्यम से 54 अनधिकृत निर्माणों की पहचान की गई। अनधिकृत निर्माणों का जल्द से जल्द पता लगाने और तुरंत आवश्यक कार्रवाई करने के लिए पहचान और प्रवर्तन प्रक्रिया निरंतर आधार पर चलाई जा रही है। आयुक्त ने संबंधित नगर नियोजन और प्रवर्तन टीमों को दैनिक स्तर पर जमीनी निगरानी बनाए रखने, अनधिकृत निर्माणों की पहचान को मजबूत करने और लागू नियमों के अनुसार समय पर प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। सीएमसी तीनों क्षेत्रों में प्रवर्तन गतिविधियों की बारीकी से निगरानी करना जारी रखेगा ताकि भवन निर्माण नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके और जन सुरक्षा की रक्षा की जा सके।

रास्ते में बिल्ली के आने से ऑटो-रिक्शा पलटा, 10 मज़दूर घायल

खम्मम, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को ज़िले के वेमसूर मंडल में एर्रागुंटापाडु के पास सड़क पार कर रही एक बिल्ली के कारण हादसा हुआ, जिसमें खेत में काम करने वाली 10 महिला मज़दूर घायल हो गईं।

मज़दूरों को ले जा रहा ऑटो-रिक्शा तब पलट गया जब रास्ते में बिल्ली के आने पर ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिया। यह घटना तब हुई जब मज़दूर काम के लिए वेमसूर से कल्लूरुगुडेम जा रहे थे। घायल मज़दूरों को इलाज के लिए सथुपल्ली सरकारी अस्पताल ले जाया गया; इनमें से एक महिला की हालत गंभीर है। ये मज़दूर वेमसूर के अंबेडकर नगर के रहने वाले हैं।

पेद्दापल्ली जिले में कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने पर जोर

पीएसी बैठक में राजनीतिक एवं संगठनात्मक स्थिति की समीक्षा

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एआईसीसी सचिव व तेलंगाना कांग्रेस के सह प्रभारी सचिन सावंत ने मंगलवार को गांधी भवन, हैदराबाद में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू, पेद्दापल्ली जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक राज ठाकुर तथा अन्य प्रमुख नेताओं के साथ पेद्दापल्ली जिला राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में भाग लिया। बैठक में पेद्दापल्ली जिले की राजनीतिक एवं संगठनात्मक स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान कांग्रेस संगठन को बूथ और जमीनी स्तर से मजबूत करने, मंडल एवं स्थानीय स्तर की समितियों को और सशक्त बनाने तथा नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष रूप से चर्चा हुई। बैठक में एसआईआर के दूसरे चरण की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। इसके प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए जमीनी स्तर पर कांग्रेस संगठन की जिम्मेदारियों और कार्यकर्ताओं की भूमिका पर चर्चा की गई। सचिन सावंत ने कहा कि पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना और नेताओं तथा कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना आगामी राजनीतिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने एसआईआर के दूसरे चरण से संबंधित कार्यों को भी संगठनात्मक स्तर पर प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

टीपीसीसी सोशल मीडिया अध्यक्ष बने नवीन पेट्टम

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त सोशल मीडिया अध्यक्ष नवीन पेट्टम ने मंगलवार को आधिकारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। टीपीसीसी अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य महेश कुमार गौड़ तथा एआईसीसी सचिव व तेलंगाना कांग्रेस के सह प्रभारी सचिन सावंत की मौजूदगी में उन्होंने जिम्मेदारी संभाली।

अध्यक्ष के साथ नवनियुक्त सोशल मीडिया संयोजकों और समन्वयकों ने भी अपने-अपने पदों की जिम्मेदारी ग्रहण की। इस अवसर पर भुवनगिरि सांसद एवं टीपीसीसी मीडिया अध्यक्ष चामला किरण कुमार रेड्डी, जुबली हिल्स विधायक नवीन यादव, रामागुंडम विधायक मक्कान सिंह राज ठाकुर, युवा कांग्रेस अध्यक्ष जक्किडी शिव चरण रेड्डी, विभिन्न निगमों के अध्यक्ष तथा कांग्रेस पार्टी के कई नेताओं ने कार्यक्रम में भाग लेकर नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

नशा मुक्त भारत अभियान पर 'वार्ता' मीडिया कार्यशाला का आयोजन

* पीआईबी हैदराबाद ने महेश्वरम में किया आयोजन

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी), हैदराबाद ने मंगलवार को रंगारेड्डी जिले के महेश्वरम में मीडिया प्रतिनिधियों के लिए 'नशा मुक्त भारत अभियान' (एनएमबीए) पर 'वार्ता' नामक एक मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन महेश्वरम जोन के डीसीपी के. नारायण रेड्डी, पुलिस अधीक्षक, ईगल फोर्स के रावुला गिरिधर, , पीआईबी हैदराबाद के संयुक्त निदेशक डॉ. मानस कृष्णकांत और महेश्वरम की एमपीडीओ एन. शरदम्मा ने किया। सभा को संबोधित करते हुए, महेश्वरम जोन के डीसीपी के. नारायण रेड्डी ने कहा कि नशीले पदार्थों के दुरुपयोग से केवल कानून प्रवर्तन के माध्यम से निपटा नहीं जा सकता; इसके लिए समाज की सामूहिक भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में स्थानीय पुलिस के साथ-साथ एसआईडी, ऑक्टोपस, सीआईएसएल और ईगल फोर्स जैसी मजबूत विशेष बल मौजूद हैं, जो मादक पदार्थों की तस्करी और संबंधित खतरों का मुकाबला करने के लिए कार्यरत हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रोकथाम की शुरुआत परिवारों, शैक्षणिक संस्थानों और समुदायों से होनी चाहिए, जिसमें माता-पिता, छात्र और सहपाठी सतर्क रहें और समय पर जानकारी साझा करें।

उन्होंने कहा कि युवाओं को मादक पदार्थों के दुरुपयोग से बचाना न केवल कानून-व्यवस्था की प्राथमिकता है, बल्कि उनके स्वास्थ्य, कौशल और उत्पादकता की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। के. नारायण रेड्डी ने आगे कहा कि 'नशा मुक्त भारत अभियान' जैसी पहल मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन बन गई है। उन्होंने नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए ऐसी पहलों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने मीडियाकर्मियों से सत्यापित जानकारी प्रसारित करने, मादक पदार्थों के दुरुपयोग के हानिकारक प्रभावों को उजागर करने, शीघ्र हस्तक्षेप को बढ़ावा देने और परामर्श एवं पुनर्वास सेवाओं के बारे में जनता को सूचित करने का आग्रह किया। ईगल फोर्स ने मादक पदार्थों के दुरुपयोग से निपटने के लिए समन्वित प्रयासों पर प्रकाश डाला। नशा मुक्त भारत अभियान पर जागरूकता सत्र का संचालन करते हुए, तेलंगाना के ईगल फोर्स के पुलिस अधीक्षक रावुला गिरिधर ने कहा कि मादक पदार्थों का दुरुपयोग एक व्यक्तिगत या पारिवारिक चिंता से विकसित होकर एक गंभीर सामाजिक, कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती बन गया है, जिसके लिए सभी हितधारकों द्वारा समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि ईगल फोर्स ने जनवरी से लेकर अब तक तेलंगाना भर में लगभग 8,000 किलोग्राम गांजा जब्त किया है, जबकि लगभग 22 प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 30,000 से अधिक पुलिस कर्मियों और अन्य विभागों के अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने मीडियाकर्मियों से आग्रह किया कि वे नशीली दवाओं से संबंधित मामलों की रिपोर्ट सटीकता और संवेदनशीलता के साथ करें, विशेष रूप से नाबालिगों की पहचान की रक्षा करके और नशीली दवाओं के उपयोगकर्ताओं के व्यक्तिगत विवरणों के अनावश्यक खुलासे से बचकर।

नहर में डूबने से युवक की मौत

कोत्तागुडेम, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को जिले के जुलुरुपाड मंडल में विनोबा नगर गांव के पास सीताराम प्रोजेक्ट की राजीव नहर में एक व्यक्ति डूब गया। मृतक, बोडा नागाइया (45), विनोबा नगर के रहने वाले थे और गांव के पास नहर में मछली पकड़ने गए थे। वे गलती से फिसलकर नहर में गिर गए। पास में काम कर रहे मजदूरों ने यह घटना देखी और उनके परिवार को सूचना दी।

परिवार वाले तुरंत मौके पर पहुंचे, उन्हें नहर से बाहर निकाला और जुलुरुपाड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने उनकी जांच की और उनकी मौत की पुष्टि की। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी एससीआर की ज्योति याराजी

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे की स्टार एथलीट एवं एससीआर मुख्यालय के स्टोर्स विभाग में कनिष्ठ लिपिक के पद पर कार्यरत ज्योति याराजी का चयन २०वें एशियाई खेल-२०२६ के लिए भारतीय टीम में हुआ है। वह जापान के आइची-नागोया में १९ सितंबर से ४ अक्टूबर २०२६ तक आयोजित होने वाले एशियाई खेलों में महिलाओं की १०० मीटर बाधा दौड़ स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। ज्योति याराजी इससे पहले भी राष्ट्रीय खेलों और एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर देश तथा भारतीय रेल का गौरव बढ़ा चुकी हैं। उनकी उपलब्धियों से दक्षिण मध्य रेलवे में भी गर्व और उत्साह का माहौल है। दक्षिण मध्य रेलवे ने ज्योति याराजी को एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

श्री विद्यारण्य के छात्र राज्य स्तरीय 'खेल ख़ुद' प्रतियोगिताओं में चमके

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। श्री विद्यारण्य इंटरनेशनल स्कूल, बंदलागुडा, हैदराबाद के छात्रों ने मंगलवार को महबूबनगर के श्री सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में आयोजित राज्य स्तरीय 'खेल ख़ुद' खेल प्रतियोगिताओं में छह स्वर्ण पदक जीते। लक्षिता रेड्डी ने अंडर-17 बैडमिंटन वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि चतुर ने 100 मीटर और 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक हासिल किए। प्रज्ञा की टीम वॉलीबॉल में विजयी रही और एकांका ने शतरंज में स्वर्ण पदक जीता। विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर उन्हें बधाई देते हुए, विद्यालय सचिव विश्वेश्वर राव और प्रधानाचार्य रमा विश्वनाथन ने उनके समर्पण और प्रदर्शन की सराहना की।

खरीफ-रबी 2025-26 की सीएमआर डिलीवरी समय पर पूरी करें : अतिरिक्त कलेक्टर

कच्चे सीएमआर की एफसीआई को आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दें

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) चंद्रा रेड्डी ने मंगलवार को कस्टम मिलरों के साथ बैठक कर खरीफ और रबी 2025-26 से संबंधित कस्टम मिलिंग चावल (सीएमआर) की आपूर्ति की प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर अतिरिक्त कलेक्टर ने मिलरों को निर्देश दिया कि खरीफ और रबी 2025-26 से संबंधित लंबित सीएमआर की आपूर्ति निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी की जाए। उन्होंने विशेष रूप से कच्चे सीएमआर को भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को उपलब्ध कराने को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा इसमें किसी भी प्रकार की देरी नहीं करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि मिलर अपने पास लंबित सीएमआर की तत्काल आपूर्ति करें और सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सीएमआर की आपूर्ति में किसी प्रकार की देरी न हो, इसके लिए लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए।

बैठक में डीसीएसओ वनजाता, डीएमसीएस हरीश, संबंधित विभागों के अधिकारी तथा कस्टम मिलर उपस्थित रहे।

बीआरएस के सीनियर नेता ताजुद्दीन का निधन

खम्मम, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस माइनॉरिटी विंग के पूर्व ज़िला अध्यक्ष मोहम्मद ताजुद्दीन का सोमवार देर रात खम्मम के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज के दौरान हार्ट स्ट्रोक से निधन हो गया। वे 48 वर्ष के थे। पूर्व मंत्री पुव्वाडा अजय कुमार ने ताजुद्दीन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि ताजुद्दीन का निधन पार्टी, मुस्लिम माइनॉरिटी समुदाय और उनके परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति है। पूर्व मंत्री ने कहा कि ताजुद्दीन एक समर्पित नेता और पार्टी के सच्चे सिपाही थे, जिन्होंने पार्टी के लिए अथक काम किया। पार्टी के सीनियर नेताओं आरजेसी कृष्णा, बाचू विजय कुमार, के. नागभूषणम, पगडाला नागराजू, अन्य लोगों ने ताजुद्दीन के पार्थिव शरीर पर पार्टी का झंडा ओढ़ाया और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

हरीश ने पॉलिटेक्निक छात्रों के विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया

पूर्व मंत्री ने जीओ 97 को वापस लेने की मांग की

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस के उपसभापति टी. हरीश राव ने मंगलवार को सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज, मसाब टैंक में जीओ संख्या 97 को वापस लेने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त की। उसी कॉलेज के पूर्व छात्र होने के नाते, हरीश राव ने कहा कि वह न केवल एक जन प्रतिनिधि के रूप में बल्कि एक पूर्व छात्र के रूप में भी छात्रों के साथ खड़े हैं और उनके आंदोलन को अपना पूरा समर्थन देते हैं। इस अवसर पर बोलते हुए हरीश राव ने कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार जिस तरह से इस मुद्दे को संभाल रही है, उससे लगभग एक लाख पॉलिटेक्निक छात्रों का भविष्य खतरे में पड़ रहा है। रेवंत रेड्डी जिस तरह से सरकार चला रहे हैं, उसे देखकर ऐसा लगता है मानो वह किसी पागल के हाथ में पत्थर हो। सरकार सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेजों को आईटीआई में विलय करके प्रस्तावित कौशल विश्वविद्यालय को सौंपने की कोशिश कर रही है। यह सरासर अस्वीकार्य है।

हरीश राव ने आरोप लगाया कि प्रस्तावित कौशल विश्वविद्यालय को सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत संरचित किया गया है और उन्होंने चिंता व्यक्त की कि सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेजों को अंततः निजी नियंत्रण में लाया जा सकता है। उन्होंने कहा, तेलंगाना में 113 पॉलिटेक्निक कॉलेज हैं, जिनमें से 59 सरकारी कॉलेज हैं। सरकार अब इन संस्थानों को कौशल विश्वविद्यालय ढांचे के अंतर्गत लाने का प्रयास कर रही है। इससे लगभग एक लाख छात्रों का भविष्य सीधा प्रभावित होगा। यह किसी एक कॉलेज का मामला नहीं है; यह पूरी पीढ़ी के भविष्य का सवाल है। बीआरएस नेता ने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों के भविष्य की तुलना में सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेजों की बहुमूल्य जमीनों और संपत्तियों में अधिक रुचि रखती है। रेवंत रेड्डी का ध्यान इन संस्थानों की जमीनों और संपत्तियों पर केंद्रित प्रतीत होता है। हजारों करोड़ रुपये की सरकारी इमारतों और जमीनों को ऐसे ढांचे के दायरे में लाया जा रहा है।

गुत्ता ने कल्याण समितियों के प्रभावी कामकाज की मांग की

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति, पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति और महिला, बाल, दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिकों के लिए कल्याण समितियों की उद्घाटन बैठकें मंगलवार को तेलंगाना विधान परिषद के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गईं। विधान परिषद चेयरमैन गुत्ता सुखेन्द्र रेड्डी, विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार, विधायी कार्य मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू, विधानसभा उपाध्यक्ष बंदा प्रकाश, समिति अध्यक्ष पयाम वेंकटेश्वरलू, राज ठाकुर और चित्तम पर्निका रेड्डी, विधानसभा और विधानसभा के सदस्य, दोनों सदनों के सचिव और वरिष्ठ अधिकारी बैठकों में उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, गुथा सुखेन्द्र रेड्डी ने कहा कि विधायी समितियाँ सार्वजनिक मुद्दों की गहराई से जांच करके और सरकार को उचित सुझाव और सिफारिशें देकर विधायिका के कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने समितियों से आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करें कि अनुसूचित जनजातियों, पिछड़े वर्गों, महिलाओं, बच्चों, विकलांग व्यक्तियों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए कार्यान्वित कल्याणकारी योजनाएं जमीनी स्तर पर प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक पहुंचें।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.